प्रेस क्लब भवन निर्माण के लिए कार्यपालक पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

मसौढ़ी के पत्रकारों के लिए प्रेस क्लब निर्माण को लेकर पत्रकारों की मांग एक लंबे समय से लंबित रही है। मसौढ़ी अनुमण्डल के सभी पत्रकारों के बीच प्रेस क्लब बनाने का इंतजार काफी लंबा रहा है। इसी दौरान एक बार फिर से अनुमंडलीय पत्रकार यूनियन की ओर से इस दिशा में पहल कर दी गई है। इसी को लेकर नगर परिषद् के कार्यपालक पदाधिकारी राजू रंजन से भेंट करके उन्हें प्रेस क्लब भवन निर्माण को लेकर पत्रकार यूनियन की ओर से ज्ञापन सौंपा गया। इसके साथ ही कार्यपालक पदाधिकारी राजू रंजन ने सभी पत्रकारों के यूनियन को आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक प्रयास किया जाएगा और आगामी बोर्ड की बैठक में इस पर प्रस्ताव को लेकर चर्चा की जाएगी। कार्यपालक पदाधिकारी राजू रंजन ने कहा कि इस दिशा में पहल करते

हुए जमीन को भी चिन्हित किया जा रहा है। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और समाज का दर्पण भी है। खबरों को निर्भीक होकर आम जनता के लिए छापना एवं दिखलाना प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडियाकर्मी का दायित्व है। लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मसौढ़ी में प्रेस क्लबभवन निर्माण का कार्य बेहद जरूरी है। इस ज्ञापन को देने में पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, उपाध्यक्ष नागेन्द्र कुमार सिन्हा, महासचिव अरुण कुमार, सचिव शशि तुलस्यान, संयुक्त सचिव अरविंद कुमार, सह कोषाध्यक्ष मो० शाहनवाज अहमद आदि शामिल रहे।●

शहीद संजय सिन्हा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

बजाज फाइनेंस ने रहमतगंज को 21 रन से हराया

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

गांधी मैदान में चल रहे शहीद संजय सिन्हा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के तहत रविवार को बजाज फाइनेंस क्रिकेट टीम और वाइएमसी रहमतगंज के बीच मुकाबला खेला गया। रोमांचक मैच में बजाज फाइनेंस की टीम ने सधी हुई गेंदबाजी और अनुशासित खेल के दम पर 21 रन से जीत दर्ज की। टॉस जीतकर रहमतगंज की टीम ने पहले फील्डिंग करने का निर्णय लिया। इसके बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी बजाज फाइनेंस की टीम ने निर्धारित 12 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 83 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रहमतगंज की टीम बजाज फाइनेंस के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम 62 रन पर ऑलआउट हो गई।

बजाज फाइनेंस की जीत में गेंदबाजों की भूमिका अहम रही। शानदार गेंदबाजी के लिए टीम के खिलाड़ी शशि कुमार भूलन को

मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। उन्होंने महत्वपूर्ण मौकों पर हैट्रिक विकेट लेकर मैच का रुख अपनी टीम के पक्ष में मोड़ दिया। मैच के दौरान बजाज फाइनेंस बिहार के रीजनल मैनेजर लोकेश चंद्रा, आयोजक शशि भारत, विकास पटेल, आलोक कुमार, राजन कुमार, रजनीश कुमार, आशीष कुमार, आदित्य कुमार, राकेश कुमार, चितरंजन कुमार, अविनाश कुमार, उज्जवल शर्मा, आनंद कुमार और सौरभ कुमार सुमन समेत बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। टूर्नामेंट में लगातार हो रहे मुकाबलों से गांधी मैदान का माहौल पूरी तरह क्रिकेटमय बना हुआ है और दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।●

युनियन द्वारा असहायों के बीच कंबल वितरण

● श्रीकांत कुमार श्रीवास्तव

आमतौर पर पत्रकारों को खबरों के पीछे भागते और खबरों में व्यस्त रहते तो सब जानते ही हैं, लेकिन पत्रकार न केवल खबरों से रू-ब-रू कराता है बल्कि हर सामाजिक कार्यों में अपनी मजबूती से सहभागिता भी दिखता है। मसौढी अनुमंडलीय पत्रकार यूनियन की ओर से एक छोटी सी कोशिश उन जरूरतमंद वृद्ध असहाय लोगों के बीच कंबल वितरण कर एक नया आयाम लिखने की कोशिश की है। यूनियन के अध्यक्ष पंकज कुमार सिंह, उपाध्यक्ष नागेंद्र सिन्हा, प्रभंजन सिंह, राजेश कुमार, महासचिव अरुण कुमार, सचिव शशि तुलस्यान, संयुक्त

सचिव अरविंद कुमार एवं अजय कुमार, संगठन सचिव ललित नारायण सिंह एवं कोषाध्यक्ष अजय कुमार बब्लू, सह कोषाध्यक्ष शाहनवाज अहमद आदी की सहभागिता रही।●

इतिहास में दर्ज होगा 'मोदी युग'

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भागलपुर जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि भारत के इतिहास गवाह है- जब -जब राष्ट्र ने प्रगति की छलांग लगाई है तब तब किसी न किसी सरकार ने राजनीतिक भय तोड़कर कठोर निर्णय लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया निर्णय का क्रम उसी श्रेणी में आता है जिसे आने वाली पीढ़ियां राष्ट्रीय हित के निर्णायक हस्तक्षेप के रूप में याद रखेगी। धारा 370 और 35 का अंत संविधान की जीत। 5 अगस्त 2019, यह तारीख भारत के संवैधानिक इतिहास में निर्णायक मोड़ है। संविधान के अनुच्छेद 370 और 35 ए को हटाकर मोदी सरकार ने वह किया, जिसे दशकों तक ''असंभव'' बताया गया। अनुच्छेद 370 के कारण जम्मू कश्मीर में अलग सविंधान, अलग झंडा और अलग कानून व्यवस्था थी। इस असमान वयवस्था में अलगाववाद, आतकंवाद और भ्रष्टाचार को खाद दी। पत्थरवाजी और आतकंवादी घटनाओं में भारी गिरावट। आतंकी घटनाओं में भारी गिरावट आई है लोकसभा विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न। शिक्षा, निवेश मेडिकल कॉलेज सड़क और पर्यटन में तेज बढ़ोतरी यज्ञ फैसला केवल प्रशासनिक नहीं था, यह संविधान की पूर्णता का ऐलान था। एक देश एक संविधान। लाल चौक पर तिरंगा प्रतीक नहीं चुनौती। श्रीनगर के लाल चौक पर निर्बाध तिरंगा फहराना केवल एक रस्म नहीं में नहीं, बल्कि उन ताकतों को खुली चुनौती थी, जो वर्षो से भारत की संप्रभुता पर सवाल उठाती रही। जहां कहीं भारत माता की जयकारे पर गोलियां चलती थी ,आज लोकतंत्र की आवाज में बुलंद है। यह

परिवर्तन अपने आप नहीं हुआ है। राजनीतिक इच्छा शक्ति का परिणाम है। तीन तलाक पर प्रहार ,महिला न्याय का कानून। 22 अगस्त 2017 को सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक को असवैधानिक घोषित किया और मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत इसे दंडनीय अपराध बनाया गया। वर्षों तक लाखों मुस्लिम महिलाएं एक फोन कॉल, एक संदेश या एक वाक्य से बेसहारा कर दी जाती थी । यह कानून किसी धर्म के खिलाफ नहीं संविधान के अनुच्छेद 14 समानता और 21 सम्मानपूर्वक जीवन की रक्षा जीवन की रक्षा में था, विरोध हुआ हंगामा हुआ लेकिन सरकार नहीं झूकी। हलाला जैसी असामान्य प्रथाओं पर चोट। हलाला जैसी नारी जैसी गरीमा और मानव अधि कारों पर सीधा आघात थी। मोदी सरकार का स्पष्ट संदेश था। कोई भी प्रथा संविधान के ऊपर नहीं। धर्म के नाम पर शोषण अब स्वीकार नहीं। यह वही सरकार है, जिसने साफ कहा कि सुधार का विरोध करने वाले चाहे जितना शोर मचाए। राज्य महिलाओं के साथ खड़ा रहेगा।

इतिहास क्या लिखेगा? इतिहास यह नहीं पूछेगा कि कितना विरोध हुआ, इतिहास यह पुछेगा कि जब देश को निर्णय चाहिए था तब कौन खड़ा था और उत्तर स्पष्ट होगा धारा 370 हटाई गई। संविधान की समानता लागू हुई। महिलाओं को न्याय मिला । राष्ट्र की संप्रभुता मजबूत हुई। मोदी युग को इसलिए याद किया जाएगा कि यह फैसले के लिए गए डरकर नहीं देश के लिए। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों को सराहना करने वालों में वरिष्ठ पत्रकार अमरेश सिंह, भाजपा नगर के वरिष्ठ उपाध्यायक्ष अनील कुमार शर्मा, भाजपा जिला मंत्री शोभा देवी, दिनेश कुमार, शोभा पटेल, ममता पटेल, मनीषा कुमारी, जितेंद्र मिसत्री, राजेन्द्र राणा पासवान, प्रतिमा पाण्डेय, रुबी कुमारी, संजिव यदुवेदु आदि।●

विधायक को टेलीफोन रिचार्ज के लिए रूपये क्यों?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

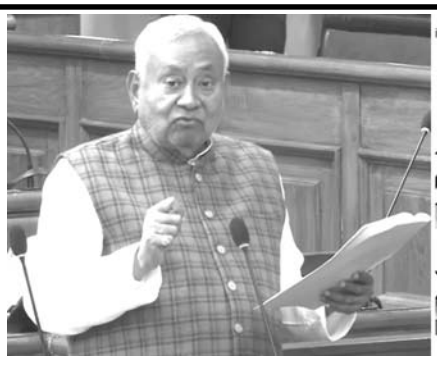

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज मैं एक ऐसे विषय पर लिखना चाहता हूं जो सीधे-साधे आम जनता की जेब और सरकारी खजाने से जुड़ा हुआ है। आज एक आम नागरिक का मोबाइल फोन रिचार्ज 350 रुपए महीना में आराम से हो जाता है। गरीब मजदूर ,किसान छात्र सभी इसी में अपना काम चला रहे हैं तो फिर सवाल उठता हैघ। जब 350 रुपये में आम आदमी का काम चल जाता है तो विधायक और संसद को 8500 रुपये महीना मोबाइल भता क्यों दिया जाता है। क्या विधायक और सांसद का मोबाइल का कोई अलग नेटवर्क पर चलता है। क्या उनका कॉल आम आदमी से महंगा होता है? सुविधा वही है, खर्च वही है तो रिचार्ज के लिए पैसा ज्यादा क्यों। यह पैसा किसी नेता की जेब का नहीं है, यह जनता का खून पसीना का पैसा है। यह पैसा स्कूल ,अस्पताल, सड़क, गरीबों की दवा और बच्चों की पढ़ाई में लगना चाहिए।

कहीं बच्चे बिना किताब के पढ़ रहे हैं कहीं मरीज बिना दवा की तरफ रहे हैं कहीं किसान कर्ज से आत्महत्या कर रहे हैं और वहीं दूसरी ओर नेताओं को जरूर से ज्यादा भत्ते दिए जा रहे हैं साथियों हम यह नहीं करते हैं फिर प्रतिनिधियों को सुधारना मिले लेकिन जितना जितनी जरूरत हो उतनी ही सुधार मिले अगर आज देश का को बचाना है तो सबसे पहले फिर खर्ची पर रोक लगनी चाहिए लगानी चाहिए लगानी होगी मैं सरकार से मांग करता हूं विधायक सांसद के मोबाइल मटके को आम आदमी के खर्च के अनुसार तय किया जाए सभी भक्तों को सार्वजनिक संख्या हो बची हुई राशि को शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार में लगाया जाए अंत में मैं यही कहूंगा सरकारी धन कोई नेता की जागीर नहीं, जनता की अमानत है यह अमानत की बर्बादी अब बरदास्त नहीं की जाएगी।

डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि विधायक यदि दोनों कान में 24 घंटे मोबाईल लगाए रहने के बावजूद 700 महिना होगा। यदि पत्नी भी दोनों कान में लगाए रहे उसके बावजूद 14 00 महिना होगा। यदि पुत्र और पुत्र वधू को दोनो कान के लिए मोबाइल दें तो 2800 सौ रूपये खर्च होगा। यदि एक साला और शाली को भी दो दो मोवाईल दें दे तो 35 सौ रूपये खर्च होगा। विधायक, सांसद के अलावा भी भाजपा के सगंठनकर्ता प्रदेश अध्यक्ष, सभी जिला अध्यक्ष, प्रखण्ड अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष साथ ही सभी सगंठन कर्ता को आखं खोल कर आवाज उठानी चाहिए। सगंठन कर्ता अभी तक तीन ही काम सीखा है नारा लगाना, माला पहनाना, फोटो खिंचवाना?●

देश के विकास की जड़ों को खोखला कर रहा ठेकेदारी प्रथा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

आज मैं एक ऐसे विषय पर लिख रहा हूं जो हमारे देश की विकास की जड़ों को खोखला कर रहा है? ठेकेदारी प्रथा। इतिहास गवाह है की अंग्रेजी शासन के समय बने पुल, भवन, रेलवे स्टेशन, नहरे और सरकारी ईमारते आज भी मजबूती से खड़ी है। कई पुल तो 100 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं फिर भी आज तक उपयोग में है। उस समय न आधुनिक मशीनें थी, न आज जैसी तकनीक फिर भी नर्माण टिकाऊ था। क्योंकि उस समय काम सरकारी निगरानी और सीधे जिम्मेदारी में होता था। लेकिन आजादी के बाद धीरे-धीरे ठेकेदारी प्रथा लागू की गई। काम सरकार का पैसा जनता का और जिम्मेदारी किसी की नहीं। ठेकेदार का मतलब है कम लागत, कम गुणवत्ता और अधिक मुनाफा। आज हालत यह है कि पुल

बनते ही गिर जाते हैं, सड़के उद्घाटन से पहले उखड़ जाती है। यह ठेकेदारी प्रथा केवल इंट -पत्थर नहीं गिराती, यह गरीब की जान, किसानों की मेहनत और देश का भविष्य गिराती है। हम पूछते हैं क्या सरकार के पास अपने इंजीनियर नहीं है? क्या सरकारी विभाग खुद निर्माण नहीं कर सकते? तो जनता के पैसों की विचौलियों के हवाले क्यों किया जाता है। ठेकेदारी प्रथा भ्रष्टाचार की जननी है, जहां ठेका है, वहां दलाली है, वहाँ गुणवत्ता कि हत्या है। आज जरूरत है हम आवाज उठाएं, सरकारी निर्माण कार्य सीधे सरकारी निगरानी में हो। गलत निर्माण पर सीधे जेल हो? जांच नहीं। और जनता के पैसों से खेलने वालों का बखशा नहीं जाए? मैं साफ कहना चाहता हूं कि जब तक ठेलारी प्रथा रहेगी तब तक न टिकाऊ विकास होगा, न सुरक्षित पुल होगें। और न ईमानदार व्यवस्था बनेगी।●

बिहार के विधायकों को तोहफों की बरसात?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

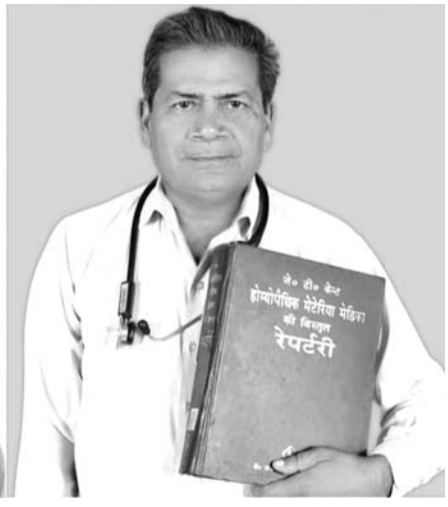

नव वर्ष पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधायकों को तोहफो की बरसात कर दी। बड़ी-बड़ी सौगातें दी। लेकिन जिस जनता ने विधायक बनाया, उसकी समस्याएं आज भी वही खड़ी है जहां सालों पहले थी। बिहार विधानमंडल के वर्तमान और पूर्व सदस्यों का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार वेतन, भत्ता ,पेंशन बढ़ाने का आदेश जारी किया है। विधानमंडल के सदस्यों को अब हर माह वेतन भत्ते में वृद्धि से हर माह 50 हजार मिलेगें। विधान मंडल के सदस्यों को अव हर माह 50000 वेतन मद में मिलेंगे। क्षेत्रीय भत्ता अब 5000 मिलेगें। गाड़ी के लिए अब 25 लाख रुपये मिलेगें। विधायकों को अब दैनिक भत्ता प्रतिदिन तीन हजार रुपये मिलेगें। बिहार से बाहर रहने पर 3500 रुपये मिलेगें।

विधायकों, पार्षदों को स्टशनरी कज लिए अब 15 हजार रुपये मिलेगें। पहले रेल या हवाई यात्रा के लिए तीन लाख रुपये का कुपन मिलता था अब चार लाख रुपये मिलेगें। जिन विधायकों को सरकारी आवास नहीं मिला है उन्हें अब तक 28000 रुपए दिए जा रहे थे लेकिन अब उसमें वृद्धि कर 35000 मिलेगें। वही आवास बिजली में खर्च के लिए 7000 रूपये मिलते थे अब उसे बढ़ाकर 8000 प्यार किया गया है। पूर्व विधायक ,विधान परिषदों के पेंशन में वृद्धि के लिए न्यूनतम 35000 रूपये पेंशन थे अब 10000 की वृद्धि के लिए अब उन्हें पेंशन 45000 की गई है। गाड़ी के लिए पहले 15 लाख रुपए की लोन मिलता था अब 25 लाख रुपये मिलेगें। वहीं बिहार के से बाहर रहने पर 2500 रूपये मिलता था अब उसे बढ़ा कर दिया गया है 3500 रुपये मिलेगें।

डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि क्या जन सेवा का मतलब सत्ता में आते ही सुविधा भोगना, विधायकों को तोहफे कि नैतिकता के तहत दिए जा रहे हैं। एक और सरकार कहती है खजाना खाली है दूसरी ओर विधायकों के लिए खजाने के मुंह तुरंत खुल जाते हैं? जनता के लिए बजट में पैसा नहीं है और सत्ता के लिए उदारता। आज का लोकतंत्र जनता के वोट से चलता है? लेकिन सुविधा सत्त वालों को मिलती है। अगर यही परंपरा रही तो जनता को भरोसा टूटेगा और लोकतंत्र केवल वोट डालने की रस्में रह जाएगी। नव वर्ष पर सरकार से एक ही सवाल विधायकों को तोहफे देने से पहले फिर देने से पहले, विधायक बनाने वाली जनता की समस्याएं कब सुलझगी? होगी जब तक जनता की थाली भरी रही नहीं, युवा को रोजगार नहीं, किसान कर्ज मुक्त नहीं, तब तक सत्ता के हर तोहफे, जख्मों पर नमक है।●

वृद्धा आश्रम में शिक्षित और संपन्न वर्ग के ही माता-पिता रहते हैं!

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

यह सच अब किसी आंकड़ों का मोहताज नहीं ना वहां गरीब के जनक हैं और न अनपढ़ के। यह तथ्य नहीं। सिस्टम पर करारा तमाचा है। जिस शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया गया। उसी शिक्षा ने ऐसी पीढ़ी पैदा की जो अपने ही माता-पिता को बोझ समझने लगी। जिस सम्पन्नता को विकास कहा गया, उसी समपन्नता ने संबंध था रिश्तो को सौदे में बदल दिया। और राजनीतिक चुप है। क्योंकि बृद्धा आश्रम में पड़े हुए ये बुढ़े न वोट बैंक है, न सत्ता के काम के। सरकारें गर्व से कहती है। बुजुर्गो के लिए योजनाएं हैं, पेंशन है, प्रशासन है, वृद्धा आश्रम है। सवाल या नहीं की बृद्धा आश्रम क्यों है। सवाल यह है की माता-पिता को घर से निकालने वाली शिक्षा और व्यवस्था पर कार्रवाई क्यों नहीं होती है। गरीबों के पास नीति नहीं, पर उसके पास संस्कार है। शिक्षित धनवान के पास कानून है पर उसके पास संवदना नहीं। यह केवल सामाजिक पतन नहीं यह राजनीतिक और प्रशासनिक विफलता है । जिस देश में माता-पिता के लिए घर नहीं बचता वहां भाषण में सभ्यता और संस्कृति का ढोल पीटना सबसे बड़ा पाखंड है। नेताओं को जवाब देना होगा क्या विकास का अर्थ है मां-बाप को बृद्धाआश्रम छोड़ आना है ?छोड़ना है? क्या शिक्षा और लक्ष्य कर्तव्य से पलायन सीखना है। अगर नहीं व्यवस्था को तय करना होगा। या तो परिवार बच्चेंगे या बृद्धा आश्रम और लंबी होगी। क्योंकि समाज अपने जन्मदाता को छोड़ देता है, वह भविष्य की बात करने का नैतिक अधिकार खो देता है।●

घटना के कई घंटे बाद पहुंची पुलिस फिर भी लिखा जाता है-मौके पर पहुंची पुलिस

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

यह सिर्फ झूठी पंक्ति नहीं, न्याय व्यवस्था पर सीधा प्रहार है? भारत के लोकतंत्र में पुलिस पहली प्रतिक्रिया एजेंसी फर्स्ट रिपोर्ट मानी जाती है। लेकिन जमीनी हकीकत यह है की घटना के चार-चार घंटे बाद, कहीं-कहीं तो अगले दिन पुलिस पहुंचती है और फिर भी अखबारों में एक घिसी -पिटी पंक्ति लिख दी जाती है - सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। सवाल नहीं कि पुलिस देर से पहुंची, सवाल यह है कि देर को तत्काल कैसे कर दिया जाता है?

कानून क्या कहता है? और जमीन पर क्या हो जाता है? दंड प्रक्रिया संहिता सीआरपीसी की स्पष्ट अवहेलना धारा धरा 154 सीआरपीसी। संज्ञेय अपराध सूचना मिलते ही एफआईआर दर्ज करना अनिवार्य है। सुप्रीम कोर्ट के अनुसार एफआईआर में देरी असंवैधानिक है। एफआईआर दर्ज होते ही पुलिस को तुरंत घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू करनी होती है। धारा 41 से सीआरपीसी पुलिस की लापरवाही और मनमानी पर अकुश लगाने का प्रावधान है। क्या पुलिस की लापरवाही और मनमानी पर अंकुश लगाने का प्रावधान है? जब पुलिस आधे या एक दिन बाद पहुंचती है तो कौन सी धारा का पालन हुआ? यह संविधान की हत्या, अनुछेद 21 का उलंघन है। सुप्रीम कोर्ट बार-बार कह चुका है कि त्वरित पुलिस कार्रवाई भी जीवन का अधिकार का हिस्सा है। पुलिस की देरी के कारण पीड़ित की मौत हो सकती है? सबूत नष्ट भी किया जा सकता है? आरोपी फरार भी हो सकता है। गवाह का डर के मारे खामोश हो सकती है। प्रशासनिक विफलता नहीं, यह संवैधानिक अपराध है? जब अखबार बिना सोंचे समझे लिख देता है-सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तो यह सिर्फ भाषा की गलती नहीं होती, यह लोकतंत्र को भ्रमित करना? प्रीड़ित को दोबारा दोबारा घायल करना? लापरवाह पुलिस को क्लीन चिट देना ?प्रेस काउंसलिंग ऑफ इंडिया के निर्देश कहते हैं। खबर तथात्मक, सत्यापित और जिम्मेदार होनी चाहिए। तो फिर यह झूठी पंक्ति बार-बार क्यों? क्योंकि सवाल पूछना असुविधाजनक है। देरी के असली कारण-जिन्हें छुपाया जाता है। राजनीति दबाव, समझौते की कोशिश, अपराध को हलका दिखाने का साजिश, एफआईआर न दर्ज करने का खेल, ऊपर से आदेश का बहाना, इन कारनो पर कार्रवाई क्यों नहीं।

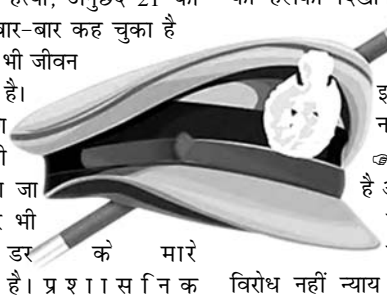

☞ **निष्कर्ष :**- सच लिखना है असली सुधार है। अगर अखबार लिखे :घटनाएं 6 घंटे बाद पुलिस पहुंची तो यह पुलिस विरोध नहीं न्याय का समर्थन होगा। जब तक देरी पर सवाल नहीं उठेगें धाराएं नहीं लिखी जाएगी? जिम्मेदार अधिकारियों का नाम नहीं आएंगे तब तक मौके पर पहुंचे पुलिस की झूठी पंक्ति नहीं, न्याय व्यवस्था की कब्र पर शीला लेख बनी रहेगी? सबाल है की क्या अखबार सत्ता के सुविधा के लिए है या जनता के न्याय के लिए?●

अपराध और भ्रष्टाचार : सरकार की अनिच्छा का सच

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि यदि सच में सरकार और पुलिस अपराध रोकना चाहे तो लंबी योजनाओं, नए कानूनों और खोखले भाषणों की जरूरत नहीं है। सिर्फ दो कदम उठा लिया जाए तो 90% से ज्यादा अपराध अपने आप दम तोड़ देंगे। लेकिन दुर्भाग्य है कि यह दो कदम जानबूझकर नहीं उठाए जा रहे हैं। पहला कदम अपराध में इस्तेमाल होने वाले हथियारों के अनिवार्य बरामदगी। हत्या ,लूट, रंगदारी, हर अपराध की जड़ में अवैध हथियार है। सवाल सीधा है या अपराध के पास के पास हथियार आया कहां से? पुलिस मुठभेड़ के बाद अपराधी को पकड़ लिया जाता है। लेकिन की हथियार की पूरी सप्लाई चेन न पर चुप्पी क्यों? बरामदगी सिर्फ केस निपटाने का औजार बन गई है।,अपराध खत्म करने का माध्यम नहीं? दूसरा कदम :हथियार निर्माण स्थल और कारतूस सप्लायर का उद्वेदन। इन सवालों के जबाब अगर सामने आ गए तो, अपराध का पूरा साम्राज्य ढह जाएगा। इसलिए उद्भेदन नहीं किया जाता है? मांग सपष्ट है। हर अपराध में इस्तेमाल हथियार की श्रोत तक जांच अनिवार्य हो। हथियार निर्माण स्थल ऊदभेदन कानूनी बाध्यता बने? कारतूस सप्लाई करने वालों को मुख्य अपराधी माना जाए। जांच न करने वाले अधिकारी पर सीधी जवाबदेही और सजा तय हो।

जब तक हथियार रहेगा। अपराध होता रहेगा, जब तक हथियार का स्रोत सुरक्षित रहेगा, अपराधी बेखौफ रहेगा। सरकार और पुलिस अगर सच में ईमानदार है तो दो काम करके दिखाएं । बाकी सब बयान,आकड़े और मुठभेड़ जनता को गुमराह करने का नाटक मात्र है। अब सवाल यह है यह नहीं कि अपराधक्यों बढ़ रहा है। सवाल यह है कि किसके फायदे के लिए बढ़ने दिया जा रहा है। डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने माननीय भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी, बिहार के डीजीपी को सुझाव दिया है इस लेख को पढें, चिंतन करें तथा पुलिस अधिकारियों को सख्त आदेश दे।●

सस्पेंड, तबादला, निलंबन कोई सजा नहीं

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि जब भी किसी विभाग में भ्रष्टाचार उजागर होता है, सरकार का पहला कठोर कदम होता है तबादला या संसपेड? सवाल यह है कि क्या भ्रष्टाचार कोई प्रशासनिक भुल है या गभीर अपराध? अगर अपराध है तो अपराधियों को जेल क्यों नहीं भेजा जाता है। तबादला और निलंबन सजा नहीं सुविधा। तबादला कोई सजा नहीं बल्कि स्थान परिवर्तन है। निलंबन भी अधिकतम कुछ महीनों की अस्थायी प्रक्रिया है। जिसमें कर्मचारी का भत्ता मिलता है?

कमाल है लूट करो, पकड़े जाओ, और आराम से निलंबन का वेतन ले लो। यह वयवस्था भ्रष्टाचारियों को सरक्षण देती है, न कि सजा। कानून मौजूद है लेकिन लागू क्यों नहीं? भारत में भ्रष्टाचार से निपटने के लिए कड़े कानून मौजूद है, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित। संशोधित (2018) धारा 7/13 के तहत। 3 से 7 वर्ष की जेल और जुर्माना। आईपीसी की धारा 409। लोक सेवक द्वारा गबन। आजीवन कारावास तक का प्रावधान। ध न शोधन निवारण अधिनियम पीएमएलए। अवैध संपत्ति की कुर्की और जेल। फिर सवाल उठता है जब कानून इतना स्पष्ट है तो सरकार उसे लागू

करने से डर क्यों रही है। राजनीति संरक्षण असली बीमारी। कड़वी सच्चाई यह है कि बड़े भ्रष्टाचारी राजनीतिक संरक्षण में पलते हैं। जांच एजेंसियां अनुमति और स्वीकृति में उलझाई रह जाती है वर्षों तक केस लंबित रखे जाते हैं। नतीजा यह है कि ईमानदार अफसर डरता है और भ्रष्ट अफसर निर्भिक रहता है।

जनता को गुमराह करने की नीति। निलंबन और तबादला कर सरकार यह संदेश देती है की कार्रवाई हो गई। जबकि वास्तव में यह जनता की आंखों में धूल रोकने जैसा है। अगर कोई गरीब चोरी करें तो तुरंत जेल और कोई अफसर करोड़ लूटे तो सिर्फ तबादला? राज्य और केंद्र सरकार से सीधे सवाल (1) क्या भ्रष्टाचार अपराध नहीं है? क्या सरकारी कर्मचारी कानून से ऊपर है? क्या निलंबन ही अंतिम सजा है जेल का डर खत्म कर किसे लाभ पहुंचाया जा रहा है। समाधान क्या है ? हर भ्रष्टाचार पर एफआईआर। 6 महीने के भीतर फार्स्ट टैक्र ट्रायल। दोष सिद्ध होते ही तुरंत जेल। अवैध संपत्ति की जप्ती। केवल निलंबन नहीं।,अपराधिक मुकदमा अनिवार्य। निष्कर्ष जब भ्रष्टाचारियों को जेल नहीं भेजा जाएगा तब तो भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा? सरकार, भ्रष्टाचारियों के साथ है या जनता के साथ?●

जब खेत मिटेंगे, तब देश क्या खायेगा?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि आज देश के विकास की रफ्तार इतनी अंधी हो चुकी है कि उसे यह भी नही दिख रहा जिस धरती पर वह दौड़ रहा है, वही धरती खत्म कि जा रही है। खेतों पर सड़के बिछ बीच रही है। उपजाऊ जमीन पर पुल खड़े हो रहे हैं। हरियाली को रौंद कर रेलवे लाइन खींची जा रही है और अन्नदाता की जमीन पर फैक्ट्रियां का धुआं उठ रहा है। सवाल सीधा है जब जमीन ही नहीं बचेगी तो अन्न कहां से आएगा और जब अन्न होगा तो आदमी क्या खाएगा)? सरकार विकास का ढोल पीट रही है, मगर यह नहीं बता रही है की विकास का मतलब केवल कंक्रीट और लोहे को जंगल नहीं होता । सड़क, पुल और फैक्ट्री पेट नहीं भरते अन्न भरता हैं। यदि खेती की जमीन लगातार निगंली जा रहीं, तो देश को आयातित अनाज पर निर्भर होना पड़ेगा। तब न किसान बचेगा, न खाद्य सुरक्षा, न आत्मनिर्भरता का सपना।

यह कैसी नीति है जिसमें अन्न पैदा करने वाली धरती सबसे सस्ती समझ ली गई। मुआवजे का नाम पर कुछ पैसे थमा कर उसकी पीढ़ियों का भविष्य छीन लिया जाता है। आज वह मजदूर बनता है, कल उसका बच्चा बेरोजगार हो जाता है और परसों देश भूख के कगार पर खड़ा होता है। क्या यही विकास है जो पेट भरने की क्षमता ही खत्म कर दे। आज यदि खेत बेचगा नहीं तो कल अन्न के वगैर राशन कार्ड भी बेकार हो जाएगा। तब सरकारें भाषण देगी, योजनाएं बनाएगी, लेकिन भूखे पेट भाषण नहीं सुने जाते। भूख किसी पुल से नहीं मिलती, भूख मिटी है खेत से? समय रहते चेतना होगा। विकास की दिशा बदलिए, उपजाऊ जमीन बचाइए। खेती को संरक्षित कीजिए, उद्योग और इंफ्रास्ट्रक्चर के बंजर और गैर कृषि भूमि पर ले जाइए वरना इतिहास गवाह बनेगा कि हमने सड़क बना ली लेकिन देश का थाली खाली? भविष्य का सच है खेत नहीं तो अन्न नहीं, अन्न नहीं तो जीवन नहीं। भाजपा मीडिया मीडिया प्रभारी डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी से चिंतन करने के आग्रह किया है कि देश अन्न के वगैर भुखे मरने के बारी नहीं आए?●

जब शिक्षित युवा कम वेतन को तैयार हैं, तो सरकार वैकेंसी क्यों नहीं निकालती?

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा कि देश का सबसे बड़ा झूठ यह है कि सरकार के पास नौकरी देने की क्षमता नहीं है? सच यह है कि देश के लाखों शिक्षित युवा कम वेतन में भी नौकरी करने को तैयार हैं लेकिन सरकार वैकेंसी ही नहीं निकाल रही। आज का युवा यह नहीं कह रहा है कि मुझे अफसर बनाओ, बड़ी सैलरी दो? वह कह रहा है कि काम दो, सम्मान के साथ जीने का मौका दो। बीए, एमए, बीटेक, एमएससी, पीएचडी तक के युवा 15/16 हजार के महिना के लिए भी लाखों के भीड़ में परीक्षा दे रहे हैं। अगर युवक कम वेतन पर काम करने को तैयार है तो फिर भर्ती रोकने का क्या उचित है ,कम वेतन ज्यादा रोजगार। एक कर्मचारी पचास हजार रुपये माहवारी में काम कर रहा है। वही पचास हजार में तीन व्यक्ति नौकरी कर तीन परिवार का भरन पोषण हो सकता है। अगर सरकार सच में वेरोजगारी दूर करना चाहती है तो कम वेतन ज्यादा रोजगार अपनाना होगा?

सरकारी विभागों की असली तस्वीर। अस्पतालों में नर्स और टेक्नीशियन नहीं, पंचायत, ब्लॉक कार्यालय में स्टाफ नहीं, पुलिस बल में भारी कमी। कम कर्मचारी में ज्यादा काम लिया जा रहा है। लेकिन नियुक्ति नहीं की जा रही है। राज्य ,केंद्र सरकार से सीधे सवाल कम वेतन पर तैयार है तो भर्ती क्यों नहीं, खाली पद भरने में देरी किसकी हित में है। संविदा और आडटसोर्सिंग है पर नियमित भर्ती क्यों नहीं? क्या बेरोजगारी आंकड़ों से नहीं नौकरी से खत्म होगी। कम वेतन पर स्थाई कैडर बनानाएं। शोभा पटेल ने कहा कि 16 हजार रुपये माहवारी में वैकेंसी निकालो सिपाही, दारोगा, शिक्षक, बीडीओ, सीओ, कर्मचारी, आपूर्ति, निरीक्षक आदि सभी

प्रकार के नौकरी के लिए उत्साह से नौकरी करेगा। ऐसे नौकरी में सिर्फ धनाढ्य परिवार के तथा बड़े बड़े अधिकारियों के बेटा, बेटी 16 हजार में प्रतिष्ठा के सवाल बनाकर नौकरी मे नही भी जा सकता है।●

ठंड-प्रदूषण से होने वाली बीमारियों की होमियोपैथी दवा

● डॉ० लक्ष्मीनारायण सिंह

होमियोपैथी अस्पताल स्टेशन रोड फतुहा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसका अध्यक्षता डॉ० कामनी कुमारी मुख्य अतिथि डॉ० लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। डॉ पटेल ने कहा कि वैसे तो हर बार मौसम बदलते समय खान-पांन और रहन-सहन पर विशेष सतर्कता बढ़ाने की जरूरत होती है। लेकिन मौसम के ईस संधिकाल में ध्यान देना और उन्हें अपनाना ज्यादा जरूरी होता है। आजकल की घोर प्रतिस्पर्धा वाली तनावपूर्ण जिंदगी और प्रकृति से दूर होती जीवनशैली के कारण लोगों की शारीरिक कार्य क्षमता में कमी आ रही है। इस कारण से अवसाद ग्रस्त हो रहे हैं तथा अनेक बीमारियां लोगों को अपने शिकंजे में कस रही है। ज्यादातर बीमारियों का कोई मौसम नहीं होता है कुछ बीमारियां ऐसी है कि ठंड या गर्मी आने के बीच ज्यादा देखी जाती है। तापमान के उतार चढ़ाव के कारण बहुत से लोग इस मौसम में श्वास जनित संक्रमण सर्दी खांसी, दमा आदि से प्रभावित हो जाते हैं।

☞ ठंडी हवा से नाक बहना आंख से पानी, नाक में जलन होने पर दवा का नाम आर्सेनिक एलबम 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ ठंड, धूल, धुंआ से एलर्जी बेचौनी होने पर दवा का नाम आर्सेनिक एलबम 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ सुबह मे छीकें, नाक से पानी नेट्रम म्यूर 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ छाती में बलगम, नाक से पानी गिरने पर दवा का नाम एनटीमोनिया कार्ब 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ दमे के साथ उलटी कै होने पर दवा इपीकाक 30 एक बूंद तीन बार रोज। ठंड हवा से बढ़ना स्पांजिया 30 एक बूंद तीन बार रोज।

☞ रोग के प्रारंभिक अवस्था में नाक से पानी गिरता है, शरीर में एंठन होती है। दवा का नाम कैंफर 30 एक बूंद तीन बार रोज। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही ईस्तेमाल करें। इस अवसर पर भरोसा नेत्री शोभा पटेल, अनामिका कुमारी, मनीषा कुमारी, शयामनंद कुमार, रुबी कुमारी आदि शामिल हुए।●

सारण एसपी बने डीआईजी

सख्त कार्रवाई, सशक्त पुलिसिंग और सुरक्षित सारण : विगत् 19 महीनों की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ

● **दीपनारायण सिंह दीपक**

पुलिस उप-महानिरीक्षक-सह-वरीय पुलिस अधीक्षक, सारण डॉ. कुमार आशीष के कुशल नेतृत्व और प्रभावी पर्यवेक्षण में सारण पुलिस ने बीते 19 महीनों (01 जून 2024 से 31 दिसंबर 2025) में अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था और जन-सुरक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर चलते हुए पुलिस ने संगठित अपराध, अवैध खनन और मद्यनिषेध के विरुद्ध निर्णायक प्रहार किया है, जिसकी संक्षिप्त विवरणी निम्न प्रकार है :-

❖ **गिरफ्तारी एवं न्यायिक प्रक्रिया का सफल निष्पादन** :- इस अवधि के दौरान पुलिस ने विभिन्न कांडों में कुल 23,612 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

☞ प्रमुख गिरफ्तारियाँ :- हत्या (329), हत्या का प्रयास (1,517), लूट (152), डकैती (43), बलात्कार (58), पॉक्सो (79), अपहरण (355) और आर्म्स एक्ट (397)।

☞ न्यायिक दबदबा :- फरार अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए 29,518 वारंट, 23,914 सम्मन, 4,530 इस्तेहार और 1,434 कुर्की का विधिसम्मत निष्पादन किया गया।

❖ **अपराध के ग्राफ में ऐतिहासिक गिरावट (तुलनात्मक विश्लेषण)** :- पिछले 4 वर्षों (2021-2024) के औसत की तुलना में वर्ष 2025 में संगीन अपराधों में भारी कमी दर्ज की गई :-

☞ लूट :-50% की कमी।

☞ डकैती :-33% की कमी।

☞ दंगा :-सामान्य दंगों में 78% और भीषण दंगों में 50% की कमी।

☞ चोरी :-22% की कमी द्य हत्या: 15% की कमी।

❖ **अवैध गतिविधियों एवं मद्यनिषेध के विरुद्ध प्रहार** :- शराबबंदी कानून के प्रभावी अनुपालन हेतु सारण पुलिस ने जल और थल दोनों मार्गों पर कार्रवाई की :-

☞ बरामदगी :-2,92,422 लीटर अवैध शराब और भारी मात्रा में मादक पदार्थ (गांजा, स्मैक) एवं विस्फोटक।

☞ भट्टी ध्वस्तीकरण :-5,423 अवैध शराब भट्टियों को नष्ट कर 17,96,081 लीटर अर्ध निर्मित शराब का विनष्टीकरण किया गया।

☞ अवैध खनन :-1,931 छापामारी कर 9.08 लाख रूपये की CFT बालू जब्त की गई और 1,527.08 लाख रूपये का अर्थ दंड वसूला गया।

❖ **महिला सुरक्षा : 'आवाज दो' अभियान** :- महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण हेतु संचालित "आवाज दो" अभियान के माध्यम से 817 महिलाओं को सहायता दी गई :-

☞ 289 बालिकाओं को अनैतिक देह व्यापार के चंगुल से मुक्त कराया गया।

☞ 413 अपहृत बालिकाओं की सुरक्षित बरामदगी।

☞ हेल्पलाइन (9031600191) :- इसके माध्यम से 115 मामलों का त्वरित निष्पादन हुआ।

❖ **सजा एवं दोषसिद्धि (Speedy Trial)** :- न्यायालय के साथ बेहतर समन्वय के परिणामस्वरूप 7,801 अभियुक्तों को सजा दिलाई गई :-

☞ आजीवन कारावास :- 36 कांडों में 79 अभियुक्त।

☞ 10 वर्ष से अधिक सजा :- 18 कांडों में 28 अभियुक्त।

☞ कुल 6,392 कांडों में अभियुक्तों को दोषसिद्ध कराया गया।

❖ **मुठभेड़ एवं कठोर प्रशासनिक कार्रवाई** :- कानून का इकबाल बुलंद करने के लिए पुलिस ने कुख्यात अपराधियों के विरुद्ध सीधी कार्रवाई की :-

☞ पुलिस मुठभेड़ :- 5 प्रमुख मुठभेड़ों (डॉ. सजल अपहरण कांड, एकमा तिलकार मुठभेड़ आदि) में 07 कुख्यात अपराधी घायल अवस्था में गिरफ्तार किए गए।

☞ निवारक कार्रवाई :- BNSS की धारा 107 के तहत अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वाले 52 अपराधियों को चिन्हित कर 20 के विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव भेजा गया है तथा CCA-03 के तहत 1011 अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई की गई।

❖ **आधुनिक एवं प्रभावी पुलिसिंग के सूत्र** :-

☞ सुपर पेट्रोलिंग एवं बीट पुलिसिंग :- रात्रि सुरक्षा और ग्रामीण अंचलों तक पुलिस की पहुंच।

☞ ऑपरेशन त्रिनेत्र :-CCTV नेटवर्क का विस्तार।

☞ ERSS-112 :- न्यूनतम रिस्पांस टाइम के साथ त्वरित सहायता।

डॉ. कुमार आशीष, IPS के नेतृत्व में सारण पुलिस ने रसूलपुर तिहरा हत्याकांड में भारतीय न्याय संहिता (ठछै) के तहत भारत में पहली सजा करवाई, जिसमें महज 50 दिनों में दोषियों को आजीवन कारावास एवं 25,000 रू० जुर्माना की पहली सजा दिलाई. साथ ही, भुवनेश्वर में आयोजित 59वें डीजीपी-आईजीपी सम्मेलन में उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व गृह मंत्री अमित शाह के समक्ष इस केस का प्रस्तुतिकरण भी किया जिससे देश स्तर पर सारण तथा बिहार पुलिस का इकबाल बुलंद हुआ। सारण पुलिस जिले में भयमुक्त वातावरण और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आमजन का सहयोग और पुलिस की सतर्कता ही हमारी सफलता का आधार है।●

मगध इंटरनेशनल स्कूल टिकारी का फैलाव
चार जिलों में जला रहा शिक्षा का अलाव

● नवीन कुमार रौशन

सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त टिकारी स्थित 'मगध इंटरनेशनल स्कूल' नित्य नूतन सोपान चढ़ते हुए, विकास के नये मापदंड स्थापित करते हुए अपने क्षेत्र का विस्तार चार जिलों में कर लिया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कठोर अनुशासन के लिए चर्चित इस विद्यालय में गया, जहानाबाद, औरंगाबाद एवं अरवल जिले के विभिन्न प्रखंडों के विभिन्न गाँवों से हजारों बच्चे स्कूल वाहन द्वारा 25 से 32 कि.मी. का सफर तय कर शिक्षा प्राप्त करने आ रहे हैं, जो सुदूर क्षेत्रों तक विद्यालय की लोकप्रियता का परिचायक है। आधुनिक तकनीक से युक्त उत्कृष्ट शिक्षा, खेलकूद, नृत्य-संगीत एवं कला के क्षेत्र में विद्यालय ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की कई उपलब्धियाँ हासिल की है। अनुशासित वातावरण, समृद्ध पुस्तकालय, व्यवस्थित कंप्यूटर कक्ष, उत्कृष्ट विज्ञान प्रयोगशाला के साथ नन्हें-मुन्नों के लिए आकर्षण प्लेग्राउंड, खेल सामग्रियाँ एवं व्यवस्था विद्यालय की विशिष्ट पहचान है। बातचीत के क्रम में विद्यालय के निदेशक श्री सुधीर कुमार ने बताया कि अल्प अवधि में विद्यालय ने जो विशिष्ट पहचान बनाया है उसमें सुयोग्य, अनुभवी एवं प्रशिक्षित शिक्षकों का मार्गदर्शन, बच्चों की मेहनत एवं अभिभावकों का समुचित सकारात्मक सहयोग मुख्य है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भाँति इस बार भी सुदूर कई गाँवों के लोग विद्यालय में अपने बच्चों का नामांकन कराना चाहते हैं लेकिन आने-जाने में लगने वाले समय के मद्देनजर 32 कि.मी. से अधिक की दूरी पर स्थित गाँवों को जोड़ पाना न तो बच्चों के हित में है और न ही विद्यालय के हित में है, अस्तु अत्यंत विनम्रता पूर्वक विद्यालय उनसे क्षमा चाहते हैं। विद्यालय के एडमिन हेड श्री सुनील कुमार पाठक ने बताया कि जहानाबाद- अरवल जिले के रतनी फरीदपुर एवं कुर्था क्षेत्र के कुछ सीमावर्ती गाँव यथा मुरहारा, गोपालपुर, घेजन एवं बेलागंज प्रखंड के सीमावर्ती गाँव कोरियावॉ, अमरसीविगहा, पंडाविगहा कई गांवों को हम जोड़ रहे हैं जबकि कोरमधू, गंगटी, छकौड़ीविगहा जैसे गाँव पहले से जुड़े हैं।●

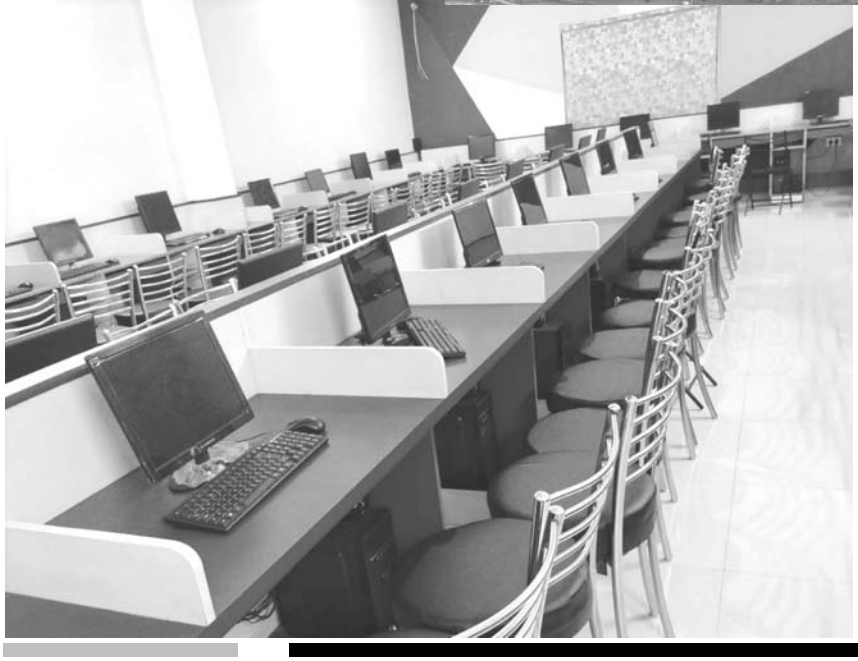

किसान दंपत्ति की गला रेत कर निर्मम हत्या

● मो० सईद

गया जिले के शेरघाटी थाना अंतर्गत चांपी गांव के खलिहान में धान की रखवाली कर रहे किसान पति पत्नी की गला रेत कर हत्या कर दी गई। किसान प्रदीप यादव उम्र लगभग 52 वर्ष तथा उनकी पत्नी केशरी देवी 48 वर्ष वर्तमान वार्ड सदस्य वार्ड नंबर 1 की हत्या गला रेतकर कर दी गई है। घटनास्थल पर सहायक पुलिस अधीक्षक सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शैलेंद्र सिंह थानाध्यक्ष मोहन कुमार दल बल के साथ जांच में जुटे हैं। पुत्र रवि कुमार यादव ने इसकी जानकारी सुबह में दी। घटनास्थल पर पतोहु प्रियंका देवी ने कहा हमलोग को सुबह में गांव के लोगों ने बताया। घटना के बारे में रिंकी देवी पुत्री ने बताया कि जिस खेत में खलिहान लगा है उसी खेत के लिए गोतिया से तीन चार साल से लड़ाई चल रहा है। कोर्ट में केस चल रहा है। पंद्रह दिन पहले धमकी दिया था। घटनास्थल पर एक कुल्हाड़ी पाया गया है लेकिन उसमें खून का निशान नहीं पाया गया है। संभावना है कि भ्रम पैदा करने के लिए हत्यारे कुल्हाड़ी छोड़ गए हैं। जबकि हत्या कोई और हथियार से किया गया है। पुत्री रिंकी ने बताया कि शाम 6 बजे ही खाना बन जाता है। खाने के बाद पापा और मम्मी दोनों रोज की तरह धान की रखवाली करने खलिहान में आ गए। कुछ देर बाद भाई भी आया था। लेकिन कुछ देर बाद भाई घर चला आया है। सुबह में रोज फोन करते थे। आज फोन नहीं आया। कुछ देर बाद ही जान मारने की खबर दी गई। हमलोग दौड़े आए तो देखा कि कोई धारदार हथियार से गला काट कर हत्या कर दी गई है। दोनों का शव के पास खून के थक्के पड़े हैं। मां बाप मृत पड़ा था। उसके बाद ग्रामीणों की भीड़ जमा होते गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस पहुंचकर जांच कर रही है। सीटी एस पी रामानंद कौशिक ने स्वजनों से अलग अलग करके एक एक कर बात किया। पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई है। अनुसंधान हेतु डॉग स्क्वायड की टीम पहुंच कर जांच कर रही है। एफएसएल की टीम भी घटनास्थल से नमूना एकत्र कर जांच के लिए साथ ले गई है।

ज्ञात हो कि दिनांक 26/12/2025 को शेरघाटी थाना को सूचना मिली कि ग्राम चापी में पति एवं पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। प्राप्त सूचना से वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक करवाई हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी 01 एवं शेरघाटी थानाध्यक्ष द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर जायजा लिया एवं घटनास्थल को संरक्षित किया गया तथा शव को पोस्टमार्टम हेतु मगध मेडिकल कॉलेज गया भेजा गया। पुलिस उपमहानिरीक्षक सह वरीय पुलिस अधीक्षक गया के द्वारा कांड के उद्भेदन हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शेरघाटी 01 के नेतृत्व में टीम गठित किया गया। उक्त टीम के द्वारा तकनीकी अनुसंधान कर इस कांड में संलिप्त मनोज मांझी और रघुनि मांझी को गिरफ्तार किया गया। पकड़ाए दोनों व्यक्ति के पास से घटना में प्रयोग किए गए चाकू एवं खून लगा टीशर्ट तथा एक टांगी बरामद किया गया।●

नहीं रहें मगध के सरताज

साहित्यकार राम रतन सिंह रत्नाकर

● **मिथिलेश कुमार**

पिता तुल्य अविभावक का आशीर्वाद और स्नेह सर पर हो तो आप काल को भी मात दे सकते हैं। मगध साहित्य के गौरव एवं मगध ही नहीं बिहार के नामचीन साहित्यकारों में शुमार साहित्य के क्षेत्र में कई अलंकारों से विभुषित साहित्यिक संस्कृति के पैरोकार श्री रामरतन प्रसाद सिँह रत्नाकर जी ने मेरे आवास पर पहुंचकर मेरा कुशल क्षेम लिया था। यह मेरे लिये संजीवनी से कम नहीं है। सर का स्नेह और आशीर्वाद ने हमें आहलादित कर दिया। उन्होंने करीब दो घंटे बैठकर अपनी पत्रकारिता एवं साहित्यिक जीवन यात्रा की चर्चा करते हुए मगही साहित्य के विकास एवं मगही को नया आयाम दिलाने का प्रयास और संघर्ष के बारे में बताया। साहित्य के क्षेत्र में श्री रत्नाकर जी ने करीब 20 पुस्तकें लिखी है। तथा कई कहानियों का संग्रह भी है तथा लगभग 60 बर्षो से मगही साहित्य को नया आयाम देने के लिये संघर्षरत हैं। 85वर्ष की आयु में भी मगही साहित्य के विकास एवं राष्ट्रीय फलक पर स्थापित करने का सपना अभी भी इन्हें चौन से रहने नहीं देता है। रत्नाकर जी मगध ही नहीं बिहार में साहित्य के जीवंत दस्तावेज के रूप में हैं। ये शृंगार रस, हास्य रस, करूण रस, रौद्र रस, वीर रस, भयानक रस, बीभत्स रस, अदभुत रस, शान्त रस, वत्सल रस, भक्ति रस के सामंतर सर्वहारा वर्ग के साहित्यिक कथाकर के रूप में जाने जाते हैं। मगही भाषा के विकास की दिशा में एक अनोखी पहल-'मगही रत्न' श्री राम रतन प्रसाद सिंह 'रत्नाकर की अध्यक्षता में विश्व मगही परिषद् और मगध न्यूज चौनल 'मगध के आवाज, भारत के आवाज' के संयुक्त तत्वावधान में मगही भाषा के विकास हेतु आयोजित 'बतकही' कार्यक्रम का सफल आयोजन भी होता रहा है। जिसमें मगही भाषा और उसकी सांस्कृतिक धरोहर के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होती है। 'मगध का इतिहास समृद्ध और गौरवशाली है। यदि हम भारत के इतिहास से मगध को हटा दें, तो शेष इतिहास अधूरा रह जाएगा। मगध साम्राज्य ने बिना किसी युद्ध के अपनी प्रतिष्ठा स्थापित की।' उन्होंने जरासंध और भगवान श्रीकृष्ण के बीच हुई ऐतिहासिक घटनाओं को भी रेखांकित किया और मगध की सांस्कृतिक समृद्धि की सराहना की।

'बतकही' एक नया कार्यक्रम का उद्देश्य केवल मगही भाषा को प्रोत्साहित करना नहीं है, बल्कि इसकी सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित करना है। उन्होंने मगही भाषा के विकास के लिए अनोखी पहल, विश्व मगही परिषद् नई दिल्ली और मगध न्यूज चैनल के नये कार्यक्रम 'बतकही' को ऐतिहासिक बताया। बातचीत के

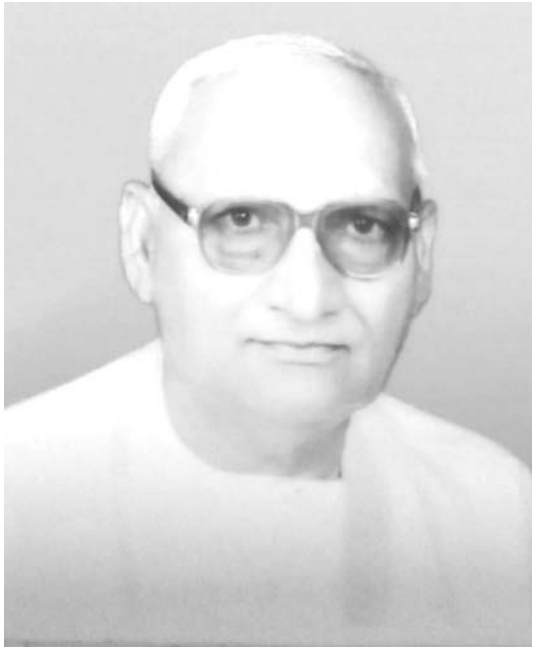

दौरान उनसे बहुत सारी जानकारी मिली। साहित्य की बहुत-सी परिभाषाएँ की गई हैं, पर मेरे विचार से उसकी सर्वोत्तम परिभाषा 'जीवन की आलोचना' है। चाहे वह निबंध के रूप में हो, चाहे कहानियों के या काव्य के, उसे हमारे जीवन की आलोचना और व्याख्या करनी चाहिए। हमने जिस युग को अभी पार किया है, उसे जीवन से कोई मतलब न था। हमारे साहित्यकार कल्पना की सृष्टि खड़ी कर उसमें मनमाने आख्यानों का उद्देश्य केवल मनोंरजन था और हमारे अद्भुत रस-प्रेम की तृप्ति। साहित्य का जीवन से कोई लगाव है, यह कल्पनातीत था। कहानी, कहानी है, जीवन जीवन, दानों परस्पर विरोधी वस्तुएँ समझी जाती थीं। इन्हीं शृंगारिक भावों को प्रकट करने में कवि-मंडली अपनी प्रतिभा और कल्पना के चमत्कार दिखाया करती थी। पद्य में कोई नई शब्द-योजना, नई कल्पना का होना दाद पाने के लिए काफी था-चाहे वह वस्तु-स्थिति से कितनी ही दूर क्यों न हो। निस्संदेह, काव्य और साहित्य का उद्देश्य हमारी अनुभूतियों की तीव्रता को बढ़ाना है, पर मनुष्य का जीवन केवल स्त्री-पुरूष-प्रेम का जीवन नहीं है। क्या वह साहित्य, जिसका विषय शृंगारिक मनोभावों और उनसे उत्पन्न होनेवाली विरह-व्यथा, निराशा आदि तक ही सीमित हो-जिसमें दुनिया की कठिनाइयों से दूर भागना ही जीवन की सार्थकता समझी गई हो, हमारी विचार और भाव सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है? शृंगारिक मनोभाव मानव-जीवन का एक अंग मात्र है और जिस साहित्य का अधिकांश इसी से सम्बन्ध रखता हो, वह उस जाति और उस युग के लिए गर्व करने की वस्तु नहीं हो सकता और न उसकी सुरूचि का ही प्रमाण हो सकता है।

कवियों के लिए उनकी रचना ही जीविका का साधन थी और कविता की कद्रदानी रईसों अमीरों के सिवा और कौन कर सकता है? हमारे कवियों को साधारण जीवन का सामना करने और उसकी सचाइयों से प्रभावित होने के या तो अवसर ही न थे, या हर छोटे-बड़े पर कुंठ ऐसी मानसिक गिरावट छायी हुई थी कि मानसिक और बौद्धिक जीवन रह ही न गया था। साहित्य अपने काल का प्रतिबिम्ब होता है। जो भाव और विचार लोगों के हृदयों को स्पंदित करते हैं, वही साहित्य पर भी अपनी छाया डालते हैं। ऐसे पतन के काल में लोग या तो आशिकी करते हैं या अध्यात्म और वैराग्य में मन रमाते हैं। जब साहित्य पर संसार की नश्वरता का रंग चढ़ा हों और उसका एक-एक शब्द नैराश्य में डूबा, समय की प्रतिकूलता के रोने से भरा और शृंगारिक भावों का प्रतिबिम्ब बना हो तो समझ लीजिए कि जाति जड़ता और "आस के पंजे में फँस चुकी है और उसमें उद्योग तथा संघर्ष का बल बाकघी नहीं रहा। उसने ऊँचे लक्ष्यों की ओर

से आँखें बन्द कर ली हैं और उसमें से दुनिया को देखने-समझने की शक्ति लुप्त हो गई है। परंतु हमारी साहित्यिक रूचि बड़ी तेजी से बदल रही है। अब साहित्य केवल मन-बहलाव की चीज नहीं है, मनोरंजन के सिवा उसका और भी कुछ उद्देश्य है। अब वह केवल नायक-नायिका के संयोग-वियोग की कहानी नहीं सुनाता, किन्तु जीवन की समस्याओं पर भी विचार करता है और उन्हें हल करता है। अब वह स्फूर्ति या प्रेरणा के लिए अद्‌भुत आश्चर्यजनक घटनाएँ नहीं ढूँढ़ता और न अनुप्रास का अन्वेषण करता है, किन्तु उसे उन प्रश्नों से दिलचस्पी है जिनसे समाज या व्यक्ति प्रभावित होते हैं। उसकी उत्कृष्टता की वर्तमान कसौटी अनुभूति की वह तीव्रता है, जिससे वह हमारे भावों और विचारों में गति पैदा करता है।

नीति-शास्त्र और साहित्य-शास्त्र का लक्ष्य एक ही है।केवल उपदेश की विधि में अंतर है। नीति-शास्त्र तर्कों और उपदेशों के द्वारा बुद्धि और मन पर प्रभाव डालने का यत्न करता है, साहित्य ने अपने लिए मानसिक अवस्थाओं और भावों का क्षेत्र चुन लिया है। हम जीवन में जो कुछ देखते हैं या जो कुछ हम पर गुजरती है, वही अनुभव और चोटें कल्पना में पहुँचकर साहित्य-सृजन की प्रेरणा करती हैं। कवि या साहित्यकार में अनुभूति की जितनी तीव्रता होती है, उसकी रचना उतनी ही आकर्षक और ऊँचे दरजे की होती है। जिस साहित्य से हमरी सुरूचि न जागे, आध्यात्मिक और मानसिक तृप्ति न मिले, हममें शक्ति और गति ने पैदा हो, हमारा सौंदर्य-प्रेम न जागृत् हो,जो हममें सच्चा संकल्प और कठिनाईयों पर विजय पाने की सच्ची दृढ़ता न उत्पन्न करे, वह आज हमारे लिए बेकार है, वह साहित्य कहलाने का अधिकारी नहीं। पुराने जमाने में समाज की लगाम मजहब के हाथ में थी। मनुष्य की आध्यात्मिक और नैतिक सभ्यता का आधार धार्मिक आदेश था और वह भय या प्रलोभन से काम लेता था, पुण्य-पाप के मसले उसके साधन थे। अब, साहित्य ने यह काम अपने जिम्मे ले लिया है और उसका साधन-सौंदर्य-प्रेम है। वह मनुष्य में इसी सौंदर्य-प्रेम को जगाने का यत्न करता है। ऐसा कोई मनुष्य नहीं, जिसमें सौंदर्य की अनुभूति न हों। साहित्यकार में यह वृत्ति जितनी ही जागृत और सक्रिय होती है, उसकी रचना उतनी ही प्रभावमयी होती है। प्रकृति-निरीक्षण और अपनी अनुभूति की तीक्ष्णता की बदौलत उसके सौंदर्य-बोध में इतनी तीव्रता आ जाती है कि जो कुछ असुन्दर है, अभद्र है, मनुष्यता से रहित है, वह उसके लिए असह्य हो जाता है। उस पर वह शब्दों और भावों की सारी शक्ति से वार करता है। यों कहिए कि वह मानवता, दिव्यता और भद्रता का बाना बाँधे होता है। जो दलित है, पीड़ित है, वंचित है चाहे वह व्यक्ति हो या समूह, उसकी हिमायत और वकालत करना उसका फर्ज है। उसकी अदालत के सामने वह पेश करता है। और उसकी न्याय-वृत्ति तथा सौंदर्य-वृत्ति को जागृत् करके अपना यत्न सफल समझता है। पर साधारण वकीलों की तरह साहित्यकार अपने मुवक्किल की ओर से उचित-अनुचित सब तरह के दावे नहीं पेश करता, अतिरंजना से काम नहीं लेता, अपनी ओर से बातें गढ़ता नहीं। वह जानता है कि इन युक्तियों से वह समाज की अदालत पर असर नहीं डाल सकता। उस अदालत का हृदय-परिवर्तन तभी सम्भव है जब आप सत्य से तनिक भी विमुख न हों, नहीं तो अदालत की धारणा आपकी ओर से खराब हो जायेगी और वह आपके खिलाफ फैसला सुना देगी। वह कहानी लिखता है, पर वास्तविकता का ध्यान रखते हुए, मूर्ति बनाता है, पर ऐसी कि उसमें सजीवता हो और भावव्यंजकता भी वह मानव-प्रकृति का सूक्ष्म दृष्टि से अवलोकन करता है, मनोविज्ञान का अध्ययन करता है और इसका यत्न करता है कि उसके पात्र हर हालत में और हर मौके पर, इस तरह आचरण करें, जैसे रक्त-मांस का बना मनुष्य करता है, अपनी सहज सहानुभूति और सौंदर्य-प्रेम के कारण वह जीवन के उन सूक्ष्म स्थानों तक जा पहुँचता है, जहाँ मनुष्य अपनी मनुष्यता के करण पहुँचने में असमर्थ होता है।

आधुनिक साहित्य में वस्तु-स्थिति-चित्रण की प्रवृति इतनी बढ़ रही है कि आज की कहानी यथासम्भव प्रत्यक्ष अनुभवों की सीमा से बाहर नहीं जाती। हमें केवल इतना सोचने से ही संतोष नहीं होता कि मनोविज्ञान की दृष्टि से ये सभी पात्र मनुष्यों से मिले-जुलते हैं, बल्कि हम यह इत्मीनान चाहते हैं कि वे सचमुच मनुष्य हैं और लेखक ने यथासम्भव उनका जीवन-चरित्र ही लिखा है, क्योंकि कल्पना के गढ़े हुए आदमियों में हमारा विश्वास नहीं है, उनके कार्यो और विचारों से हम प्रभावित नहीं होते। हमें इसका निश्चय हो जाना चाहिए कि लेखक ने जो सृष्टि की है, वह प्रत्यक्ष अनुभवों के आधार पर की गई है और अपने पात्रों की जबान से वह खुद बोल रहा है। इसीलिए साहित्य को कुछ समालोचकों ने लेखक का मनोवैज्ञानिक जीवन-चरित्र कहा है। एक ही घटना या स्थिति से सभी मनुष्य समान रूप में प्रभावित नहीं होते। हर आदमी की मनोवृत्ति और दृष्टिकोण अलग है। रचना-कौशल इसी में है कि लेखक जिस मनोवृत्ति या दृष्टिकाण से किसी बात को देखे, पाठक भी उसमें उससे सहमत हो जाय। यही उसकी सफलता है। इसके साथ ही हम साहित्यकार से यह भी आशा रखते हैं कि वह अपनी बहुज्ञता और अपने विचारों की विस्मृति से हमें जागृत् करे, हमारी दृष्टि तथा मानसिक परिधि को विस्तृत करे-उसकी दृष्टि इतनी सूक्ष्म, इतनी गहरी और इतनी विस्तृत हो कि उसकी रचना से हमें आध्यात्मिक आनंद और बल मिले।सुधार की जिस अवस्था में वह हो, उससे अच्छी अवस्था आने की प्रेरणा हर आदमी में मौजूद रहती है। हममें जो कमजोरियाँ हैं, वह मर्ज की तरह हमसे चिपटी हुई हैं। जैसे शारीरिक स्वास्थ्य एक प्राकृतिक बात है और राग उसका उलटा, उसी तरह नैतिक और मानसिक स्वास्थ्य भी प्राकृतिक बात है और हम मानसिक तथा नैतिक गिरावट से उसी तरह संतुष्ट नहीं रहते, जैसे कोई रोगी अपने रोग से संतुष्ट नहीं रहता। जैसे वह सदा किसी चिकित्सक की तलाश में रहता है, उसी तरह हम भी इस फिक्र में रहते हैं कि किसी तरह अपनी कमजोरियों को परे फेंककर अधिक अच्छे मनुष्य बनें। इसीलिए हम साधु-फकीरों की खोज में रहते हैं, पूजा-पाठ करते हैं, बड़े-बूढ़ों के पास बैठते हैं, विद्वानों के व्याख्यान सुनते हैं और साहित्य का अध्ययन करते हैं। और हमारी सारी कमजोरियों की जिम्मेदारी हमारी कुरूचि और प्रेम-भाव से वंचित होने पर है। जहाँ सच्चा सौंदर्य-प्रेम है, जहाँ प्रेम की विस्तृति है, वहाँ कमजोरियाँ कहाँ रह सकती हैं? प्रेम ही तो आध्यात्मिक भोजन है और सारी कमजोरियाँ इसी भोजन के न मिलने अथवा दूषित भोजन के मिलने से पैदा होती हैं। कलाकार हममें सौंदर्य की अनुभूति उत्पन्न करता है और प्रेम की उष्णता। उसका एक वाक्य, एक शब्द, एक संकेत, इस तरह हमारे अन्दर जा बैठता है कि हमारा अन्त:-करण प्रकाशित हो जाता है। पर जब तक कलाकार खुद सौंदर्य-प्रेम से छककर मस्त न हो और उसकी आत्मा स्वयं इस ज्योति से प्रकाशित न हो, वह हमें यह प्रकाश क्योंकर दे सकता है? हमने सूरज का उगना और डूबना देखा है, उषा और संध्या की लालिमा देखी है, सुंदर सुंगध भरे फल देखे हैं, मीठी बोलियाँ बोलनेवाली चिड़ियाँ देखी हैं, कल-कल-निनादिनी नदियाँ देखी हैं, नाचते हुए झरने देखे हैं, यही सौंदर्य है। इन दृश्यों को देखकर हमारा अन्त: करण क्यों खिल उठता है? इसलिए कि इनमें रंग या ध्वनि का सामंजस्य है। बाजों का स्वरसाम्य अथवा मेल ही संगीत की मोहकता का करण है। हमारी रचना ही तत्वों के समानुपात में संयोग से हुई है, इसलिए हमारी आत्मा सदा उसी साम्य की, सामंजस्य की खोज में रहती है। साहित्य कलाकार के आध्यात्मिक

सामंजस्य का व्यक्त रूप है और सामंजस्य सौंदर्य की सृष्टि करता है, नाश नहीं। वह हममें वफादारी, सचाई, सहानुभूति, न्याय प्रियता और समता के भावों की पुष्टि करता है। जहाँ ये भाव हैं, वहीं दृढ़ता है और जीवन है, जहाँ इनका अभाव है, वहीं फूट, विरोध, स्वार्थपरता है द्वेष, शत्रुता और मृत्यु है। यह बिलगाव और विरोध प्रकृति-विरूद्ध जीवन के लक्षण हैं, जैसे रोग प्रकृति-विरूद्ध आहार-विहार का । जहाँ प्रकृति से अनुकूलता और साम्य है, वहाँ संकीर्णता और स्वार्थ का अस्तित्व कैसे संभव होगा? जब हमारी आत्मा प्रकृति के मुक्त वायु मंडल में पालित-पोषित होती है, तो नीचता-दुष्टता के कीड़े अपने आप हवा और रोशनी से मर जाते हैं। प्रकृति से अलग होकर अपने को सीमित कर लेने से ही यह सारी मानसिक और भावगत बीमारियाँ पैदा होती हैं। साहित्य हमारे जीवन को स्वाभाविक और स्वाधीन बनाता है, दूसरे शब्दों में उसी की बदौलत मन का संस्कार होता है। यही उसका मुख्य उद्देश्य है।

साहित्यकार या कलाकार स्वभावत: प्रगतिशील होता है। अगर यह उसका स्वभाव न होता, तो शायद वह साहित्यकार ही न होता। उसे अपने अन्दर भी एक कमी महसूस होती है और बाहर भी। इसी कमी को पूरा करने के लिए उसकी आत्मा बेचौन रहती है। अपनी कल्पना में वह व्यक्ति और समाज को सुख और स्वच्छंदता की जिस अवस्था में देखना चाहता है, वह उसे दिखाई नहीं देती। इसलिए, वर्तमान मानसिक और सामाजिक अवस्थाओं से उसका दिल कुढ़ता रहता है। वह इन अप्रिय अवस्थाओं का अन्त कर देना चाहता है, जिससे दुनिया जीने और मरने के लिए इससे अधिक अच्छा स्थान हो जाये। यही वेदना और यही भाव उसके हृदय और मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखता है। उसका दर्द से भरा हृदय इसे सहन नहीं कर सकता कि एक समुदाय क्यों सामाजिक नियमों और रूढ़ियों के बन्धन में पड़कर कष्ट भोगता रहे। क्यों न ऐसे सामान इकट्ठा किए जाएँ कि वह गुलामी और गरीबी से छुटकारा पा जाये? वह इस वेदना को जितनी बेचौनी के साथ अनुभव करता है, उतना ही उसकी रचना में जोर और सचाई पैदा होती है। अपनी अनुभूतियों को वह जिस क्रमानुपात में व्यक्त करता है, वही उसकी कला-कुशलता का रहस्य है। पर शायद विशेषता पर जोर देने की जरूरत इसलिए पड़ी कि प्रगति या उन्नति से प्रत्येक लेखक या ग्रंथकार एक ही अर्थ नहीं ग्रहण करता। जिन अवस्थाओं को एक समुदाय उन्नति समझ सकता है, दूसरा समुदाय असंदिग्ध अवनति मान सकता है, इसलिए साहित्यकार

अपनी कला को किसी उद्देश्य के अधीन नहीं करना चाहता। उसके विचारों में कला मनोभावों के व्यक्तिकरण का नाम है, चाहे उन भावों से व्यक्ति या समाज पर कैसा ही असर क्यों न पड़े।

उन्नति से हमारा तात्पर्य उस स्थिति से है, जिससे हममें दृढ़ता और कर्म-शक्ति उत्पन्न हो, जिससे हमें अपनी दु:खावस्था की अनुभूति हो, हम देखें कि किन अंतर्बाह्य कारणों से हम इस निर्जीवता और ह्रास की अवस्था को पहुँच गए, और उन्हें दूर करने की कोशिश करें। हमारे लिए कविता के वे भाव निरर्थक हैं, जिनसे संसार की नश्वरता का आधिपत्य हमारे हृदय पर और दृढ़ हो जाय, जिनसे हमारे मासिक पत्रों के पृष्ठ भरे रहते हैं, हमारे लिए अर्थहीन हैं अगर वे हममें हरकत और गरमी नहीं पैदा करतीं। अगर हमने दो नव-युवकों की प्रेम-कहानी कह डाली, पर उससे हमारे सौंदर्य-प्रेम पर कोई असर न पड़ा और पड़ा भी तो केवल इतना कि हम उनकी विरह-व्यथा पर रोए, तो इससे हममें कौन-सी मानसिक या रूचि-सम्बन्धी गति पैदा हुई? इन बातों से किसी जमाने में हमें भावावेश हो जाता रहा हो, पर आज के लिए वे बेकार हैं। इस भावोत्तेजक कला का अब जमाना नहीं रहा। अब तो हमें उस कला की आवश्यकता है, जिसमें कर्म का संदेश हो। अब तो हजरते इकब्बाल के साथ हम भी कहते हैं। निस्संदेह कला का उद्देश्य सौंदर्यवृत्ति की पुष्टि करना है और वह हमारे अध्यात्मिक आनंद की कुंजी है, पर ऐसा कोई रूचिगत मानसिक तथा आध्यात्मिक आनंद नहीं, जो अपनी उपयोगिता का पहलू न रखता हो। आनंद स्वत: एक उपयोगिता-युक्त वस्तु है और उपयोगिता की दृष्टि से एक वस्तु से हमें सुख भी होता है और दु:ख भी। आसमान पर छायी लालिमा निस्संदेह बड़ा सुंदर दृश्य है, परंतु आषाढ़ में अगर आकाश पर वैसी लालिमा छा जाए, तो वह हमें प्रसन्नता देने वाली नहीं हो सकती। उस समय तो हम आसमान पर काली-काली घटाएँ देखकर ही आनंदित होते हैं। फुलों को देखकर हमें इसलिए आनंद होता है कि उनसे फलों की आशा होती है, प्रकृति से अपने जीवन का सुर मिलाकर रहने में हमें इसीलिए आध्यात्मिक सुख मिलता है कि उससे हमारा जीवन विकसित और पुष्ट होता है। प्रकृति का विधान वृद्धि और विकास है और जिन भावों, अनुभूतियों और विचारों से हमें आनंद मिलता है, वे इसी वृद्धि और विकास के सहायक हैं। कलाकार अपनी कला से सौंदर्य की सृष्टि करके परिस्थिति को विकास के लिए उपयोगी बनाता है। परन्तु सौंदर्य भी और पदार्थो की तरह स्वरूपस्थ और निरपेक्ष नहीं, उसकी स्थिति भी सापेक्ष है। एक रईस के लिए जो वस्तु सुख का साधन है, वही दूसरे के लिए दुख का कारण हो सकती है। एक रईस अपने सुरभित सुरम्य उद्यान में बैठकर जब चिड़ियों का कलगान सुनता है, तो उसे स्वर्गीय सुख की प्राप्ति होती है, परन्तु एक दूसरा सज्ञान मनुष्य वैभव की इस सामग्री को घृणित समझता है।

बंधुत्व और समता, सभ्यता तथा प्रेम सामाजिक जीवन के आरम्भ से ही, आदर्शवादियों का सुनहला स्वप्न रहे हैं। धर्म-प्रतर्त्तकों ने धार्मिक, नैतिक और आध्यात्मिक बंधनों से इस स्वप्न को सचाई बनाने का सतत, किंतु निष्फल यत्न किया है। महात्मा बुद्ध हजरत ईसा, हजरत मुहम्मद आदि सभी पैगबरों और धर्म-प्रवर्त्तकों ने नीति की नींव पर इस समता की इमारत खड़ी करनी चाही, पर किसी को सफलता न मिली और छोटे-बड़े का भेद जिस निष्ठुर रूप में प्रकट हो रहा है, शायद कभी न हुआ था। 'आजमाये

को आजमाना मूर्खता है,' इस कहावत के अनुसार यदि हम अब भी धर्म और नीति का दामन पकड़कर समानता के ऊँचे लक्ष्य पर पहुँचना चाहें, तो विफलता ही मिलेगी। क्या हम इस सपने को उत्तेजित मस्तिष्क की सृष्टि समझकर भूल जाएँ? तब तो मनुष्य की उन्नति और पूर्णता के लिए आदर्श ही बाकी न रह जायेगा। इससे कहीं अच्छा है कि मनुष्य का अस्तित्व ही मिट जाय। जिस आदर्श को हमने सभ्यता के आरम्भ से पाला है, जिसके लिए मनुष्य ने, ईश्वर जाने कितनी कुरबानियाँ की हैं, जिसकी परिणति के लिए धर्मो का आविर्भाव हुआ, मानव-समाज का इतिहास, जिस आदर्श की प्राप्ति का इतिहास है, उसे सर्वमान्य समझकर, एक अमिट सचाई समझकर, हमें उन्नति के मैदान में कदम रखना है। हमें एक ऐसे नए संगठन को सर्वांपूर्ण बनाना है, जहाँ समानता केवल नैतिक बंधनों पर आश्रित न रहकर अधिक ठोस रूप प्राप्त कर ले, हमारे साहित्य को उसी आदर्श को अपने सामने रखना है।मगध साहित्य के धरोहर एवं गौरव हैं रत्नाकर ऐसा मेरा मानना है। उनका जाना मगध ही नही बिहार के साहित्य जगत के लिये अपूरणीय क्षति है।

❖ **राजनैतिक जीवन में भी गुजरा समय :-** साहित्यकार स्व राम रतन सिँह रत्नाकर ने राजनीति में भी अपनी पहचान पंचायत ही नही जिले की राजनीति में भी बनाई थी।पांच बर्षो तक मकनपुर पंचायत के मुखिया भी रहे। साथ ही साथ लोकदल एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ कार्यकर्ता भी रहें। बदलते राजनैतिक परिदृश्य एवं स्वस्थ्य राजनीति की लुप्त होती अवधारनाओं ने इन्हें राजनीति से मोह भंग कर पूरी तरह मगही एवं हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काम करना प्रारम्भ कर दिया। इन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नही किया और अलग राह पकड़ कर विशुद्ध रूप से मगही भाषा को नया आयाम देने की परिकल्पनाओं के साथ करीब दो दर्जन से अधिक पुस्तकों की रचना की। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी इनकी अलग पहचान हमेशा बनी रही। आज दैनिक एवं हिंदुस्तान अखबार से भी लम्बे समय तक जुड़े रहें। इनके द्वारा रचित सैकड़ो रचनाएँ विभिन्न साहित्यिक पुस्तकें एवं मासिक पत्र -पत्रिकाओं में प्रकाशित होती रही। 1968 से साहित्य साधना में जुड़े थे। उनके संपादन में मगही संवाद और सतत नाम से 27 पत्रिका प्रकाशित हुई। मगही में- गांव के लक्ष्मी, राजगीर दर्शन, पगडंडी के नायक, मरघट के फूल, मगध के संस्कृति, फगुनी के याद प्रकाशित है। यही नहीं, हिन्दी में-बलिदान, शहीद, संस्कृति संगम, आस्था का दर्शन, लोकगाथाओं का सांस्कृतिक मूल्यांकन, बहमर्षि कुल भूषण, बजरंगी जैसी कई किताबें प्रकाशित है। इन्होंने अपने संस्मरण में दर्जनों रचनाओं में इन्होंने गावं से लेकर सरकार के आँगन तक व्यंग एवं कथाकार के तौर पर अपनी भूमिका का निर्वहन भी किया। अब तक पांच सौ से अधिक साहित्यिक मंचो का संचालन एवं अध्यक्षता भी की।गावं के रंगमंच पर भी इन्होंने सामाजिक जीवन और विभिन्न समयों में उत्पन्न स्थितियों को बाँधने एवं सहेजने में अपनी भूमिका निभाई।आने वाले दिनों में सचमुच में जब कोई साहित्यिक मंच पर मगही एवं हिंदी साहित्य का कार्यक्रम होगा तो सब होंगे लेकिन वैसी छवि और दुरदर्शी साहित्यकार की कमी लोगों को खलेगी और मंच भी अपने सुनेपन पर शायद कलपित हो। खासकर नवादा जिले में साहित्यकारों की सूची से नायाब सितारा का गुम होना हम सबों को मर्माहत करता है।

❖ **साहित्यकार स्व राम रतन सिंह रत्नाकर की थाती : मेरे लिए एक अमूल्य धरोहर :-** मगही और हिंदी साहित्य की दुनिया में राम रतन प्रसाद सिंह रत्नाकर का नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाएगा। नवादा जिले के वारिसलीगंज प्रखंड अंतर्गत मकनपुर गांव के निवासी साहित्यकार ने न केवल मगही भाषा को समृद्ध किया, बल्कि हिंदी साहित्य में भी अपनी गहरी छाप छोड़ी। एक जाने-माने पत्रकार और कुशल रचनाकार के रूप में उन्होंने दो दर्जन से अधिक पुस्तकों की रचना की, जो मगही-हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि हैं। उनका जन्म 3 अक्टूबर 1942 को हुआ था और कॉलेज के दिनों से ही साहित्य के प्रति उनकी रुचि गहरी थी। मगही रत्न सम्मान सहित कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित रत्नाकर जी का योगदान मगध की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रखने में अद्वितीय रहा। उनका निधन साहित्य जगत के लिए सचमुच अपूरणीय क्षति है। मृत्यु से कुछ माह पूर्व जब मेरा एक्सीडेंट हुआ था तो उन्होंने स्वयं हमारे घर आकर मुझसे कुशल क्षेम लिया था और अपनी रचित कुछ पुस्तकें मुझे भेंट की थीं। उसमें उन्होंने प्रिय मिथिलेश, सप्रेम भेंट लिखकर मुझे सौंपा था,उस समय उनकी आंखों में साहित्य के प्रति वह पुराना उत्साह झलक रहा था, वैसे उनकी कई रचनाएँ पूर्व में भी मेरे पास थी लेकिन मुझे यह नही ज्ञात था की यह उनकी अंतिम रचना होगी जो थाती के रूप में मेरे पास रहेगी,जो जीवन भर उनकी रचनाओं में प्रतिबिंबित रहेगा आज, उनकी गोलोक यात्रा के बाद, ये पुस्तकें मेरे पास एक थाती के रूप में सुरक्षित हैं। एक ऐसी धरोहर जो न केवल उनकी स्मृति को जीवित रखती है, बल्कि मगही भाषा के उत्थान और संरक्षण की प्रेरणा भी देती है।

रत्नाकर जी की रचनाएं मगही की मिट्टी की सुगंध से सराबोर हैं। वे मगध की लोककथाओं, संस्कृति और सामाजिक यथार्थ को अपनी कलम से जीवंत बनाते थे। उनकी पुस्तकें पढ़कर लगता है मानो मगध की गलियां, खेत-खलिहान और लोकगीत जीवंत हो उठें। मगही साहित्य के उत्थान के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया। विश्व मगही परिषद जैसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी और मगही महोत्सवों में उनकी उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि वे मगही को एक जीवंत भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित थे। उनकी रचनाओं में मगध की आत्मा बसती है ख़ वह आत्मा जो प्राचीन बौद्ध-जैन परंपराओं से लेकर आधुनिक सामाजिक सरोकारों तक फैली हुई है। ये पुस्तकें मेरे लिए केवल कागज के पन्ने नहीं, बल्कि एक गुरु की अंतिम सीख हैं। रत्नाकर जी ने हमेशा कहा कि साहित्य वह दर्पण है जो समाज को उसका सच दिखाता है। उनकी थाती संजोकर रखना मेरी जिम्मेदारी है, इसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना, मगही साहित्य के प्रेमियों तक साझा करना। उनका जाना एक युग का अंत है, लेकिन उनकी रचनाएं अमर हैं। मगही और हिंदी साहित्य के इस रत्न को हम सदैव याद करेंगे। रत्नाकर जी ने मुझसे कभी भेद -भाव नही किया था, उन्होंने मुझे कई कार्यक्रमों में अपने साथ भी लेकर गए थे, उन्होंने पार्वती, अपसढ़ में होने बाले साहित्यिक कार्यक्रम एवं रूपों में चामुंडा स्थान पर होने बाले कार्यक्रम के अलावे राजगीर सहित कई स्थानों पर अपना स्नेह दिया था। जब कभी साहित्य या पत्रकारिता की चर्चा गावं में किसी के समक्ष होती तो उनके मुंह से मेरा नाम अवश्य निकलता था, जो मेरे लिये उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा का बोध के साथ साहित्य के प्रति आगे बढ़ने की ललक भी पैदा करता था। मगही के प्रकाण्ड धनंजय क्षोत्रिय सर के साथ कई बार उनके पास भी बात चीत करने का अवसर मिला था। उनके बारे में जितना लिखूं कम ही होगा। मेरे जैसे व्यक्ति के लिये उनके मन में मेरे प्रति जो भावना थी वह मैं स्वंय महसूस करता था।उनकी दी हुई थाती जब भी देखता हुँ तो लगता है की उनका फोन आएगा और बोलेंगे की एक आलेख भेजे हैं जरा देख लेना। जब कभी भी मेरा लिखा आलेख पढ़ते तो मुझे फोन करना नही भूलते थे। ऐसे अनगिनत लम्हें और यादें मन में आती है। मैं यह भी समझता हुँ की उनकी फोन की घंटी नही बजेगी, बाबजूद उन्हें भूलना भी मेरे लिये आसान नही है। उनकी आत्मा को शांति मिले और उनकी थाती हम सबके लिए प्रेरणा बनी रहे।●

रत्नाकर स्मृति सम्मान लेकर विदा हुए देश-विदेश के साहित्यकार

● **मिथिलेश कुमार**

कौआकोल प्रखण्ड के सोखोदेवरा गांव में अवस्थित ऐतिहासिक लोकनायक जयप्रकाश नारायण आश्रम परिसर के राजेन्द्र भवन में तीन दिवसीय साहित्य समागम मगलवार को संपन्न हो गया। अशोक स्मृति संस्थान हिसुआ,नवादा के बैनर तले आयोजित मगध साहित्य प्रेरणा उत्सव में पहुंचे देश-विदेश के साहित्यकारों को आश्रम के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार के द्वारा आश्रम में तैयार किए गए उन्नत किस्म के फल और फूलों के पौधा देकर विदा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 28 दिसंबर को की गई थी। लेकिन देश विदेश से कार्यक्रम में पहुंचे साहित्यकारों का जिले के वरिष्ठ साहित्यकार दिगंबत रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर स्मृति सम्मान से 29 दिसंबर को सम्मानित किया गया। युवा कवि ओंकार शर्मा कश्यप के संयोजन और संचालन समिति अध्यक्ष देवेंद्र विश्वकर्मा के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन हिसुआ के विधायक अनिल सिंह,गोविंदपुर विधानसभा के निवर्तमान विधायक मोहम्मद कामरान,हिलसा के पूर्व विधायक डॉ0 उषा सिन्हा,ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अविन्द कुमार, शिक्षाविद डॉ0 आरपी साहू,डॉ0 शशिभूषण प्रसाद,साहित्यकार नरेंद्र सिंह,वीणा मिश्रा आदि ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर देश एवं विदेश के विभिन्न हिस्सों से आये 71 कवियों एवं साहित्यकारों को साहित्यकार रामरतन प्रसाद सिंह रत्नाकर स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया।

☞ **देश और विदेश के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे थे साहित्यकार :-** पटना से लघु कथाकार और संपादक विभा रानी श्रीवास्तव, पूर्व विधायक और साहित्यकार डॉ उषा सिंहा, डॉ. मीना कुमारी परिहार, शोध आधारित लेखन के प्रतिष्ठित साहित्यकार सूर्यगढ़ा के डॉ विजय विनीत, जापान के टोक्यो से आई हाइकु विधा की मर्मज्ञ साहित्यकार कंचन अपराजिता , मध्य प्रदेश के कटनी के अनिल कुमार मिश्र, डॉ कुशकेत सिंह परिहार,ठाकुर सुभाष सिंह,राकेश कुमार उरमलिया, असम के तेजपुर से आए केंद्रीय हिंदी संस्थान पूर्वोत्तर के संयोजक संतोष महतो, मध्य प्रदेश के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर और वरिष्ठ साहित्यकार डॉ विनोद शुक्ल, चँदिया (उमरिया) मध्य प्रदेश के करकेली के आशीष तोमर , गुजरात के डॉ हंसा सिद्धपुरा, मुजफ्फरपुर की साहित्यकार डॉ शैल केजरीवाल, मुंगेर विश्वविद्यालयके डॉ वसीम रजा, बांका कॉलेज के डॉ पुलकित मंडल, भागलपुर की डॉ रश्मि किरण, डॉ अनुपम कुमारी, प्रयाग राज की अर्पणा आर्या ध्रुव, समर बहादुर सरोज, आशा रघुदेव, प्रयागराज की प्रवीणा आर्या, कौशल किशोर, वैशाली के कवि डॉ प्रीतम कुमार झा, मीरा प्रकाश, तनुजा सिन्हा , रांची की अंशिता सिन्हा, पटना की कथाकार प्रेमलता सिंह राजपूत, डॉ. सुधा सिन्हा, ,नीता सहाय, मुजफ्फरपुर की मुस्कान केशरी . सुमन लता अनमोल कुमारी, शंकर शौर्य ,कंचन पाठक सहित दर्जनों स्थानीय साहित्यकार को सम्मानित किया गया।

☞ **रत्नाकर जी द्वारा शुरू किए गए कार्यों को पूरा करने का आह्वान :-** कार्यक्रम में पहुंचे साहित्यकारों सहित नवादा के साहित्यकार राजेश मझेकर, नरेंद्र सिंह एवं ओमकार कश्यप ने स्वर्गीय रत्नाकर द्वारा शुरू किए गए कार्यों को पूरा करने का आह्वान किया। कहा कि रत्नाकर जी जीवन के अंतिम क्षण तक समाज के बेहतरी के लिए लेखनी के माध्यम से काम करते रहे। पत्रकारिता साहित्य और इतिहास की जानकारी रखने वाले रत्नाकर जी सिर्फ सामान्य कहानी कविता और आलेख नहीं लिखते थे। उन्होंने नवादा सहित पूरे मगध के ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक स्थलों को अपनी लेखनी में जगह दी। जिसके कारण नवादा में महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल ककोलत, सीतामढ़ी, पार्वती, अपसढ सहित राजगीर, बोधगया,नालंदा में स्थित कई महत्वपूर्ण स्थानो पर प्रकाश डाला था। परिणाम स्वरुप सरकार का ध्यान उस ओर गया। इसी प्रकार समाज में व्याप्त कुरीतियों, सामाजिक परंपरा, संस्कृति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए दो दर्जन से अधिक हिंदी मगही के पुस्तकों की रचना की है जो हम लोगों को आगे भी प्रेरणा देती रहेगी। साहित्यकारों को संबोधित करते हुए आश्रम के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार ने जेपी द्वारा जनकल्याण के लिए शुरू किए गए आश्रम की कहानी बताई। बताया कि शुरुआत के समय में इस इलाके में आम लोगों का प्रवेश निषेध था।●

दलित शोषित, वंचित अति पिछड़ों को पूर्ण संवैधानिक अधिकार दिलायेगी एमएलए अनीता

● अनिता सिंह/अमित कुमार सिंह/मिथिलेश कुमार

+2 विद्यालय जलालपुर की भुखंड पर निर्माण होगा । जिले के वारिसलीगंज प्रखण्ड के जलालपुर गाँव में अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया गया । विधायिका अनिता कुमारी ने कहा कि मगध की पावन धरती वुद्ध, महावीर, जरासंध की धरती जहाँ ज्ञान और मोक्ष की प्राप्ति होती है। जलालपुर ग्राम की समस्त वारिसलिगंज विधान सभा क्षेत्र के जनता मालिको मेरे मालिक तुल्य, देव तुल्य परिवार तुल्य अभिभावक तुल्य कोहिनुर जनता आपकी बहन, बेटी बहुजन सेविका अनिता अपने सभी बड़े बुजुर्गो माताओ बच्चो को प्यार अभार और सम्मान भरा प्यार नमस्कार और क्रांतिकारी अभिनन्दन वंदन करती है। आज ये अभिनन्दन समारोह कार्यक्रम के सभी सदस्यगणो संचालन की अध्यक्ष गन सभी को तहे दिल से धन्यवाद देती है जिन्होंने ऐतिहासिक पल का मौका दिये। ये अभिनन्दन समारोह जनता के मालिको का अभिनन्दन समारोह है। आज आप सभी ने मुझ पर भरोसा किया अपना प्यार दिया समर्थन दिया अपनापन दिया पूरी तरह से संकल्पित होकर आवाज दिया। आप सबो ने विधानसभा में आप सबो की आवाज रखने का मौका दिया। जो भरोसा दिया उसे निश्चित रूप से निभाऊगी और बुलन्द आवाज बनुगी आपके हक और अधिकार की लड़ाई लड़ती रहूँगी। जब तक मेरी सांसे रहे मै वारिसलीगंज पूरे विधानसभा क्षेत्र के सभी कार्यकर्तागण को तहे दिल से धन्यवाद देती हूँ। उनकी कर्मठता के लिए कर्मशील बने रहने के लिए अनुशासित बने रहने के लिए और उन्होने अपना बहुत ही अच्छा प्रबंधन प्रदर्शन करने के समय का तकाजा समझ सभी को मैं तहे दिल से धन्यवाद देती हूँ और पूरी जनता मालिको ने पार्टी से ऊपर उठकर और पूरे समाज के लोगो ने जो अपने आपको संकल्पित होकर एक – एक मजबूत कार्यकर्ता के रूप में अपने आप को स्थापित करके हमे सदन पहुँचाने का काम किया उसके लिए मैं देव तुल्य कार्यकर्ता को तहे दिल से सम्मानित करती हूँ। हमारे राष्ट्रीय जनता दल एवं महागठबंधन के अधिकारी एवं पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण और क्षेत्रीय कार्यकर्तागण को तहे दिल से अभिनन्दन करती हूँ।

आज आपके बीच शोषित, दलित वंचित अति पिछड़ा समाज के हक और अधिकारो को मजबूती से लड़ने वाले सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले आदरनीय अशोक महतो जी को भी बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूँ। राष्ट्रीय जनता दल के सामाजिक न्याय के पुरौधा पूर्व मुख्यमंत्री आदरनीय लालू प्रसाद यादव जी और नेता प्रतिपक्ष आदरनीय तेजस्वी प्रसाद यादव जी ने मुझेपे भरोसा किया मान रखा उन्हें भी तहे दिल से बार-बार धन्यवाद देती हूँ। सभी को सामाजिक लड़ाई लड़ने वाले मंथासीन को मै धन्यवाद देती हूँ। बच्चे की भविष्य स्कूलिंग शिक्षा पर जोर होगी। भले ही मतदान नही दिया लेकिन इनके परिजनो का आशिर्वाद मिला ये बच्चे देश के भविष्य है। हमलोगो ने अपने हिस्से की जीवन जी ली है। अब काम करना है। जब तक जिन्दा रहेगे तब तक युवा साथी को नौकरी देना है। उनको हिन्दु-मुस्लिम मंदिर-मस्जिद के नाम पर नहीं बनाना। उनको इन्कलाबी क्रांतिकारी बनाना है आज जो गंदी राजनीति हो रही है। आलोचना आरोप प्रत्यारोप की राजनीति से अपने आप को अलग रखना है सभी को सिर्फ काम पर विकास पर फोकस करना है। और हम सब मिलकर काम को पूरा करेगे। पूरे विभाग के लोगो को मैं बार-बार कह रही है कि भष्ट्राचार मुक्त हमारे वारिसलीगंज विधानसभा को बनाना है। जब तक भष्ट्राचार मुक्त नही होगा, तब तक विकास में अवरूद्ध पैदा करता रहेगा। सर्वागीन विकास से दूर रहेगा और शिक्षा और स्वास्थ्य पर पूरा फोकस होगा। इन दोनो की काफी शिकायते हमारे मोबाइल पर

आते है।

विधायिका अनिता कुमारी ने साफ तौर पर कहा है कि +2 विद्यालय जलालपुर के भुखंड पर 90 डी0 जमीन पर ही बनेगा। 19/12/2025 को क्ड साहब को आवेदन देकर आयी हूँ। उन्होने कहा है इस मुद्दे पर शीघ्र फैसला लिया जायेगा साथ ही विधायिका ने अम्बेडकर के बारे में कहा कि कि संविधान नहीं होता तो आज मै विधायक नही बनते आज जो बहुजन सरष्कारी सेवा में राज्य और केन्द्र में है। वो सब बाबा साहेब की देन है। पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कर्पूरी ठाकुर अगर वो अनुच्छेद 340 बिहार में लागू नहीं करते तो बहुजनो को सरकारी सेवा का लाभ नहीं मिलता। पूर्व पी.एम. वी.पी. सिंह ने मंडल आयोग का गठन कर बहुजनो को केन्द्र की सेवाओं में UPSC, SSC, रेलवे, दिल्ली सचिवालय आदि स्थानो पर लाने का मौका मिला सावित्री बाई फूले न होती तो आज दलित वंचित शोषित समाज की महिला आज शिक्षा ग्रहण नही कर पाती आज भारत की पहली शिक्षिका बनने का गौरव सावित्री बाई फूले को प्राप्त है। आप सबो ने जो धुमधाम से इस कार्यक्रम को मनाया है। इसके लिए आपकी अनिता आपको धन्यवाद देती रहेगी। मै संकल्पित हूँ। मैं सभी विभाग का औचक निरिक्षण करूंगी सभी विभाग का विकास करूंगी आपका विधानसभा क्षेत्र का विकास होकर रहेगा। सबसे बड़ा अड़चन भष्ट्राचार को सभी को मिलकर खत्म करना है। उन्होंने अन्त में जय जनता, जय कर्पूरी, जय भीम जय संविधान, जय सावित्री बाई फूले, जय लोक तंत्र एवं इंकलाब जिन्दावाद जय हिन्द जय राष्ट्र इन्ही शब्दों के साथ मै अपनी वाणी को विराम देती हूँ।

बाहुबली अशोक महतो ने कहा कि इस अभिनन्दन समारोह के उपस्थित सभी का अभिनन्दन करता हूँ। मै इस अभिनन्दन समारोह का आजीवन ऋणी रहूँगा। इस विधान सभा में न्याय के साथ विकास होगा। जो हमने सभी

जनता से घुम घुमकर वादा किया है, उसे पटल पर लायेगे। आप लोग धैर्य धारण किजिये। हम बहुजनो के अधिकार के लिए लड़े हैं। आगे पंचायत चुनाव में एकजुट होकर जो तत्परता इस विधानसभा में दिखाया है। वही तत्परता के साथ अपने लोगों को विजय बनायेगे। कैसे मुखिया सरपंच, जिला, परिषद को चुनियेगा जो आपके साथ सदा रहे गरीब दलितो वंचितों पर ध्यान दे वैसे लोगो को चुनियेगा। उच्च माध्यमिक ढेरा के प्रधानाध्यापक अमित कुमार विधायिका अनीता कुमारी को बुके देकर सम्मानित किया और कहा कि इस विधानसभा क्षेत्र को Education Hub बनायेगे आप प्रधानाध्यापक ने कहा कि संविधान में सभी का मान बराबर है। संविधान समानता का अधिकार दिया है। eqiuity no Similarity समरस्ता सभी को पढ़ने-लिखने का अधिकार संविधान मे सभी का मान बराबर है। चाहे वह राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, राज्यपाल, क्ड, विधायक, सांसद, अंबानी, अडानी, अमीर गरीब सभी बराबर है। संविधान कार्य पालिका, न्यायपालिका, विधायिका कार्यपालिका से उपर है। वही और भी कई वक्ताओ के अपना विचार रखा। सुधीर महतो, डॉ० अजय कुमार, मनोजदास, अभिषेक कुमार, जितेन्द्र कुमार, रविन्द्र महतो ने स्वागत किया। मंच संचालन शंकर चंद्रवंशी ने किया एवं सभा का समापन पूर्व मुखिया विदयानन्द चंद्रवंशी ने किया। विश्वनाथ यादव, संजय यादव, अजीत यादव मुखिया, अनील पासवान, नरेश चौधरी, हीरा रविदास, मीणा देवी पूर्व जिला परिषद सदस्या, समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित।●

कोयल नहर परियोजना का निरीक्षण करने पहुंचे मुख्य सचिव

● मो० सईद

बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित उत्तर कोयल नहर परियोजना का स्थल पर पहुंचकर बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, गुणवत्ता एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कार्य की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और स्पष्ट निर्देश दिया कि परियोजना से जुड़े सभी कार्य तय समय सीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह परियोजना किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के मौके पर

गया जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर एवं औरंगाबाद जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा सहित जल संसाधन विभाग के वरीय अधिकारी, अभियंता और प्रशासनिक पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। अधिकारियों ने मुख्य सचिव को परियोजना की तकनीकी जानकारी, प्रगति रिपोर्ट और भविष्य की कार्ययोजना से अवगत कराया। मुख्य सचिव ने निर्देश दिया कि स्थानीय किसानों को समय पर सिंचाई का लाभ मिले, इसके लिए कार्यों में तेजी लाई जाए और आपसी समन्वय के साथ सभी बाधाओं को शीघ्र दूर किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना पूरी होने से क्षेत्र के कृषि विकास को नई दिशा मिलेगी। निरीक्षण के बाद अधिकारियों में परियोजना को लेकर कार्य में तेजी लाने को लेकर सक्रियता देखी गई।●

हत्यारों को कब मिलेगी सजा!

● अनिता सिंह/अमित कुमार सिंह/मिथिलेश कुमार

नवादा जिले के काशीचक प्रखण्ड में पुलिस कस्टडी में हुई हत्या के लिए डॉ0 रामबली सिंह चन्द्रवंशी ने डी0जी0पी0 से बात कर स्पीडी ट्रायल की मॉग की एवं सरकार से शीघ्र सजा दिलाने की माँग की गई। हत्या के महीनों बीत जाने के बाद भी पीड़िता को न्याय नही मिला। 45 फिसदी आबादी वाले अति पिछड़ा समाज, जिससे सरकार चलती है। अति पिछड़ा जिस ओर जाती है, सरकार उसी का बनती है। मुख्यमत्री नीतीश कुमार आये दिन हो रहे अति पिछड़ो पर अत्याचार को धृतराष्ट्र बनकर देख रहे हैं। वोट लेने के लिए अति पिछड़ा याद आता है और न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। कुछ महीने पूर्व काशीचक थाना क्षेत्र के बौरी गाँव में प्रेम प्रसंग मामले में ही हत्या हुई थी। अभी उसकी गुलथी पूरी सुलझी नही थी कि दूसरा अति पिछड़ा समाज प्रजापति जाति का लड़का बली चढ़ गया। संविधान कहता है कि सभी का मान बराबर है लेकिन अतिपिछड़ा को कब न्याय मिलेगा। पूर्व एम0एल0सी0 रामबली सिंह के प्रेस काँफ्रेंस के बाद पुलिस महकमा जागा, तब पुलिस अधिकारी को निलंबित किया गया और उन सभी पर 302 का मुकदमा दर्ज हुआ। लेकिन महीनों बितने के बाद भी पीड़िता को न्याय नही मिला। ये कैसा सुशासन भाग-5 की सरकार है। जिले के काशीचक थाने में थानाध्यक्ष अक्षय कुमार गुप्ता समेत चार लोगों के विरूद्ध हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई। थाने में 27 नवम्बर को दर्ज काण्ड संख्या-172/25 में थानाध्यक्ष समेत काशीचक थाना क्षेत्र के भट्टा गाँव में

कमलेश प्रसाद के बेटे सिंटु कुमार व उसके मामा के अलावा एक अन्य पुलिसकर्मी को आरोपी बनाया गया। मृतक के पिता काशीचक थाने के बौरी गाँव के स्व0 द्वारिका पंडित के बेटे व अशोक पंडित का आरोप है कि उपरोक्त चारों ने मिलकर थाने में ही मेरे बेटे की हत्या कर दी।

ये मामला बौरी गाँव के 17 वर्षीय किशोर सन्नी कुमार को पुलिस कस्टडी में संदिग्ध मौत से जुड़ा है। वादी का आरोप है कि 26 नवम्बर की शाम 7 बजे काशीचक पुलिस व डायल 112 की टीम उसके घर पहुँची और उसके बेटे सन्नी कुमार को उठाकर थाने ले आयी। पुछने पर पुलिस ने बताया कि बेटे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। सन्नी के परिजन वे लोग भी पीछे-पीछे थाने पहुंचे, जहॉ उसके बेटे को एक कमरा में रखा गया था। 12 बजे पुलिस कर्मियो ने उन्हें वहाँ से हटा दिया। अगले दिन 08 बजे सुबह थाने पहुँचने पर उसका बेटा नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि उसे अस्पताल भेजा गया है। वहॉ पहुँचने पर उसके बेटे का शव अस्पताल में पुलिस की गाड़ी पर पड़ा था।

पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लेते हुए तीन को निलंबित कर एस0आई0 धमेन्द्र कुमार को थाने का अतिरिक्त प्रभार दिया। वही लवकेश्वर कुमार धान व चौकिदार कपिलदेव पासवान इस काण्ड में शामिल हैं, साथ ही होमगार्ड में एक जवान हरेराम को छः माह के लिए डियुटी से वंचित कर दिया गया था। इधर काण्ड संख्या-172/25 की जॉच के लिए साईबर थाना के इस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह को अनुसंधानकर्ता बनाया गया है। यह पुरा मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। सन्नी एक नाबालिक लड़की को लेकर भाग जाता है और दोनों शादी कर लेते हैं। पुलिस इस मामले में सन्नी को घर से थाने ले जाती है। पीड़िता का कहना है कि लड़की का भाई बिहार पुलिस मे है, जिसके मेल में आकर थानाध्यक्ष एवं अन्य कर्मी ने बेरहमी से पीटा। जिससे सन्नी की मौत हो गई। प्रमाण हेतु थानाध्यक्ष के मोबाईल की सी0डी0आर0 निकालने की वादी ने पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया है।

इधर अति पिछड़ा समाज के लोगों ने 26 नवम्बर को प्रेम प्रसंग मामले में हुई हत्या को लेकर थाने पर धरना-प्रदर्शन किया। धरने पर बैठे लोगों ने सन्नी कुमार हत्या काण्ड में संलिप्त

अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं घटना को मानवाधिकार आयोग तथा सी0बी0आई0 से न्यायिक जाँच की माँग को लेकर भी रविप्रकाश, जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौपा गया। पाँच संदस्य प्रतिनिधि मंडल के द्वारा मुख्यमंत्री तथा उप मुखियमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी के नाम डी0एम0 को ज्ञापन सौपा। ज्ञापन में साफ कहा गया है कि मुकदमा दर्ज होने के बाद भी अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हुई, जिस कारण अतिपिछड़ समाज में काफी रोस गुस्सा देखा जा रहा है। धरना कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस महकमा अभियुक्तों को संरक्षण दे रही है। काशीचक थाने में नाबालिग की मौत का निष्पक्ष जाँच हो तथा सभी ने पुलिस पर गम्भीर आरोप लगाया। एक दिवसीय धरने के दौरान जिले में रजौली, हिसुआ, नवादा, गोविन्दपुर तथा वारिसलीगंज विधायक एवं उनके प्रतिनिधि तथा कार्यकर्ता धरना स्थल पर मौजूद थे। धरना स्थल पर पूर्व एम0एल0सी0 रामबली सिंह चन्द्रवंशी, पूर्व अध्यक्ष दानी प्रजापति, जिला संयोजक रजौली, विधायक प्रतिनिधि प्रमोद कुमार चन्द्रवंशी, वरीय अधिवक्त राजेन्द्र प्रसाद सिंह आदि ने अपना विचार रखते हुए कहा कि न्याय नही मिला तो सड़क से सदन तक आर-पार की लड़ाई होगी। आरोपी पर स्पीडी ट्रायल के तहत सजा दिलाने व मृतक के परिजनों के भरण पोषण की व्यवस्था की माँग की है। मंच संचालन अधिवक्ता सुनील कुमार पंडित ने किया। ध रना-प्रदर्शन में अधिवक्ता संतोष कुमार, चन्द्रिका प्रसाद, विनय कुमार राम, दिनेश चन्द्रवंशी, दिलीप रावत, कुन्दन कुमार धानुक ईश्वरी सिंह, भगवान सिंह चन्द्रवंशी, वार्ड पार्षद पवन कुमार पंडित व अन्य समर्थकों बुद्धिजीवि लोग मौजूद थे।●

थानाध्यक्ष रविरंजन ने दबोचा लाखों का गांजा

● अनिता सिंह/अमित कुमार सिंह/मिथिलेश कुमार

नालंदा जिले के भागन बिगहा थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार 2009 बैच के तेज तरार कड़क पदाधिकारी में इनकी पहचान रही है, इनकी कार्यशैली को अरवल थाना, किंजर, कोतवाली (पटना) नौबतपुर, पिपलावा, मोकामा (थाना) बिहार थाना (नालन्दा) समेत कई थाना में अपनी कार्यशैली का लोहा मनवा चुके भागन बिगहा ओ0पी0 थानाध्यक्ष ने 21.12.2025 शनिवार को रात मुसेपुर गॉव में छापेमारी कर लाखों का गांजा का खेप बरामद करते हुये दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही मौके पर 76:500 किलो ग्राम गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार तस्करों में बेना थाना क्षेत्र के खरुआरा गाँव निवासी सुरेश यादव का पुत्र मनोज यादव और भागन बिगहा के मुसेपुर गाँव निवासी रामबली यादव का पुत्र सन्टु यादव शामील है। खलिहान सन्टु यादव का है। पुआल और धान में पुंज में छिपाकर रखा गया गांजा का 14 बंडल बरामद हुआ। छापेमारी टीम में भागन बिगहा थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार, नीतीश कुमार, हीरालाल सिह, जयराम झा, जमादार मनोज कुमार सिंह समेत अन्य सुरक्षाकर्मी शामिल होकर टीम गठीत कर आक्रमक कारवाई करते हुये सभी का धर दबोचा और पूछताछ से पता चला कि इलाके में गांजे की बिक्री करता था। गिरफ्तार तस्करों से

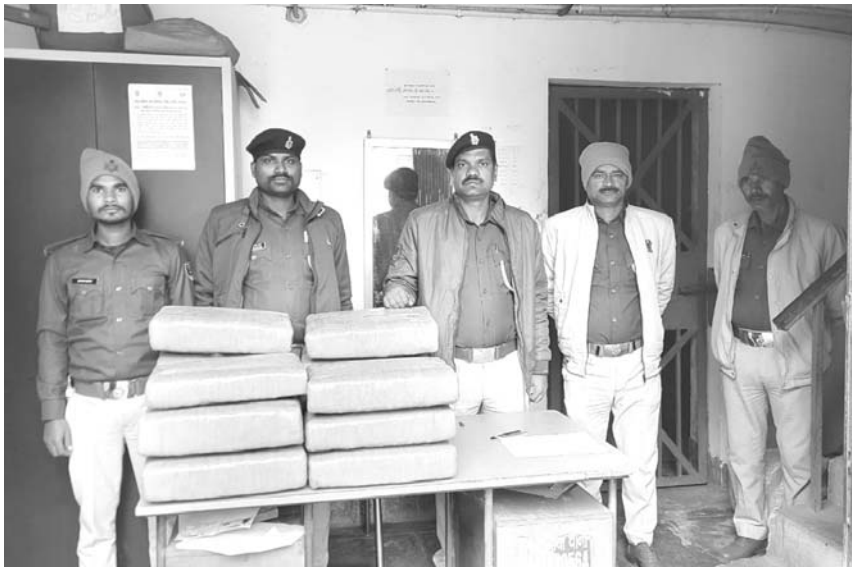

पूछताछ में खुलासा हुआ कि वे लोग दूसरे जिले से खेप लाकर उसकी बिक्री इलाके में करते थे। तस्करों का जाल जिला के सुदूरवर्ती क्षेत्रें में फैला है। गिरफ्तार दोनों तस्करों के अपराधिक इतिहास की जॉच की जा रही है। इसकी पुरी आपराधिक कुण्डली का शीघ्र पर्दाफाश करेगी पुलिस विभाग। इधर डी0एस0पी0-2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि ओ0पी0 थानाध्यक्ष को सूचना मिली थी कि मुसेपुर गाँव स्थित सन्टु यादव के खलियान में गांजा का खेप छिपाकर रखी गई है। जिसके बाद वरीय पदाधिकारीयों के निर्देश पर पुलिस छापेमारी की। पुलिस ने खलिहान की घेराबंदी कर ली। उसी दौरान दो लोग भागने लगे, जिसे खदेड़कर पकड़ा गया। दोनों को कड़ाई से पुछताछ करने पर बताया कि खलिहान में गांजा छिपाकर रखा है। निशानदेही पर गांजा बरामद कर दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत लाखो में है। छापेमारी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में हुई। गांजे को धान और पुआल में छिपाकर रखा गया था। जिसमें 15 बंडल गांजा का बंडल पुलिस ने जप्त कर लिया।●

शिक्षक मानव को अंधकार से प्रकाश में लाते हैं : दया शंकर

जमुई जिला बिहार प्रांत का 38वां जिला है.ऐतिहासिक दृष्टिकोण से यह एक महत्वपूर्ण जिला है .वर्तवान में जमुई को जैन -धर्म के दो तीर्थंकरों का जन्म स्थान होने का गौरव प्राप्त है जैन-धर्म के नौवें तीर्थंकर भगवान सुविधिनाथ और चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर का अवतरण जमुई में ही हुआ है. वर्तवान में जमुई जिला के जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री दया शंकर हैं .यह नाम वर्णों के दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण नाम है. द+य+आ =दया. श+न+क+र =शंकर. द से दयालु, य से योग्य ,आ से आदर्शवादी, श से शरीफ,न से न्यायप्रिय, क से कर्मठ और र से राष्ट्रभक्त. अर्थात जो व्यक्ति दयालु ,योग्य ,आदर्शवादी, शरीफ ,न्यायप्रिय, कर्मठ और राष्ट्रभक्त हो, वही **दया शंकर** कहलाते हैं. इन गुणवाण व्यक्ति के साथ केवल सच के विशेष प्रतिनिधि **प्रो० रामजीवन साहु** के साथ जो साक्षात्कार हुआ उसका वर्णन अग्रवत है :-

❖ **आपका जन्म कब और कहाँ हुआ?**

मेरा जन्म बिहार प्रांत के डेहरी ओनसोन मैं 6 मार्च 1986 में हुआ है.

❖ **आपकी प्रारंभिक शिक्षा कहां से मिली?**

मेरी प्रारंभिक शिक्षा डेहरी ओनसोन से ही मिली है.

❖ **आपकी नियुक्ति सर्वप्रथम किस पद पर और कब हुई?**

मेरी नियुक्ति सर्वप्रथम डी.पी.ओ. स्थापना के पद पर 2019 मैं कैमूर में हुई है.

❖ **जमुई में आपने किस पद पर और कब अपना योगदान दिये?**

भगवान महावीर की जन्मस्थली जमुई में मैं जिला शिक्षा पदाधिकारी के पद पर दो जुलाई 2025 को अपना योगदान दिया हूँ.

❖ **शिक्षक शब्द के बारे में आप क्या कहना चाहते हैं?**

शिक्षक शब्द में जितने अक्षर हैं, वे प्रत्येक अक्षर शिक्षक के गुणों को दर्शाता है. अर्थात् शिष्ट बनाता, इंसान बनाता और क्षय करता, अज्ञानता, कर्मठ बनाता जो जग को आज वही शिक्षक कहलाता.

❖ **जमुई जिला में प्राथमिक, मध्य, उच्च और +2 उच्चतर विद्यालय कितने हैं एवं उनमें कितने शिक्षक हैं?**

Sl. No.	Block Name	Total Schools	Primary only (Class 1–5)	Upper Primary (Class 1–8)	Higher Secondary (Class 6–12)	Higher Secondary (Class 9–12)
1	ALIGANJ	134	57	63	1	13
2	BARHAT	97	39	47	2	9
3	CHAKAI	336	151	160	2	23
4	GIDHAUR	74	32	34	2	6
5	JAMUI	179	79	82	2	16
6	JHAJHA	261	119	118	3	21
7	KHAIRA	240	114	102	2	22
8	LAXMIPUR	143	59	68	2	14
9	SIKANDRA	151	67	69	1	14
10	SONO	220	99	100	1	20
	TOTAL	**1835**	**816**	**843**	**18**	**158**

नगर परिषद् सिमरी बख्तियारपुर के काले कारनामे

● धर्मेन्द्र सिंह

जिले के नगर परिषद सिमरी बख्तियारपुर क्षेत्र में विकास के नाम पर संचालित योजनाओं में बड़े पैमाने पर सरकारी राशि की कथित लूट का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। नगर परिषद द्वारा निविदा एवं विभागीय मद से करोड़ों रुपये की लागत से चलाई जा रही योजनाओं में नियम-कानून को दरकिनार कर पुराने कार्यों को नया बताकर भुगतान कराने का आरोप सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि इन अनियमितताओं पर न तो किसी स्तर से प्रभावी निगरानी दिख रही है और न ही अब तक ठोस कार्रवाई। नियमानुसार किसी भी सरकारी योजना के निर्माण स्थल पर पारदर्शिता के लिए सूचना पट्ट (सूचनापट) लगाना अनिवार्य होता है, ताकि आमजन को योजना की लागत, कार्य का प्रकार और अवधि की जानकारी मिल सके। लेकिन नगर परिषद क्षेत्र में संचालित अधिकांश योजनाओं में सूचनापट का अभाव है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इसी खामी का फायदा उठाकर नगर परिषद कर्मी, कनीय अभियंता, संवेदक और कुछ जनप्रतिनिधि मिलकर सरकारी राशि की बंदरबांट कर रहे हैं।

☞ **वार्ड संख्या 08 बना अनियमितताओं का केंद्र :-** ताजा मामला नगर परिषद के वार्ड संख्या 08 का है, जहां एक ही वार्ड में तीन योजनाएं संचालित की जा रही हैं-एक निविदा के माध्यम से और दो विभागीय मद से। ग्रामीणों का कहना है कि तीनों योजनाओं में गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं। पहली योजना निविदा आधारित है, जिसका नाम डोमी यादव के घर से कैलू मुखिया के घर तक पीसीसी नाला का नया निर्माण बताया गया है। इस योजना की लागत करीब 25 लाख रुपये है। आरोप है कि इस स्थान पर नया नाला बनाने के बजाय नगर कार्यालय के पदाधिकारी, कनीय अभियंता, संवेदक और वार्ड पार्षद की कथित मिलीभगत से योजना स्थल को बदल दिया गया है। वास्तविक स्थल के विपरीत दिशा में शिवजी यादव के घर से सत्यनारायण पोद्दार के घर तक पहले से ग्राम पंचायत की सात निश्चय योजना से निर्मित पक्की नाला को तोड़कर उसे नया निर्माण दिखाया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि इसी नाला की मरम्मत नगर परिषद द्वारा पूर्व में लगभग 5 लाख रुपये की लागत से कराई जा चुकी है। अब उसी पुराने नाले को तोड़-मरोड़ कर 25 लाख रुपये की नई योजना का रूप देकर राशि की बंदरबांट की जा रही है।

☞ **विभागीय योजनाओं पर भी सवाल :-** इसी वार्ड में दूसरी योजना विभागीय मद से सुदीन मुखिया के घर से बैजनाथ मुखिया के घर तक पक्की नाला निर्माण की बताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यहां पहले से ग्राम पंचायत द्वारा अच्छी स्थिति में पक्की नाला बनी हुई थी, जिसे तोड़कर दोबारा निर्माण कराया जा रहा है। जबकि विभागीय योजनाओं में अधिकतम 15 लाख रुपये तक की ही राशि स्वीकृत होती है, इसके बावजूद खर्च को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया जा रहा है। तीसरी विभागीय योजना कलमी नर्सिंग कॉलेज से मंगा बहियार के रास्ते पीसीसी सड़क निर्माण से जुड़ी है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह बहियार क्षेत्र न तो आबादी वाला है और न ही वहां एक भी आवास मौजूद है। पहले से बनी ग्राम पंचायत की सोलिंग सड़क की पुरानी ईंटों पर ही पीसीसी सड़क का निर्माण

दिखाया जा रहा है। सवाल यह उठता है कि बिना आबादी वाले क्षेत्र में इतनी बड़ी लागत से सड़क निर्माण की प्राथमिकता आखिर क्यों दी गई।

☞ **सूचनापट नदारद, पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न :-** इन तीनों योजनाओं के किसी भी निर्माण स्थल पर सूचना पट्ट नहीं लगाया गया है। इससे न केवल नियमों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि आम जनता को यह भी पता नहीं चल पा रहा कि योजना किस मद से, कितनी राशि में और किस उद्देश्य से संचालित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यही अपारदर्शिता भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी वजह बन रही है।

☞ **ग्रामीणों ने की जांच की मांग :-** सरकारी राशि के दुरुपयोग और योजनाओं में भारी अनियमितता से आक्रोशित ग्रामीणों में सुनील बिहारी, नवल किशोर पोद्दार, जनार्दन पंडित, प्रमोद मुखिया, चंदन कुमार, मनीष कुमार सहित करीब एक दर्जन लोगों ने कार्यपालक पदाधिकारी, जिलाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी तथा स्थानीय विधायक संजय कुमार सिंह को लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो नगर परिषद क्षेत्र में विकास योजनाओं के नाम पर सरकारी धन की लूट इसी तरह जारी रहेगी। अब देखना यह है कि प्रशासन इन गंभीर आरोपों पर क्या रुख अपनाता है और जांच के नाम पर यह मामला फाइलों में दबकर रह जाता है या वास्तव में जिम्मेदारों पर कार्रवाई होती है।●

सरकारी खाते से 24.27 लाख का गबन

● **धर्मेन्द्र सिंह**

पूर्णिया जिले के रूपौली अंचल कार्यालय में भ्रष्टाचार का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अंचल कार्यालय में पदस्थ तत्कालीन नाजिर सह निम्न वर्गीय लिपिक शिशिर कुमार पर अंचलाधिकारी (सीओ) के फर्जी हस्ताक्षर कर सरकारी खाते से 24 लाख 27 हजार 840 रुपये की अवैध निकासी करने का आरोप सिद्ध हुआ है। मामले की पुष्टि के बाद वर्तमान सीओ शिवानी सुरभी की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गौर करे कि यह मामला उस समय उजागर हुआ जब अंचलाधिकारी शिवानी सुरभी ने सैरात मद की राशि की नियमित जांच के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में संचालित सरकारी खाते (खाता संख्या 2363875409) का बैंक स्टेटमेंट निकलवाया। जांच में चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि 1 अप्रैल 2023 से 31 दिसंबर 2025 के बीच खाते से भारी वित्तीय अनियमितता की गई है। बैंक स्टेटमेंट के गहन विश्लेषण में यह स्पष्ट हुआ कि आरोपी शिशिर कुमार ने सीओ के जाली हस्ताक्षर कर चेक के माध्यम से किस्तों में कुल 24,27,840 रुपये की निकासी कर ली। यह राशि सरकारी मद की थी, जिसका उपयोग अंचल के विकासात्मक और प्रशासनिक कार्यों के लिए होना था। गौरतलब है कि शिशिर कुमार वर्तमान में धमदाहा अनुमंडल कार्यालय में पदस्थापित है,

लेकिन स्थानांतरण के बावजूद उसने रूपौली अंचल नजारत का प्रभार नए नाजिर को अब तक नहीं सौंपा था। प्रभार हस्तांतरण में हो रही देरी को लेकर अंचलाधिकारी द्वारा कई बार पत्राचार किया गया। जब संदेह गहराया और रोकड़ बही सहित अन्य वित्तीय दस्तावेज मांगे गए, तो आरोपी कोई भी अभिलेख प्रस्तुत नहीं कर सका। इस संबंध में सीओ शिवानी सुरभी ने कहा कि बैंक स्टेटमेंट की जांच से यह स्पष्ट हो गया है कि उनके फर्जी हस्ताक्षर का प्रयोग कर सरकारी राशि की अवैध निकासी की गई है। प्रथम दृष्टया यह गंभीर आर्थिक अपराध और सरकारी धन के गबन का मामला है, जिस पर कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जा रही है। वहीं, रूपौली थानाध्यक्ष अभय रंजन ने बताया कि सीओ द्वारा लिखित आवेदन दिए जाने के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज की गई। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने आरोपी नाजिर शिशिर कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गबन में कोई अन्य अधिकारी या कर्मी संलिप्त तो नहीं है। इस घटना ने एक बार फिर सरकारी कार्यालयों में वित्तीय पारदर्शिता और आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। प्रशासनिक हलकों में इस मामले को लेकर हड़कंप मचा हुआ है, वहीं आम जनता सरकारी धन की सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रही है।●

पब्लिक फ्रेंडली पुलिसिंग की नई शुरूआत

● धर्मेन्द्र सिंह

बिहार पुलिस में हालिया बड़े प्रशासनिक फेरबदल के बाद आईपीएस संतोष कुमार ने 11 जनवरी को किशनगंज के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में पदभार ग्रहण किया। कार्यभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट संकेत दे दिए कि जिले में पुलिसिंग का चेहरा बदलेगा। पब्लिक फ्रेंडली, निष्पक्ष और सख्त पुलिसिंग को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए एसपी संतोष कुमार ने अपराधियों के प्रति "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनाने का ऐलान किया है। पदभार ग्रहण करने के बाद आयोजित अपनी पहली प्रेस वार्ता में एसपी संतोष कुमार ने कहा कि किशनगंज पुलिस आम जनता के लिए सरल, सुलभ और भरोसेमंद बनेगी। पुलिस और जनता के बीच विश्वास की खाई को पाटना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पूरी पुलिस टीम जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी और किसी भी प्रकार के अपराध को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। एसपी ने स्पष्ट किया कि महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और समाज के कमजोर वर्गों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। संगठित अपराध गिरोहों, नशा तस्करों और अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने वालों के नेटवर्क को चिन्हित कर ध्वस्त किया जाएगा। नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ-साथ जन-जागरूकता अभियान भी तेज किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिले की वर्तमान कानून-व्यवस्था का गहन आकलन कर ठोस और व्यावहारिक रणनीति तैयार की जाएगी। अपराधी चाहे किसी भी रसूख या पृष्ठभूमि का हो, उसे किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना जाएगा और उनका त्वरित व निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

☞ **थानाध्यक्षों के साथ मैराथन बैठक, सख्त निर्देश :-** योगदान के बाद एसपी संतोष कुमार ने सदर थाना परिसर स्थित पुलिस सभागार में जिले के सभी थानाध्यक्षों के साथ करीब तीन घंटे तक चली समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि थाना आने वाला हर फरियादी सम्मान और संवेदनशीलता का हकदार है। उसकी शिकायत को गंभीरता से सुनना और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है। एसपी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता से जुड़ी शिकायतों में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई तय है। उन्होंने बारी-बारी से सभी थानाध्यक्षों से उनके थाना क्षेत्र, अपराध की स्थिति और स्थानीय चुनौतियों की जानकारी ली। सीमावर्ती जिले की भौगोलिक संवेदनशीलता पर विशेष जोर देते हुए एसपी ने पश्चिम बंगाल और नेपाल से सटे थाना क्षेत्रों की स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट कहा, "पहले क्या होता था, उससे कोई मतलब नहीं है। अब हर हाल में अपराध पर अंकुश लगाना होगा।"

☞ **माफियाओं और संगठित अपराध पर कड़ा प्रहार :-** बैठक में एसपी ने जिले में सक्रिय संगठित अपराध और माफिया प्रवृत्ति के बदमाशों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इंट्री माफिया सहित किसी भी प्रकार के माफियाओं को चिन्हित कर उनके खिलाफ ठोस और विधि-सम्मत कार्रवाई की जाए। ऐसे अपराधियों की सूची तैयार कर निरंतर निगरानी रखने का निर्देश भी दिया गया। इसके साथ ही शराबबंदी कानून को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया गया। शराब तस्करी पर पूर्ण नियंत्रण के लिए थानाध्यक्षों को विशेष सतर्कता बरतने और गंभीर अपराधों में त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

☞ **थानों में पारदर्शिता की सख्त शुरुआत :-** पदभार संभालते ही एसपी संतोष कुमार ने पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता लाने की दिशा में एक अहम सुधारात्मक कदम उठाया है। उन्होंने जिले के सभी थानों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि अब किसी भी व्यक्ति की थाने में एंट्री बिना रजिस्टर किए नहीं होगी। नए निर्देश के तहत थाना परिसर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति का नाम, पता, मोबाइल नंबर और आने का उद्देश्य 'विजिटर रजिस्टर' में अनिवार्य रूप से दर्ज किया जाएगा। बिना उचित कारण के थाने में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह व्यवस्था 12 जनवरी से जिले के सभी थानों में लागू कर दी गई है। 12 जनवरी को सदर थाना में इस नियम का पालन करते हुए पुलिस पदाधिकारी आगंतुकों से आने का कारण पूछते

और रजिस्टर में विधिवत एंट्री करते नजर आए। एसपी ने स्पष्ट कहा कि थानों में बिचौलियों की अनावश्यक आवाजाही से पुलिस की छवि खराब होती है और आम नागरिकों को परेशानी होती है। इस नई व्यवस्था से न केवल भीड़ कम होगी, बल्कि कामकाज में पारदर्शिता और गति भी आएगी। एसपी ने यह भी बताया कि नियमों के सख्त अनुपालन के लिए थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज की नियमित समीक्षा की जाएगी और विजिटर रजिस्टर की समय-समय पर जांच होगी। आदेश की अवहेलना करने वाले किसी भी पुलिसकर्मी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई तय है।

☞ **जनसहयोग से सुरक्षित किशनगंज का संकल्प** :- आमजन से अपील करते हुए एसपी संतोष कुमार ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और संदिग्ध या आपराधिक गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इसके लिए मोबाइल/व्हाट्सएप नंबर 7258963393 तथा कंट्रोल रूम नंबर 06456-222109 जारी किया गया है। सूचना देने वाले की पहचान पूर्णतः गोपनीय रखी जाएगी। एसपी का साफ संदेश है-"सुरक्षा आपकी, संकल्प हमारा। जनसहयोग से ही एक सुरक्षित, शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त किशनगंज का निर्माण संभव है।" किशनगंज में पुलिस सुधार की इस सख्त और पारदर्शी शुरुआत को लेकर आम लोगों में उम्मीद जगी है कि अब थानों में दलाली और लापरवाही पर लगाम लगेगी और पुलिस वास्तव में जनता की मित्र है।●

वीडियो वायरल होने पर खुला मामला

● **धर्मेन्द्र सिंह**

उत्पाद विभाग के एक निरीक्षक स्तर के अधिकारी द्वारा दो महिला सिपाहियों के साथ बिना विभागीय अनुमति पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी जाने का मामला अब सुर्खियों में है। यह प्रकरण तब सामने आया, जब सिलीगुड़ी से लौटते समय बागडोगरा थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर अधिकारी के निजी वाहन का एक स्थानीय बाइक सवार से टकराव हो गया। घटना के बाद मौके पर हंगामा हुआ और स्थानीय लोगों ने वाहन में सवार उत्पाद विभाग के कर्मियों को रोक लिया। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विभागीय स्तर पर हड़कंप मच गया है। घटना 12 जनवरी की देर शाम की बताई जा रही है। सूचना मिलने पर बागडोगरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर शांत कराया। सुरक्षा के मद्देनजर उत्पाद विभाग के कर्मियों को थाने लाया गया। हालांकि किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई, जिससे कानूनी मामला वहीं समाप्त हो गया, लेकिन वीडियो वायरल होने के बाद यह प्रकरण विभागीय जांच के दायरे में आ गया।

☞ **बिना सूचना, सिविल ड्रेस और निजी वाहन** :- मिली जानकारी के अनुसार उत्पाद निरीक्षक संगम कुमार विद्यार्थी दो महिला कांस्टेबल और एक अन्य कर्मी के साथ निजी वाहन से सिलीगुड़ी गए थे। बताया जा रहा है कि इस यात्रा की न तो कोई पूर्व अनुमति ली गई थी और न ही वरीय अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई थी। सभी कर्मी सिविल ड्रेस में थे और ड्यूटी के दौरान फरिंग गोला चेकपोस्ट पर भी अनुपस्थित पाए गए।

☞ **सिलीगुड़ी से लौटते वक्त बढ़ा विवाद** :- सिलीगुड़ी से किशनगंज लौटते समय बागडोगरा (दार्जिलिंग) के पास एनएच-27 पर तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग को लेकर स्थानीय लोगों से विवाद हो गया। ग्रामीणों का आरोप था कि उत्पाद विभाग की गाड़ी की लापरवाही भरी ड्राइविंग से एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी, जिससे दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई।

☞ **विभागीय स्तर पर गंभीर सवाल** :- इस घटना ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं-बिना आधिकारिक अनुमति के एक निरीक्षक दो महिला सिपाहियों के साथ दूसरे राज्य क्यों गया? यदि सरकारी कार्य था तो लिखित आदेश या सूचना क्यों नहीं थी? ड्यूटी के समय चेकपोस्ट से अनुपस्थिति का क्या कारण था?

☞ **नोटिस जारी, कार्रवाई के संकेत** :- उत्पाद विभाग ने मामले को गंभीर मानते हुए निरीक्षक संगम कुमार विद्यार्थी सहित संबंधित कर्मियों से विस्तृत स्पष्टीकरण तलब किया है। उत्पाद थानाध्यक्ष मनीष सक्सेना ने बताया कि उत्पाद अधीक्षक दीपक मिश्रा के निर्देश पर नोटिस जारी किया गया है। जवाब मिलने के बाद विभागीय नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी, जिसमें अनुशासनात्मक दंड की भी संभावना है।

☞ **राजनीतिक प्रतिक्रिया भी आई सामने** :- मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राजद नेता दानिश इकबाल ने कहा कि इससे पहले भी बंगाल में

किशनगंज के एक इंस्पेक्टर की हत्या हो चुकी है। ऐसे में बिना अनुमति और महिला सिपाहियों के साथ सिलीगुड़ी जाना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की। वहीं जिलाधिकारी विशाल राज ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच की जा रही है। यदि यह प्रमाणित होता है कि कर्मी बिना अनुमति सिलीगुड़ी गए थे, तो उनके खिलाफ विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल, सभी की निगाहें संबंधित कर्मियों द्वारा दिए जाने वाले स्पष्टीकरण और विभागीय जांच के अंतिम निष्कर्ष पर टिकी हुई हैं।●

गुरू गोबिंद सिंह जी का 359वां प्रकाश पर्व श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गया

● धर्मेन्द्र सिंह

फारबिसगंज प्रखंड अंतर्गत सिमराहा थाना क्षेत्र के खाश हलहलिया अकाल सर साहिब गुरुद्वारा में सिख धर्म के दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज का 359वां प्रकाश पर्व भक्ति, श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर गुरुद्वारा परिसर गुरुवाणी और शबद-कीर्तन की मधुर ध्वनियों से गुंजायमान रहा। प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में पिछले तीन दिनों से लगातार अखंड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रकाश पर्व के मुख्य एवं अंतिम दिन विशेष दीवान सजाया गया, जहां विभिन्न रागी जत्थों द्वारा शबद-कीर्तन एवं भजन प्रस्तुत किए गए। कीर्तन के माध्यम से गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के जीवन, उनके अद्वितीय बलिदान, वीरता एवं मानवता के संदेशों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कीर्तन सुनकर संगत भाव-विभोर हो उठी और पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार देखने को मिला। इस अवसर पर गुरुद्वारा में गुरु का अटूट लंगर भी आयोजित किया गया, जिसमें जाति, धर्म और वर्ग से ऊपर उठकर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने एक पंक्ति में बैठकर महाप्रसाद ग्रहण किया। पटना साहिब धर्म सभा के अध्यक्ष सह अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह लक्खा ने स्वयं लंगर में सेवा कर महाप्रसाद तैयार किया। कार्यक्रम में सुपौल से सूरज सिंह नलुआ, किशनगंज से लवली सिंह तथा पूर्णिया से नवजोत सिंह, दलजीत सिंह, संजीव सिंह, चरंजित सिंह एवं सतविंदर सिंह रागी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा खाश हलहलिया गुरुद्वारा के प्रधान संजय सिंह, नारायण सिंह, बिरेंद्र सिंह, किशन सिंह, सचिदानंद सिंह, प्रमोद सिंह, दिलीप सिंह एवं शंकर सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े डॉ. शिवनारायण यादव, डॉ. संजय यादव एवं पंचायत के मुखिया अशोक कुमार यादव ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। अंत में अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया, जिसमें क्षेत्र की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की गई। आयोजन को सफल बनाने में गुरुद्वारा समिति, स्थानीय ग्रामीणों एवं सेवादारों का सराहनीय योगदान रहा।●

डीआरआई की बड़ी कार्रवाई, ज्वेलरी कारखाने पर छापेमारी

● धर्मेन्द्र सिंह

शहर में सोना तस्करी के बढ़ते मामलों के बीच राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) ने बड़ी कार्रवाई की है। पश्चिम बंगाल के मालदा से आई DRI की टीम ने 07 जनवरी को शहर के सोनारपट्टी रोड स्थित अमर पाटिल के ज्वेलरी कारखाने पर छापेमारी की। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर सिलीगुड़ी यूनिट की टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार, अमर पाटिल के कारखाने से जुड़े लोगों पर पहले भी अवैध सोना तस्करी के आरोप लग चुके हैं। कुछ समय पूर्व सीमा सुरक्षा बल (BSF) ने छापेमारी कर बड़ी मात्रा में तस्करी का सोना जब्त किया था, जिसमें अमर पाटिल के सहयोगियों के नाम सामने आए थे। उसी घटना के बाद से DRI इस कारखाने की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। सूत्रों के मुताबिक, किशनगंज नेपाल और बांग्लादेश सीमा से सटा होने के कारण सोना तस्करी का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। यहां विदेशी सोने को गलाकर उस पर भारतीय हॉलमार्क लगाकर बाजार में खपाने का अवैध धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। बीते कुछ महीनों में DRI और BSF द्वारा की गई कार्रवाइयों में किशनगंज से करोड़ों रुपये मूल्य के तस्करी के सोने की बरामदगी हो चुकी है। छापेमारी की खबर फैलते ही स्थानीय सर्राफा बाजार में हड़कंप मच गया। व्यापारियों का कहना है कि यह कार्रवाई सोना तस्करी के संगठित नेटवर्क पर करारा प्रहार है। फिलहाल DRI की टीम कारखाने से जुड़े दस्तावेजों की जांच और संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के दौरान और भी बड़े खुलासे होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।●

सूखनी में सूखा नशा के खिलाफ संयुक्त बैठक

● फरीद अहमद

सूखा नशा के जद में आने से युवा पीढ़ी आर्थिक, मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर होते जा रहे हैं। युवा पीढ़ी सूखा नशा के आदी होते जा रहे हैं। जिसको लेकर सूखा नशा के विरूद्ध जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत सूखनी थाना क्षेत्र में सूखा नशा के बढ़ते मामलों को लेकर पुलिस, एस एस बी, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के बीच एक संयुक्त बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ग्रामीणों ने क्षेत्र में सक्रिय सूखा नशा कारोबार को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं और सख्त कार्रवाई की मांग की। मौके पर मौजूद सूखनी थानाध्यक्ष मन्नू कुमारी ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि सूखा नशा के खिलाफ अभियान को सफल बनाने के लिए पुलिस को जन सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी सूखा नशा से संबंधित गतिविधि नजर आए तो तुरंत पुलिस को सूचना दें, पुलिस त्वरित कार्रवाई करेगी।

बैठक में यह भी बताया गया कि जनप्रतिनिधियों द्वारा पहले से ही सूखा नशा के विरुद्ध जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिससे लोगों में नशा के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ी है। इस दौरान स्थानीय वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बिंदेश कुमार राय ने कहा कि सूखनी पुलिस सक्रिय है और सूचना मिलने पर तुरंत कार्रवाई करती है। वहीं मुखिया प्रतिनिधि रसमुद्दीन फैज ने कहा कि पूर्व में भी सूखा नशा के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया गया था और आगे भी सभी ग्रामवासी व जनप्रतिनिधि मिलकर पुलिस को सहयोग करेंगे। पूर्व मुखिया विनय कुमार ने कहा कि कादोगांव क्षेत्र में सभी प्रकार के नशे की बिक्री की शिकायतें मिलती रही हैं, हालांकि पुलिस द्वारा समय-समय पर कार्रवाई भी की जाती है। बैठक के अंत में सभी ने एकजुट होकर सूखा नशा के खिलाफ लड़ाई लड़ने और प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का संकल्प लिया। सूखा नशा को लेकर लोगों को जागरूक होने की जरूरत है और अपने घर परिवार के बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है ताकि युवा पीढ़ी को सूखा नशा की जद में जाने से रोका जा सके।●

अवैध लॉटरी बिक्री के खिलाफ जनप्रतिनिधियों में आक्रोश

● फरीद अहमद

अवैध लोटरी के माफियों द्वारा युवाओं के घरों को बर्बाद किया जा रहा है युवाओं को प्रलोभन देकर आर्थिक क्षति पहुंचाई जा रही है। मामला किशनगंज जिला के ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र का है जहां खुलेआम लॉटरी टिकट की अवैध बिक्री किए जाने के खिलाफ ग्रामीणों का आक्रोश सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों ने ठाकुरगंज थानाध्यक्ष को लिखित आवेदन देकर अवैध लॉटरी कारोबार पर तत्काल रोक लगाने एवं दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। पटेसरी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि दिलशाद राही ने बताया कि ठाकुरगंज प्रखंड के कई स्थानों पर खुलेआम बेखौफ होकर लॉटरी टिकट की बिक्री की जा रही है। जबकि लोटरी बिहार में प्रतिबंधित है। इसके बावजूद लॉटरी बिकना कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती है, बल्कि इसका सीधा दुष्प्रभाव समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, युवाओं और दैनिक मजदूरों पर पड़ रहा है। इससे पारिवारिक अस्थिरता, आर्थिक शोषण और अपराध प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिल सकता है, जो अंततः सार्वजनिक शांति एवं विधि-व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। मौके पर मौजूद सेराफुल अंसारी, मो. राजा, मो. अजमल हुसैन सहित अन्य ग्रामीणों ने भी

एक स्वर में ठाकुरगंज प्रखंड क्षेत्र में लॉटरी टिकट की अवैध बिक्री के मामले में पुलिस प्रशासन से तत्काल संज्ञान लेने और कठोर कार्रवाई करने की मांग की। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन इस गंभीर सामाजिक बुराई पर जल्द कार्रवाई कर अवैध लॉटरी कारोबार पर प्रभावी रोक लगाएगा। सूत्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध लोटरी का कारोबार ठाकुरगंज से लेकर सूखानी, पौआखाली सहित अन्य जगहों तक फैला हुआ है। वहीं कादोगांव में अवैध लॉटरी का कारोबार का आरोप लगाते हुए जनप्रतिनिधियों ने चिंता जताई है। ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत सुखानी थाना क्षेत्र के कादोगांव में अवैध लॉटरी बिकने का मामला बताया जा रहा है। इसको लेकर जनप्रतिनिधियों में आक्रोश और चिंता का माहौल है। इस संबंध में मुखिया प्रतिनिधि मो0 रसमुद्दीन फैज ने बताया कि क्षेत्र में कुछ लोग अवैध तरीके से लॉटरी का कारोबार कर रहे हैं, जिससे युवा पीढ़ी बुरी तरह प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि अवैध लॉटरी युवाओं को गलत राह पर ले जा रही है और इसका समाज पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार, ठाकुरगंज से फैला हुआ अवैध लॉटरी का नेटवर्क कादोगांव, सुखानी सहित आसपास के कई इलाकों में सक्रिय है और खुलेआम यह धंधा फल-फूल रहा है। मुखिया प्रतिनिधि मो रसमुद्दीन फैज ने भी प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है।●

फार्मर आईडी बनाना अनिवार्य

● फरीद अहमद

भारत सरकार के AgriStack (फार्मर रजिस्ट्री) परियोजना अंतर्गत किसानों के फार्मर आई डी बनाने का कार्य जारी है। इस आलोक में दिनाँक 06 जनवरी 2026 से 09 जनवरी 2026 तक विशेष अभियान चलाया जाना है। जिला पदाधिकारी किशनगंज विशाल राज के आदेश के आलोक में इस अभियान का व्यापक प्रचार प्रसार करने एवम कैम्प मोड में फार्मर आई डी के निर्माण का निरीक्षण करने हेतु ठाकुरगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी अहमर अब्दाली ,अंचलाधिकारी मृत्युंजय कुमार, एवं अनुज कुमार शर्मा, प्रखंड कृषि पदाधिकारी, ठाकुरगंज के द्वारा ग्राम पंचायत दुधऔंटी, डुमरिया, बन्दरझुला, तातपौआ, बरचौन्दी, जीरनगाच्छ एवं खारुदह पंचायत का भ्रमण किया गया। भ्रमण के क्रम में किसान सलाहकार के द्वारा ई- के वाई सी एवं

राजस्व कर्मचारी तथा पंचायत कार्यपालक सहायक के द्वारा फार्मर रेजिस्ट्रेशन का जायजा लिया गया। सभी को प्रतिदिन कम से कम 100 रेजिस्ट्रेशन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। विकास मित्रों एवं स्वच्छ्ता पर्यवेक्षकों को उत्प्रेरक के रूप में जिम्मेदारी दी गयी है। स्थानीय जन प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया है कि अपने स्तर से भी इसका व्यापक प्रचार प्रसार करें। बी डी ओ ने बताया कि लाभुकों का फार्मर आई डी तैयार करना अनिवार्य किया गया है।●

जदयू का आभार समारोह सह सदस्यता अभियान

● फरीद अहमद

किशनगंज जिला के ठाकुरगंज में स्थित ताराचंद धानुका एकेडमी परिसर में जनता दल (यूनाइटेड) जिला संगठन की ओर से कार्यकर्ता आभार समारोह सह प्रारंभिक सदस्यता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उर्दू एडवायजरी बोर्ड के अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री नौशाद आलम ने की। कार्यक्रम में बिहार सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की मंत्री लेशी सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। वहीं मंच पर खाद आयोग के चेयरमैन प्रलाद सरकार, जदयू जिला उपाध्यक्ष अहमद हुसैन, मंच संचालक मंसूर आलम, मुखिया प्रतिनिधि बीरेंद्र सिंह, मुखिया प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, मुख्य पार्षद सिकन्दर पटेल सहित कई जदयू नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर के जदयू पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ठाकुरगंज के जदयू विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल ने कहा कि ठाकुरगंज में शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज अस्पताल की बस अब अधिकारिक घोषणा बाकी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दिघलबैंक प्रखंड में डिग्री कॉलेज का

भी निर्माण किया जाएगा, जिससे क्षेत्र के युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेशी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल में बिहार ने विकास के कई नए आयाम छुए हैं। युवाओं को बड़ी संख्या में सरकारी नौकरियां मिली हैं और महिलाओं को विशेष रूप से योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि बिहार में महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है और पुलिस विभाग में सबसे अधिक महिला कर्मी बिहार में ही कार्यरत हैं। कार्यक्रम के दौरान जदयू कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में मांग उठाई कि ठाकुरगंज जदयू विधायक गोपाल कुमार अग्रवाल को नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल किया जाए। समारोह के अंत में संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का संकल्प लिया गया। जिसके बाद जदयू कार्यकर्ताओं ने अपने अपने जिम्मेदारी को निभाने में लग गए और जदयू में जोड़ने के लिए लोगों के बीच सदस्यता अभियान चलाने लगे इसी क्रम में जदयू नगर अध्यक्ष हबेबुर रहमान ने पौआखाली के कई वार्डों में जदयू का सदस्यता अभियान चलाया। इस दौरान लोगों ने भी अपनी रूचि दिखाई और जदयू की सदस्यता ग्रहण की।●

राहगीर को बचाने में वाहन डिवाइडर से टकराई

● फरीद अहमद

सावधानी हटी दुर्घटना घटी वाली कहानी देखने को मिली मामला जिला के ठाकुरगंज प्रखंड अंतर्गत पौआखाली थाना क्षेत्र के मिरभिट्टा के समीप एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार राहगीर को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना के बाद कार सवार लोग भाग गये। घटना की सूचना मिलते ही पौआखाली पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहन को क्रेन की मदद से खींचकर थाना ले आई। इस संबंध में पौआखाली थानाध्यक्ष अंकित सिंह ने बताया कि एक व्यक्ति को बचाने के क्रम में वाहन डिवाइडर से टकरा गया, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। इस हादसे में राहगीर को मामूली खरोंच लगी थी जिसे इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया

था। लोगों का कहना है कि कड़ाके की ठंड और कुहासे के समय हाईवे पर सावधानी बरतने की जरूरत है ताकि सड़क दुर्घटना से बचाव हो सके।●

लापरवाही कतई नहीं होगी बर्दाश्त, होगी सख्त कार्रवाई

● रवि रंजन मिश्र

जिला पदाधिकारी श्री तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभागार में सोमवारीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी जिलास्तरीय पदाधिकारियों ने भाग लिया। जिला पदाधिकारी ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए एक-एक कर विभिन्न विभागों की प्राथमिकताओं, योजनाओं की प्रगति की स्थिति की गहन समीक्षा की। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिले में संचालित सभी विकासात्मक एवं कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन तेज गति से किया जाए, ताकि आम जनमानस को समय पर योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि विभागीय दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो तथा आधारभूत संरचनाओं का निर्माण मानक के अनुरूप किया जाए। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी, अनियमितता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

आईसीडीएस की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने डीपीओ को निर्देश दिया कि जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्र नियमित रूप से संचालित हों। टीएचआर (टेक होम राशन) का शत-प्रतिशत वितरण समय पर सुनिश्चित किया जाए। भवनहीन आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए भूमि उपलब्धता को लेकर अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में शौचालय, पेयजल एवं विद्युत कनेक्शन अनिवार्य रूप से उपलब्ध होना चाहिए। इस संबंध में कार्यपालक अभियंता, विद्युत तथा पीएचईडी को प्राथमिकता के आधार पर व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। खान एवं भूतत्व विभाग की समीक्षा के क्रम में जिला पदाधिकारी ने कहा कि बालू घाटों के बाहर अवैध खनन की शिकायतें अत्यंत गंभीर हैं। उन्होंने अवैध खनन पर हर हाल में रोक लगाने, लगातार छापेमारी एवं निरीक्षण करने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही नीलाम पत्र वाद से संबंधित मामलों में नोटिस जारी कर अग्रतर कार्रवाई करने को कहा।

प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि लाभुकों को समय पर किस्तों का भुगतान सुनिश्चित

किया जाए। आवास सहायकों के कार्यों की नियमित समीक्षा एवं मॉनिटरिंग करने तथा सुधार नहीं होने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। मनरेगा भवन निर्माण हेतु चिन्हित भूमि को अविलंब अतिक्रमणमुक्त कराने का भी आदेश दिया गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायतों में संचालित आरटीपीएस काउंटरों का लाभ स्थानीय लोगों को सुगमता से मिलना चाहिए और किसी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। पंचायत स्तर पर दी जा रही सेवाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया। मुख्यमंत्री कन्या विवाह मंडप योजना के तहत पंचायतों से प्रस्ताव प्राप्त कर लक्ष्य के अनुरूप निर्माण कार्य शुरू करने को कहा गया। जिन पंचायतों में पंचायत सरकार भवन हेतु स्थल का चयन नहीं हुआ है, वहां बाढ़ आश्रय स्थल के समीप स्थल निरीक्षण कर अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

राजस्व कार्यों की समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी मामलों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए। जमाबंदी के लंबित आवेदनों का शत-प्रतिशत निष्पादन, ई-मापी में तेजी लाने तथा अमीनों के कार्यों की सतत समीक्षा और मॉनिटरिंग करने को कहा गया। जिला कृषि पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि उर्वरक की बिक्री निर्धारित मूल्य पर ही हो। अधिक मूल्य वसूलने या कम मात्रा देने वाले प्रतिष्ठानों के विरुद्ध सीधे एफआईआर दर्ज कर उनकी अनुज्ञप्ति रद्द की जाए। उर्वरक की कालाबाजारी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिला सहकारिता पदाधिकारी को पैक्स गोदामों एवं मिलों का साप्ताहिक भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने तथा गड़बड़ी पाए जाने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। अधीक्षक, मद्य निषेध को जब्त वाहनों की नीलामी की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने का आदेश दिया गया। डीटीओ को एक सप्ताह के भीतर जब्त वाहनों का मूल्यांकन कर रिपोर्ट समर्पित करने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त, नगर निगम बेतिया तथा कार्यपालक अभियंता, बुडको को निर्देश दिया गया कि स्टॉर्म ड्रेनेज वाटर सिस्टम अंतर्गत निर्माणाधीन नालों का कार्य मानक के अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से कराया जाए। बैठक में आपूर्ति, जीविका, सामाजिक सुरक्षा, मत्स्य, शिक्षा, डीआरसीसी, भू-अर्जन, कल्याण, विधि सहित अन्य विभागों की कार्य प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर समाहर्ता श्री राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच) श्री कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा, नगर आयुक्त श्री लक्ष्मण तिवारी सहित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी एवं कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।●

प्रधान सचिव ने की राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा

● रवि रंजन मिश्र

राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, बिहार सरकार के प्रधान सचिव श्री सी. के. अनिल ने आज समाहरणालय सभागार में जिले के विभिन्न राजस्व कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में म्यूटेशन, परिमार्जन प्लस, ई-मापी, बसेरा-2, महा अभियान, सरकारी भूमि का सत्यापन, एडीएम एवं डीसीएलआर कोर्ट स्टेट्स सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में अपर समाहर्ता, राजस्व, श्री राजीव रंजन सिन्हा ने पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में संचालित विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति से प्रधान सचिव को अवगत कराया। उन्होंने लंबित मामलों, निष्पादन की स्थिति एवं आगे की कार्ययोजना की जानकारी दी। प्रधान सचिव श्री सी. के. अनिल ने बैठक में उपस्थित सभी राजस्व पदाधिकारियों को राजस्व नियमों एवं प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी आपसी तालमेल एवं समन्वय बनाकर निर्धारित समय-सीमा के भीतर राजस्व कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि 31 दिसंबर तक सभी लंबित राजस्व मामलों का हर हाल में निष्पादन किया जाए, इसके लिए सभी पदाधिकारियों को कड़ी मेहनत करनी होगी।

प्रधान सचिव ने कहा कि बेहतर कार्य करने वाले पदाधिकारियों की रिपोर्ट साझा की जाए, ताकि अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उससे प्रेरणा लेकर अपने कार्यों में और अधिक सुधार कर सकें। उन्होंने राजस्व से संबंधित सभी कार्यों को पूर्णतः नियमानुसार एवं पारदर्शिता के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया। श्री सी. के. अनिल ने कहा कि उन्हें पूर्ण विश्वास है कि पश्चिम चम्पारण जिले के सभी राजस्व पदाधिकारी एवं कर्मी समयबद्ध तरीके से लंबित मामलों का निष्पादन कर मिरेकल परफॉर्मेंस दिखाएंगे। उन्होंने विभागीय एवं जिला पदाधिकारी द्वारा जारी निर्देशों का समय पर अनुपालन सुनिश्चित करने पर जोर दिया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी श्री तरनजोत सिंह ने प्रधान सचिव को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए सभी निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी राजस्व पदाधिकारी एवं कर्मी पूरी निष्ठा एवं मेहनत के साथ कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्य को हर हाल में पूरा करेंगे।

जिला पदाधिकारी ने राजस्व पदाधिकारियों से कहा कि वे आपसी समन्वय बनाकर 31 दिसंबर तक सभी पेंडेंसी समाप्त करें। उन्होंने निर्देश दिया कि राजस्व मामलों का निष्पादन नियमों के अनुरूप किया जाए तथा कार्यालय आने वाले आम नागरिकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करते हुए उन्हें सही तरीके से जानकारी दी जाए, ताकि वे संतुष्ट होकर लौटें। बैठक में अपर समाहर्ता, राजस्व, श्री राजीव रंजन सिन्हा, व्यवस्थापक, बेतिया, राज-सह-अपर समाहर्ता, जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी श्री अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी श्री अमरेन्द्र कुमार, सभी डीसीएलआर, सीओ सहित अन्य राजस्व पदाधिकारी उपस्थित थे।●

पं.चं. के बेस्ट सुपरवाइजरी ऑफिसर और एसएचओ

● रवि रंजन मिश्र

पुलिस अधीक्षक महोदय पश्चिम चंपारण, बेतिया के द्वारा बेतिया जिला अंतर्गत लंबित कांडों की समीक्षा के क्रम में यह पाया गया कि माह अक्टूबर 2025 तथा माह नवंबर 2025 में प्रतिवेदित कांडों की तुलना में निष्पादित किए गए कांडों की संख्या के आधार पर बेतिया जिला अंतर्गत उत्कृष्ट अंचल निरीक्षक/पर्यवेक्षी पदाधिकारी (Best Supervisory Officer) के रूप में पुलिस निरीक्षक संतोष कुमार शर्मा, पर्यवेक्षी पदाधिकारी शिकारपुर अंचल, जिन्होंने 118 प्रतिवेदित कांडों की तुलना में 145 कांडों को निष्पादित कराया है तथा उत्कृष्ट थानाध्यक्ष (Best SHO) के रूप में पुलिस निरीक्षक रमेश कुमार शर्मा, थानाध्यक्ष, लौरिया थाना, जिन्होंने 59 प्रतिवेदित कांडों की तुलना में 80 कांडों को निष्पादित करवाया है, को चिन्हित किया गया है। 'बेतिया पुलिस अपराध नियंत्रण में अपने सर्वोत्कृष्ट स्तर के लिए प्रतिबद्ध है।●

डीआईजी के नाम से फर्जी आईडी बनाकर की गई ठगी

● रवि रंजन मिश्र

बेतिया पुलिस को साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। चंपारण रेंज के डीआईजी हरिकिशोर राय के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर लोगों के साथ ठगी करने वाले एक शातिर ठग को बेतिया पुलिस ने राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से वह मोबाइल और सिम भी जब्त कर लिया है, जिसका इस्तेमाल उसने इस अपराध को अंजाम देने के लिए किया था। यह मामला तब सामने आया जब चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरीकिशोर राय के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर आम लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा था। इस गंभीर घटना को लेकर बेतिया साइबर थाना में कांड संख्या 52/25 के तहत मामला दर्ज किया गया था। साइबर थाना ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की और आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। इस गिरफ्तारी की जानकारी देते हुए साइबर एसएचओ गौतम शरण ओमी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। उन्होंने बताया कि डीआईजी के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाने वाला यह शातिर ठग राजस्थान के अलवर जिले का रहने वाला है। बेतिया पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को उसके घर, अलवर से धर दबोचा। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और अंतरराज्यीय समन्वय के चलते यह गिरफ्तारी संभव हो पाई।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान तस्लीम खान के रूप में हुई है, जो रफीक मुहम्मद का पुत्र है और राजस्थान के अलवर जिले के कोटा खुर्द का निवासी है। एसएचओ गौतम शरण ओमी ने यह भी खुलासा किया कि डीआईजी के नाम से पूर्व में भी एक और फर्जी फेसबुक आईडी बनाई गई थी और जांच में पाया गया कि इन दोनों फर्जी आईडी को बनाने में तस्लीम खान की ही संलिप्तता थी। यह दर्शाता है कि आरोपी एक पेशेवर ठग है। पुलिस ने आरोपी तस्लीम खान के पास से आपत्तिजनक सामान भी बरामद किया है। गिरफ्तार युवक के पास से एक मोबाइल फोन और एक सिम कार्ड जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल उसने डीआईजी के नाम से फर्जी फेसबुक आईडी बनाने और ठगी करने के लिए किया था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि तस्लीम खान ने इन फर्जी आईडी का उपयोग करके कितने लोगों को ठगा है और क्या इस काम में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल है।●

एटीएम चोरी पर कड़ा एक्शन, वेतन पर रोक

बेतिया में दो एटीएम से करीब 24 लाख रुपये की चोरी के मामले में चंपारण रेंज के डीआईजी हरकिशोर राय ने सख्त रुख अपनाया है। बड़ी लापरवाही सामने आने के बाद डीआईजी ने नौतन थाना और नगर थाना की गश्ती दल के सभी पुलिसकर्मियों के वेतन पर तत्काल रोक लगा दी है। वहीं, घटना की सूचना के बाद समय पर कार्रवाई नहीं करने को लेकर बेतिया के प्रभारी एसपी से भी जवाब मांगा गया है। बता दे कि आलोक भारती चौक और नौतन में महज दो घंटे के भीतर अपराधियों ने गैस कटर की मदद से दो एटीएम काटकर करीब 24 लाख रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। इस सनसनीखेज घटना के बाद पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए थे। मामले के उद्भेदन के लिए डीआईजी हरकिशोर राय के निर्देश पर आठ विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो यूपी, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल तक लगातार छापेमारी कर रही हैं। इसी कड़ी में बेतिया पुलिस पश्चिम बंगाल के खड़गपुर पहुंची, जहां स्थानीय पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए कुछ चोरों से पूछताछ की जा रही है। डीआईजी हरकिशोर राय ने बताया कि सदर एसडीपीओ विवेक दीप के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर कांड के उद्भेदन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने साफ कहा कि गश्ती में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई जारी है।● **रिपोर्ट :- रवि रंजन मिश्र**

जीएमसीएच में जीविका दीदियों के साथ मारपीट

● रवि रंजन मिश्र

पश्चिम चंपारण के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल जीएमसीएच एक बार फिर विवाद और हिंसा का केंद्र बन गया है। इस बार अस्पताल परिसर में जीविका दीदियों के साथ मारपीट की गंभीर घटना सामने आई है, जिसने न सिर्फ अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था बल्कि प्रशासनिक नियंत्रण पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। आरोप है कि जीएमसीएच में कार्यरत जूनियर डॉक्टरों ने जीविका दीदी की रसोई में काम करने वाली महिलाओं के साथ बदसलूकी की, जो देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गई। मामूली भोजन ऑर्डर को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि करीब आधा दर्जन जीविका दीदियों को घायल अवस्था में अस्पताल में ही भर्ती कराना पड़ा। उनके गहने और मंगलसूत्र टूटने की भी बात सामने आई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक जूनियर डॉक्टर द्वारा फोन कर अन्य डॉक्टरों को बुलाने के बाद स्थिति और बिगड़ गई। आरोप है कि बड़ी संख्या में पहुंचे जूनियर डॉक्टरों ने रसोई पर हमला कर दिया और जीविका दीदियों के साथ मारपीट व गाली-गलौज की। इस घटना के विरोध में जीविका दीदियों ने रसोई बंद कर दी है, जिससे अस्पताल की व्यवस्था भी प्रभावित होने की आशंका है। इस मामले में पश्चिम चंपारण के डीएम तरनजोत सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है जांच के लिए टीम बना दिया गया है और जांच के बाद जो भी दोषी होंगे उसे पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। सवाल यह है कि जिले के सबसे बड़े अस्पताल में लगातार हो रही ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी आखिर किसकी है, अस्पताल प्रशासन की, सुरक्षा व्यवस्था की या फिर स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता की? जीएमसीएच में बढ़ती अराजकता अब गंभीर चिंता का विषय बनती जा रही है।●

पुलिस अधीक्षक ने किया जनता दरबार

पुलिस मुख्यालय, बिहार, पटना के निर्देश पर 25 दिसंबर 2025 को पश्चिम चंपारण जिले के बेतिया बैरिया थाना परिसर में जनता दरबार सह भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन ने की। जनता दरबार के दौरान आम नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं व शिकायतें पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखीं। मामलों को गंभीरता से सुनने के बाद एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित और निष्पक्ष समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करना, महिलाओं एवं किशोरियों से जुड़ी समस्याओं का शीघ्र निष्पादन करना, आम लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना और भयमुक्त माहौल सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता दरबार सह भ्रमण कार्यक्रम आगे भी लगातार जारी रहेगा, ताकि पुलिसिंग की गुणवत्ता में सुधार के साथ आमजन को त्वरित न्याय मिल सके।

● रिपोर्ट :- रवि रंजन मिश्र

स्थायी लोक अदालत से न्याय की सुविधा

विधिक सेवा प्राधिकार अधिनियम, 1987 के प्रावधानों के तहत बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा राज्य के तैंतीस जिला विधिक सेवा प्राधिकारों के अंतर्गत स्थायी लोक अदालतों का गठन एवं संचालन किया गया है। जिसमें पश्चिम चम्पारण जिला भी शामिल है। इसमें अररिया, मधेपुरा, किशनगंज एवं जमुई जिलों को छोड़कर शेष सभी जिलों में स्थायी लोक अदालत कार्यरत हैं। स्थायी लोक अदालत में जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाता है। इसके अंतर्गत परिवहन, वाहन चालान, डाक सेवाएं, बिजली, पानी, बैंकिंग, अस्पताल, बीमा (इंश्योरेंस) सहित अन्य सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवादों को लिया जाता है। इन मामलों को नियमित अदालत में ले जाने से पूर्व स्थायी लोक अदालत के माध्यम से सुलह और समझौते के जरिए निपटाने का प्रयास किया जाता है। यदि दोनों पक्ष आपसी समझौते पर नहीं पहुंच पाते हैं, तो ऐसी स्थिति में बशर्ते विवाद किसी संगीन अपराध से संबंधित न हो, स्थायी लोक अदालत को उस विवाद का निर्णय करने का विधिक अधिकार प्राप्त है। इससे आम नागरिकों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से राहत मिलती है और समय व खर्च दोनों की बचत होती है। पश्चिमी चंपारण जिला में स्थायी लोक अदालत एडीआर बिल्डिंग (ग्राउंड फ्लोर कोर्ट रूम एवं फर्स्ट फ्लोर), सिविल कोर्ट परिसर, बेतिया में कार्यरत है। यहां जनोपयोगी सेवाओं से जुड़े मामलों के समाधान के लिए आम नागरिक आवेदन कर सकते हैं और त्वरित न्याय का लाभ उठा सकते हैं।● रिपोर्ट :- रवि रंजन मिश्र

लाइसेंस निर्गत प्रक्रिया में भ्रष्टाचार व मनमानी की शिकायत

● गुड्डू कुमार सिंह

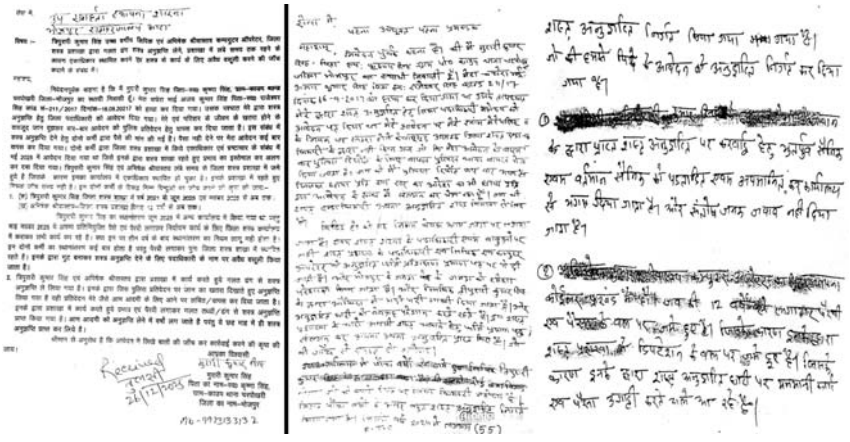

भोजपुर जिला समाहरणालय स्थित शस्त्र शाखा एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में आ गई है। शस्त्र अनुज्ञप्ति (आर्म्स लाइसेंस) निर्गत करने की प्रक्रिया में भारी अनियमितता, कथित अवैध वसूली, नियमों की अनदेखी और लंबे समय से जमे कर्मियों की मिलीभगत को लेकर जिला प्रशासन एवं उच्च अधिकारियों को लिखित शिकायत सौंपी गई है। शिकायत में शस्त्र शाखा में पदस्थ सहायक, लिपिक एवं कंप्यूटर ऑपरेटर की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ता भोजपुर जिले के गडहनी प्रखण्ड अन्तर्गत काउप गांव निवासी स्व कृष्णा सिंह के पुत्र मुरारी कुमार सिंह के अनुसार, वर्ष 2017 में उनके चचेरे भाई की हत्या कर दी गई थी, जिसके बाद परिवार को लगातार जान-माल का खतरा बना हुआ है। इसी आधार पर उन्होंने विधिवत प्रक्रिया का पालन करते हुए शस्त्र अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन किया। आवेदन के साथ पुलिस प्रतिवेदन, आवश्यक प्रमाण पत्र और सभी दस्तावेज संलग्न किए गए थे। इसके बावजूद शस्त्र शाखा द्वारा उनका आवेदन बार-बार बिना ठोस कारण बताए लंबित रखा गया या वापस कर दिया गया। आरोप लगाया गया है कि शस्त्र शाखा में कार्यरत त्रिपुरारि कुमार सिंह उच्च वर्गीय लिपिक एवं अभिषेक श्रीवास्तव कम्प्युटर ऑपरेटर जिला शस्त्र प्रशाखा द्वारा लाइसेंस आगे बढ़ाने के एवज में अवैध रूप से पैसों की मांग की गई। राशि देने से इनकार करने पर आवेदन को जानबूझकर रोका गया, जबकि प्रभावशाली व्यक्तियों और तथाकथित 'सुविधा शुल्क' देने वालों के मामलों में नियमों को दरकिनार कर कुछ ही महीनों में शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत कर दी जाती है। शिकायतकर्ता का कहना है कि आम आदमी को वर्षों तक शस्त्र शाखा और समाहरणालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। दस्तावेजों में यह भी उल्लेख है कि शस्त्र शाखा में कई कर्मी वर्षों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं, जबकि स्थानांतरण नीति के अनुसार तीन से पाँच वर्षों के बाद तबादला अनिवार्य होता है। लंबे समय से एक ही शाखा में पदस्थ रहने के कारण कथित रूप से एक 'गुट' बन गया है, जो पूरे लाइसेंस प्रक्रिया को प्रभावित कर रहा है। आरोप है कि यह गुट जिलाधिकारी के नाम पर अवैध वसूली करता है और आम लोगों को डराकर या भ्रमित कर उनका आवेदन निरस्त करवा देता है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि एक ही तरह के पुलिस प्रतिवेदन को अलग-अलग आवेदकों के लिए अलग-अलग तरीके से देखा जाता है। जहां एक आम नागरिक के मामले में पुलिस रिपोर्ट को आधार बनाकर आवेदन लंबित कर दिया जाता है, वहीं अन्य मामलों में उसी प्रकार की रिपोर्ट को अनुकूल मानते हुए लाइसेंस जारी कर दिया जाता है। इससे शस्त्र अनुज्ञप्ति प्रणाली की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि चुनावी कार्यों का हवाला देकर कुछ कर्मी अपने स्थानांतरण को टालते रहे और बाद में पुनः शस्त्र शाखा में ही पदस्थापित हो गए। इससे यह संदेह और गहरा होता है कि प्रशासनिक संरक्षण में नियमों की अनदेखी की जा रही है। शिकायत पत्र में जिला पदाधिकारी भोजपुर, प्रमंडलीय आयुक्त और राज्य स्तर के वरीय अधिकारियों से मांग की गई है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही शस्त्र शाखा में वर्षों से जमे कर्मियों का स्थानांतरण किया जाए, अवैध वसूली के आरोपों की जांच हो तथा दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कार्रवाई की जाए। फिलहाल इस मामले पर जिला शस्त्र शाखा या प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। लेकिन यदि लगाए गए आरोपों की पुष्टि होती है, तो यह मामला न सिर्फ शस्त्र लाइसेंस प्रक्रिया बल्कि पूरे जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा करेगा। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर शिकायत पर क्या रुख अपनाता है और कब तक सच्चाई सामने आती है।●

अभी कलम उठाइये

आपके सामने हो रहे भ्रष्टाचार एवं अपराध की खबर की समीक्षा करें और सरकार सहित पुलिस-प्रशासन तक उसको पहुंचाने के लिए केवल सच पत्रिका के साथ जुड़े। खबर की जानकारी इस नम्बर पर दें

सम्पर्क करें:- 9431073769/8340360961

ई-मेल:- editor.kstimes@rediffmail.com पर भेजें।

शराब की बड़ी खेप बरामद, चालक गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

उत्पाद विभाग जगदीशपुर की टीम ने शुक्रवार को ट्रक पर लदी अंग्रेजी शराब की एक बड़ी खेप जब्त की है. टीम को शराब के तस्करों के खिलाफ यह सफलता बक्सर-आरा फोरलेन पर बिहिया थाना क्षेत्र के बिहिया चौरास्ता से मिली. बरामद शराब की कीमत लगभग एक करोड़ बतायी जा रही है. जानकारी के अनुसार उत्पाद विभाग को यह सूचना मिली थी कि पंजाब से 12 चक्का वाले एक ट्रक पर शराब लोड कर बिहार के मुजफ्फरपुर ले जाया जा रहा है. मामले की सूचना मिलने के बाद उत्पाद विभाग के इंस्पेक्टर अनिल कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया जिसमें एएसआई धीरज कुमार सिंह व मदन लाल यादव के अलावा जवान शामिल रहे. टीम ने बिहिया चौरास्ता के समीप फोरलेन पर घेराबंदी की और बक्सर से आरा की तरफ जा रहे पंजाब नंबर के ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली. ट्रक पर उपर में आलू लदा हुआ था परंतु आलू हटाने पर अंदर में शराब की भारी मात्रा बरामद हुई. ट्रक पर लदे कुल 927 कार्टूनों में भरे 8244 लीटर अंग्रेजी शराब पायी गयी जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया. पुलिस ने मौके से ट्रक के चालक राजस्थान के बाड़मेर जिला के चोहटन थाना अंतर्गत सवलोर गांव निवासी बाबुलाल के पुत्र विजय कुमार को गिरफ्तार कर लिया. जब्त किये गये शराब 24 हजार 2 सौ 88 बोतल हैं जिनमें अलग-अलग ब्रांड के शराब भरे हैं. उत्पाद विभाग के अनुसार पंजाब निर्मित शराब

में 750 एमएल की मात्रा वाले इंपीरियल ब्लू ब्रांड के 1200 बोतल, मैकडॉल ब्रांड के 375एमएल मात्रा वाले 4200 बोतल, रॉयल स्टेज के 180एमएल मात्रा वाले 4752 बोतल, मैकडॉल के 180एमएल मात्रा वाले 8400 बोतल, रॉयल स्टेज के 375 एमएल मात्रा वाले 2400 बोतल एवं रॉयल स्टेज के हीं 750 एमएल मात्रा वाले 3336 बोतल शराब जब्त किये गये है. उत्पाद विभाग की टीम शराब लदे ट्रक और चालक को अपने साथ जगदीशपुर ले गयी जहां ट्रक चालक से पूछताछ कर प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

☞ **सिकरहटा थाना क्षेत्र से हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार** :- भोजपुर पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। सिकरहटा थाना क्षेत्र में पुलिस ने छापेमारी कर हेरोइन के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मिस्टर राज ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के पास से 17.23 ग्राम हेरोइन, 7,250 रुपये नकद तथा 03 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सिकरहटा थाना क्षेत्र के चंदा पुरवारी पट्टी गांव निवासी अजय सिंह के पुत्र पवन कुमार उर्फ बबुआ के रूप में की गई है। भोजपुर पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में अभियुक्त को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से प्रतिबंधित मादक पदार्थ हेरोइन सहित नकदी और मोबाइल फोन बरामद हुए, जिससे नशे के अवैध कारोबार में संलिप्तता की पुष्टि होती है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि अभियुक्त का नेटवर्क किन-किन लोगों से जुड़ा है और इसके पीछे कौन-कौन शामिल हैं।भोजपुर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशा कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और जिले को नशामुक्त बनाने के लिए किसी भी स्तर पर सख्ती बरती जाएगी।●

श्राद्धकर्म पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

● गुड्डू कुमार सिंह

भोजपुर जिले के गड़हनी प्रखंड अंतर्गत बराप गांव मे केवल सच न्यूज के शाहाबाद प्रभारी गुड्डु कुमार सिंह के पिता स्वर्गीय राजेन्द्र सिंह के श्राद्धकर्म के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर दिवंगत आत्मा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय राजेन्द्र सिंह के सरल, सौम्य और मिलनसार व्यक्तित्व को याद करते हुए कहा कि उनके निधन से गांव और क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। सभी ने उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। श्रद्धांजलि देने वालों मे पुत्र गुड्डू कुमार सिंह, सुनील सिंह, उपेन्द्र सिंह, कृष्णा सिंह, अनंत सिंह, सोनू सिंह, भुनेश्वर सिंह, अरविंद सिंह, पीकू सिंह, नमन सिंह, अनिरुद्ध सिंह, सतीश सिंह, सूरज सिंह, धीरज सिंह, संजय सिंह, ओमप्रकाश सिंह, शिवम् सिंह, रवि सिंह, राजेश सिंह, सहित समस्त सिंह परिवार तथा केवल सच न्यूज संपादक सह संस्थापक ब्रजेश मिश्रा, केवल सच न्यूज महाप्रबंधक त्रिलोकी नाथ प्रसाद, पत्रकार अमरेन्द्र कुमार मिश्र शामिल रहे।●

गड़हनी मुख्य बाजार में शौचालय का न होना
स्वच्छता अभियान एवं बुनियादी सुविधाओं की घोर अनदेखी का प्रतीक

● गुड्डू कुमार सिंह

नगर पंचायत गड़हनी के मुख्य बाजार क्षेत्र में आज तक एक भी सार्वजनिक शौचालय का निर्माण नहीं किया गया है। नगर पंचायत बने हुए तीन वर्ष से अधिक बीत चुके हैं, लेकिन बाजार में मूलभूत सुविधाओं का अभाव प्रशासन की लापरवाही को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। प्रतिदिन लगभग दर्जनो गांवों से आए सैकड़ों लोग यहां व्यापार, खरीदारी और अपने दैनिक कार्यों के लिए पहुंचते हैं, परंतु शौचालय जैसी जरूरी सुविधा न होने के चलते वे असहज स्थिति का सामना करते हैं। यह स्थिति न केवल स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों के विपरीत है, बल्कि महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और विकलांगों के लिए विशेष रूप से गंभीर समस्या पैदा करती है। बाजार में आने वाली महिलाएं मजबूरी में समय से पहले ही वापस लौट जाती हैं। दुकानदार भी इस असुविधा से जूझ रहे हैं, जिससे बाजार की गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मुख्य बाजार के व्यापारियों और आम नागरिकों ने इस समस्या पर गहरी चिंता जताई है :-

☞ जो वर्षों से बाजार में दुकान चलाते हैं, कहते हैं प्रतिदिन सैकड़ों लोग यहां आते हैं, लेकिन शौचालय न होने के कारण उन्हें बेहद परेशानी होती है। नगर पंचायत बनने के बाद उम्मीद थी कि हालात बदलेंगे, पर आज भी स्थिति वैसी ही है।

राहुल कुमार सिंह समाजसेवी गडहनी

☞ हम जैसे ग्रामीणों के लिए बाजार जरूरी जगह है, लेकिन ऐसी स्थिति में यहां आना भी मुश्किल हो जाता है। प्रशासन अगर शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा नहीं दे सकता, तो विकास के दावों का क्या मतलब?

मुनमुन सिंह ग्रामीण पथार

☞ स्वच्छता अभियान केवल पोस्टर और विज्ञापन से सफल नहीं होगा। जब तक जमीन पर सुविधाएं नहीं विकसित होंगी, स्वच्छ नगर व शहर का सपना अधूरा ही रहेगा।

सतेन्द्र सिंह समाजसेवी बराप

☞ तीन साल हो गए नगर पंचायत बने, लेकिन अभी तक एक ढंग का शौचालय तक नहीं बना। यह जनता के साथ धोखा है। बाजार की प्रतिष्ठा और व्यवस्था दोनों प्रभावित हो रही हैं।

मिश्र पहरपुर गडहनी

☞ हम गरीब लोग बाजार में काम करते हैं, लेकिन मजबूरी में खुले में जाना पड़ता है। यह शर्मनाक और असुविधाजनक है। प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

विनय कुमार सिंह
(आरती स्टूडियो संचालक)

☞ हम जैसे ग्रामीणों के लिए बाजार जरूरी जगह है, लेकिन ऐसी स्थिति में यहां आना भी मुश्किल हो जाता है। प्रशासन अगर शौचालय जैसी बुनियादी सुविधा नहीं दे सकता, तो विकास के दावों का क्या मतलब?

प्रमोद गुप्ता गडहनी

❖ **नगरवासियों व ग्रामीण जनता ने की नगर प्रशासन से मांग :-** हम सभी नगर पंचायत गड़हनी प्रशासन से मांग करते हैं कि गडहनी बाजार पर तत्काल सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कराया जाए।नगर पंचायत क्षेत्र में स्वच्छता अभियान से जुड़े सभी लंबित कार्यों की समीक्षा कर शीघ्र पूरा किया जाए। बाजार के विकास और जनसुविधाओं को प्राथमिकता सूची में रखा जाए। नागरिकों की सुरक्षा, स्वच्छता और सम्मान को ध्यान में रखते हुए नियमित सफाई व्यवस्था एवं जनसुविधाओं का विस्तार किया जाए। गड़हनी के नागरिक स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण के हकदार हैं। नगर पंचायत का गठन विकास के उद्देश्य से किया गया था, और अब समय आ गया है कि प्रशासन अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाए। हम आशा करते हैं कि इस गंभीर समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा और जनता को राहत मिलेगी।●

एटीएम कार्ड बदलकर ठगी करने वाला शातिर अपराधी गिरफ्तार

● गुड्डू कुमार सिंह

रोहतास जिले के डेहरी नगर थाने की पुलिस ने बैंक के एटीएम में प्रवेश कर सहायता के नाम कार्ड को बदल कर ठगी करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने गिरफ्तार अपराधी के घर छापेमारी कर ठगी के पैसे से खरीदे गए आभूषण व विभिन्न बैंकों के 33 एटीएम कार्ड, घटना को अंजाम देने के समय पहने गए कपड़े को बरामद किया। गिरफ्तार रूपेश कुमार उर्फ संजय कुमार ने अब तक 40 लाख रुपये की ठगी की है। नगर थाना में शुक्रवार को जानकारी देते हुए एएसपी सह एसडीपीओ अतुलेश झा ने बताया गत 3 सितंबर को नगर थाना क्षेत्र के सिनेमा रोड स्थित स्टेट बैंक के नीचे एटीएम से 3000 रुपये निकालने इंद्रपुरी थाना क्षेत्र की कटार गांव निवासी प्रभावती कुमारी पहुंची। तभी एक अनजान व्यक्ति उसे राशि निकालने में सहयोग का भरोसा देने पंहुचा और चालाकी से एटीएम कार्ड बदल फरार हो गया। थोड़ी देर बाद उसके खाते से 95 हजार 95 रुपये निकासी का मैसेज आया। इस संबंध में डेहरी नगर थाना में प्राथमिकी की गई। उन्होने बताया कि इस मामले के उद्भेदन के लिए एक टीम का गठन किया गया। जिसमें एसआई विश्वजीत कुमार व अंजनी कुमारी, संतोष कुमार अरुण, सिपाही मुकेश कुमार व गौतम कुमार को शामिल किया गया। जिले व यहां घटित ठगी की घटनाओं की एटीएम में लगे सीसीटीवी के फोटो की जांच की गई। जांच में इसकी पहचान हुई। जिसके बाद के नासरीगंज के वार्ड आठ निवासी 28 वर्षीय अंतरराज्यीय ठग रुपेश कुमार उर्फ संजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि इसके पास से विभिन्न बैंकों के 33 एटीएम कार्ड, एक फर्जी आधार कार्ड, सोने की एक तीन अंगूठी, एक बाली व अपराध के समय पहने गए शर्ट, पेंट व टोपी बरामद की गई। एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार ठग पर डेहरी, डालमियानगर, अकोढ़ी गोला, सासाराम नगर थाना, औरंगाबाद जिले के दाउदनगर व दिल्ली के कमला नगर मार्केट थाने में एक दर्जन से प्राथमिक की गई है। दिल्ली कमला नगर मार्केट थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर एक बार जेल भी गया है।●

रोजगार सह मार्गदर्शन मेला का आयोजन

● बिन्ध्याचल सिंह

जीविका प्रखंड बक्सर सदर द्वारा किला मैदान में रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेला का आयोजन जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव की वाहक बन रही जीविका अब रोजगार मेले का आयोजन कर युवाओं के लिए भी रोजगार का अवसर उपलब्ध करा कर उनका भविष्य उज्जवल बना रही है। जीविका द्वारा दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना अंतर्गत बक्सर सदर प्रखंड के किला मैदान परिसर में रोजगार-सह-मार्गदर्शन मेले का आयोजन किया गया।

रोजगार मेले की मुख्य अतिथि श्रीमति निहारिका छवि, भा0प्र0से0 उप विकास आयुक्त सह-प्रभारी जिला पदाधिकारी महोदया, बक्सर एवं श्री दयानिधि चौबे, जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, बक्सर तथा जीविका दीदियों ने शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया। इसमें 15 विभिन्न कंपनियों के स्टाल लगाये गए। इसमें 909

युवाओं ने अपना पंजीकरण कराया, जिसमें से 220 युवाओं को रोजगार के लिए सीधे प्राथमिक रूप से चयन किया गया। 285 युवाओं ने रोजगार के लिए अपना ऑनलाइन पंजीकरण कराया, वहीं स्वरोजगार एवं दीनदयाल उपाध्याय योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए 210 युवाओं ने अपना नामांकन कराया। उप विकास आयुक्त सह प्रभारी जिलाधिकारी महोदया ने कहा कि जीविका की वजह से महिलाओं में जागृति आई है । इससे सरकार की योजनाओं का लाभ उन तक पहुँच रही है। युवाओं को रोजगार देने के लिए जीविका का प्रयास सराहनीय है। युवाओं को इस प्रकार के अवसरों का लाभ लेना चाहिए और साथ ही डीडीयू-जीकेवाई के तहत नि:शुल्क प्रशिक्षण एवं रोजगार लेकर नौकरी का लाभ लें। उप विकास आयुक्त महोदया ने रोजगार मेले में सबको एक कविता भी सुनाया और सभी को धन्यवाद दिया। श्री दयानिधि चौबे, जिला परियोजना प्रबंधक, जीविका, बक्सर ने बताया कि जीविका से जुड़े परिवारों की घर की आय बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास किये जा रहें हैं। इसमें से एक प्रमुख कार्य जीविका दीदियों के बेरोजगार बच्चों को रोजगार प्रदान करने के लिए कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान किये जा रहें हैं। कार्यक्रम में श्री भोलेनाथ पांडेय, रोजगार प्रबंधक, जीविका ने बताया कि 15 विभिन्न स्टाल लगाये गए और 220 युवाओं का चयन विभिन्न कंपनियों द्वारा किया गया और मौके पर ही उपविकास आयुक्त सह प्रभारी जिलाधिकारी महोदया द्वारा उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र भी दिया गया।

जीविका रोजगार मेले में कुल 15 कंपनियों ने हिस्सा लिया है। इनमे टाटा मोटर्स ऑटोमोबाइल, 2 कॉम्स कन्सल्टेंसी, आमधाने प्राइवेट लिमिटेड, इकॉम एक्सप्रेस (ब्लिंकिट), टीम रॉयल, लारसों एंड टर्बो (एल एंड टी), उत्कर्ष स्मॉल माइक्रोफाइनेंस बैंक, यूथ 4 जॉब फाउंडेशन, जोमैटो, विजन इंडिया, ऐसेक्ट, एसआईएस सिक्योरिटी प्राइवेट, नवभारत फर्टिलाइजर, शिवशक्ति, यौंग ब्रांड अपेरल प्राइवेट कंपनी ने अपने स्टाल लगाये। वहीं रोजगार मेले में नियोक्ता कंपनियों के द्वारा अभ्यर्थियों को पद के अनुरूप वेतन के अतिरिक्त कम्पनी के शर्तो के अनुसार अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस कार्यक्रम में डीपीआरओ अमित कुमार, डायरेक्टर क्त्व। अरविंद सिंह, डायरेक्टर एनईपी प्रशांत कुमार, जीविका जिला कार्यालय से सभी विषयगत प्रबंधक, प्रखंड कार्यालय जीविका कर्मी, जीविका कैडर तथा जीविका दीदिया एवं युवागण मौजूद थे।●

अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात सहित देश के अन्य राज्यों के लिए लाइफ लाईन है : विनोद वर्मा

● बिन्ध्याचल सिंह

अरावली पर्वतमाला दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है इसकी महता के साथ छेड़छाड़ गंभीर संकट की ओर संकेत दे रहा है उक्त बातें सामाजिक कार्यकर्ता सह अधिवक्ता विनोद वर्मा ने कहा कि अरावली पर्वतमाला देश के लिए लाइफ लाईन है भारत सरकार इसे नजर अंदाज कैसे कर सकती है देश को इतिहास भुगोल को अच्छी ढंग से जाने बीना आनन फानन में जो कदम सरकार उठाई है उससे देश की जनता को दुर्गामी परिणाम सारा देश पर पड़ेगा। श्री वर्मा ने कहा कि आज जिस तरह से देश की अमुल्य भू संपदा का दोहन हो रहा है किसी विकासशील देश के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने बताया कि अरावली पर्वत करीब 800 किलोमीटर लंबी है जो दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, और गुजरात तक पर्वत श्रृंखला है जो हिमालय से तकरीबन 200 करोड़ वर्ष पुरानी अरावली पर्वतमाला में तांबा, जिंक, ग्रेनाइट, लेड और कॉपर जैसे खनिजों से समृद्ध है जिस पर खनन के लिए बड़े बड़े कार्पोरेट की नजर है पर्वत का बड़ा भूभाग राजस्थान में है वैसे पहले से ही कुछ भागो में खनन का कार्य चलता था जिसे सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरण के मद्देनजर रोक लगा दी थी।

अरावली पर्वतमालख को लेकर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण है उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि 100 मीटर ऊंचाई वाला ही पर्वत कहलाएगा और इससे कम होने पर उसे पर्वत नही माना जाएगा, इस फैसले के बाद कॉरपोरेट जगत में खनन हेतू खुशियों का ठिकाना नहीं रहा , जबकि आम आवाम लोगों के बीच दहशत फैल गया, जिससे लोग विरोध प्रदर्शन करने लगे हैं, ग्रामीणों ने कहना है कि अरावली के जंगल और पहाड़ी क्षेत्र स्थानीय जल स्रोतों की सुरक्षा

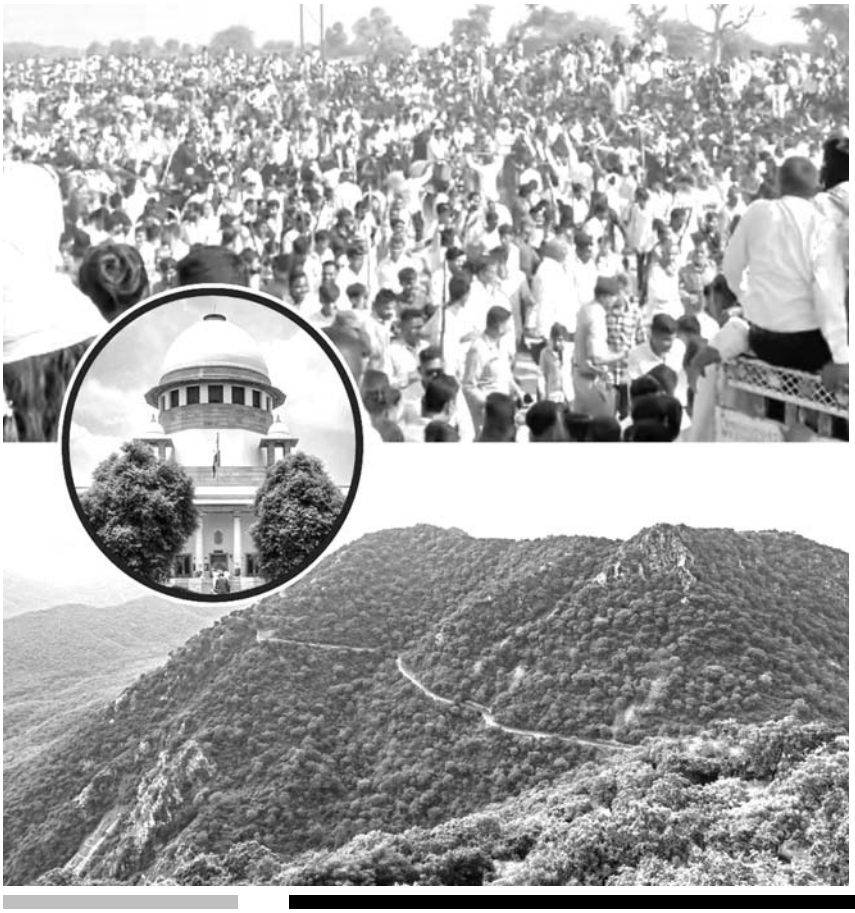

और मिट्टी के संरक्षण के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं. उन्होंने अवैध खनन रोकने और क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। श्री वर्मा ने कहा कि जिस तरह से अरावली को लेकर सारा देश ने अपनी चिंता जाहीर की है और अरावली बचाने के आंदोलन से जुड़े लोग कह रहे हैं, 'अरावली को सिर्फ ऊँचाई से नहीं बल्कि उसके पर्यावरणीय, भूगर्भीय और जलवायु संबंधी महत्व से परिभाषित किया जाना चाहिए.' उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहाड़ों और पहाड़ी प्रणालियों की पहचान उस काम से होती, जो उनके होने से संभव होते हैं न कि ऊँचाई के किसी मनमाने पैमाने से वही श्री वर्मा ने कहा कि जमीन का कोई भी हिस्सा जो भूगर्भीय रूप से अरावली का हिस्सा है और पर्यावरण संरक्षण या रेगिस्तान बनने से रोकने भू जल को बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है, उसे अरावली माना जाना चाहिए, चाहे उसकी ऊँचाई कितनी भी हो।

श्री वर्मा ने बताया कि सरकार अरावली क्षेत्रों को वैज्ञानिक मानकों से परिभाषित करे, जिसमें उसका भूगोल, पर्यावरण, वन्यजीव संपर्क और जलवायु संघर्ष क्षमता शामिल हो. अदालत की नई परिभाषा से खनन, निर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे पारिस्थितिकीय तंत्र को नुकसान होने का खतरा बढ़ जाएगा। श्री वर्मा ने कहा कि दिल्ली एनसीआर सहित अन्य राज्यों में भीषण जल संकट पैदा हो जाएगा साथ ही जलवायु पर सिधा प्रभाव पड़ेगा और जिससे तापमान में वृद्धि होगी फलस्वरुप मानसून पैटर्न बिगड़ सकता है जिससे धूल भरी आँधी से प्रदूषण बढ़ेगा।●

पीएमएफएमई योजना में हो रहे भ्रष्टाचार को क्या रोक पायेगी नव पदस्थापित उप विकास आयुक्त, बक्सर

● बिन्ध्याचल सिंह

पीएमएफएमई योजना मे हो रहे भ्रष्टाचार को तत्कालीन उप विकास आयुक्त श्री आकाश चौधरी तो रोक नही पायें। लेकिन 13 दिसम्बर-2025 को जिला में उप विकास आयुक्त बक्सर के रूप श्रीमति निहारिका छवि पदभार ग्रहण की है, परन्तु देखना अब यह है कि श्रीमति छवि पीएमएफएमई योजना में हो रहे भ्रष्टाचार को रोक पायेगी या एल डी एम बक्सर की तरह बैक से सम्बन्धित कोई जानकारी लेने पर पत्रकार से ही सवाल करेगी। ये आनेवाला कल ही जानकारी दे सकता है। बक्सर जिला में संचालित योजना पीएमएफएमई को उॅची उडान देने वाले वाले जिला संसाधन सेवी सचिन कुमार पाण्डेय की अथक प्रयास की देन है। तत्कालीन जिलाधिकारी बक्सर से दो बार प्रशस्ति पत्र प्राप्त कर चुके श्री पाण्डेय जी की परमार्थी सोच बहुत से बेरोजगार युवक को स्वावलम्बी बना चुके है। जानकारी के अनुसार डी आर पी सचिन कुमार पाण्डेय जी वर्तमान में सभी डी आर पी में सबसे ज्यादा प्रयास कर रहे है। ठीक इसके उल्टे जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव अपनी अथक प्रयास से पीएमएफएमई योजना के माध्यम से जिला को बदनाम करने व अपनी जेब भरने के लिये अथक र्प्रयास कर रहे है। वितिय वर्ष 2024-2025 में लगभग 75-80 लाख रू0 से अपनी जेब भर चुके है। जिसकी जानकारी अप्रैल-2025 से दी जा रही है,जो जॉच का विषय है। पीएमएफएमई योजना मे जिला उद्योग केन्द्र बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार वितिय वर्ष 2024-2025 में कुल 154 आवेदक को 142803952 रू0 की राशि बैको के द्वारा लोन दिया गया है। जिसमें जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव के मार्ग दर्शन

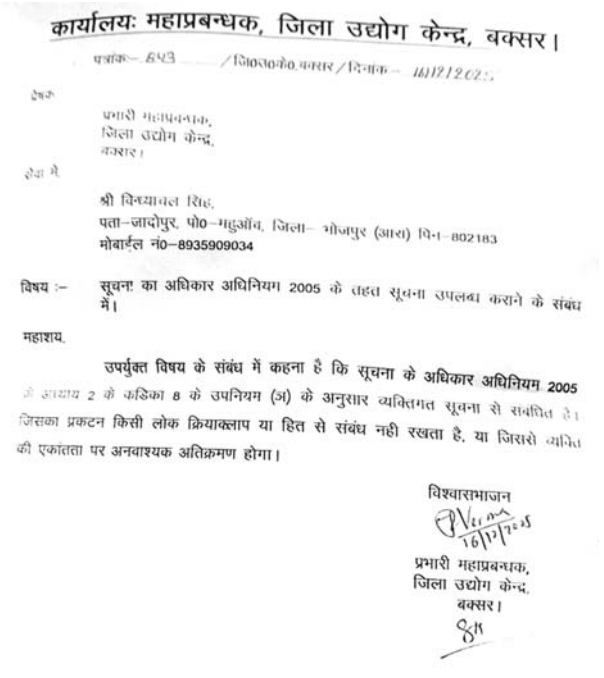

कार्यालयः महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, बक्सर।

पत्रांक– 843 /जि0उ0के0,बक्सर/दिनांक– 16/12/2025

प्रेषक

प्रभारी महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केन्द्र,
बक्सर।

सेवा में,

श्री बिन्ध्याचल सिंह,
पता–जादोपुर, पो0–महुऑव, जिला– भोजपुर (आरा) पिन–802183
मोबाईल नं0–8935909034

विषय :– सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत सूचना उपलब्ध कराने के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में कहना है कि सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 की धारा 2 के कंडिका 8 के उपनियम (ज) के अनुसार व्यक्तिगत सूचना से संबंधित है। जिसका प्रकटन किसी लोक क्रियाकलाप या हित से संबंध नही रखता है, या जिससे व्यक्ति की एकांतता पर अनवाश्यक अतिक्रमण होगा।

विश्वासभाजन
P Verma 16/12/2025
प्रभारी महाप्रबन्धक,
जिला उद्योग केन्द्र,
बक्सर।

PMFME LETTER 01

निहारिका छवि रवि प्रकाश श्रीवास्तव

में लगभग 34 आवेदक को बैक से लोन दी गई है। परन्तु केवल एक यूनिट धरातल पर है, जो ग्रम-इठौना पोस्ट-वैना में आटा चक्की मिल संचालित हो रही है। जिसकी लागत खर्च लगभग दो लाख रू0 होगी परन्तु जिला संसाधन सेवी अपनी कमीशन के लिये आवेदक को यूको बैक शाखा- सोनवर्षा से दिनांक/12/09/2024 को लगभग आठ लाख रू0 की प्रोजक्ट बना कर बैक को सुपुर्द कर लोन स्वीकृत करा चुके है। सूत्रो की माने तो जिला संसाधन सेवी रवि प्रकाश श्रीवास्तव का लगभग कुल 34 में 33 युनिट धरातल पर नही है जो गहन जॉच का विषय है। वही सेवा शुल्क के बारे में सूत्रो का कहना है कि श्रीवास्तव अपनी भावनाओ में बह कर आवेदक से कहते है कि मैं इस प्रकार सेवा शुल्क देता हुॅ।

सेवा शुल्क जिन्हे दिया जाता है	–	**कमीशन प्रतिशत में**
महाप्रबंधक, डी आई सी बक्सर	–	05/-
शाखा प्रबंधक, बैक	–	10/-
जीएसटी	–	18/-
डी आर पी यानि मैं	–	02/-

उपरोक्त कमीशन विभित्र सूत्रो व आवेदक से प्राप्त जानकारी के आलोक में सूचीबध्द की गई जिसका प्रमाण केवल सच प्रतिनिधि के पास नही है। परन्तु पीएमएफएमई योजना के लाभुक जो बैक ऑफ इंडिया शाखा-कसिया से प्राप्त कर चुके है उनके पास यूपीआई से दिनांक 16/12/2024 को 95000 रू0 समय-अपराह्न एक बजकर बतीस मिनट पर भेजा गया है, प्रतिनिधि के पास उपलब्ध है जो सम्भवतः डी आर पी रवि र्प्रकाश श्रीवास्तव या बिनोद कुमार राजभर विराज इन्टरप्राइजेज बलिया का हो सकता है। जहॉ डी आर पी श्रीवास्तव जी के मार्ग दर्शन में कि गई सभी फाइल का भुगतान मशीन खरीददारी के लिये भेजी जाती है। विराज इन्टरप्राइजेज, मॉल गोदाम रोड बलिया में स्थित है। डी आर पी, विराज इन्टरप्राइजेज, मॉल गोदाम बलिया एवं वाणिज्य कर से प्राप्त जानकारी अनुसार विशेष जानकारी दी जायेगी। कार्यालय महाप्रबंधक,जिला उद्योग केन्द्र बक्सर के पत्रांक-202 दिनांक 24/01/2025, पत्रांक-740 दिनांक 20/09/2025 और समाहरणाय बक्सर लोक सूचना प्रशाखा से प्राप्त पत्रांक-377 दिनांक-17/03/2025 का अवलोकन करेगे तो आप दावे के साथ कह सकते है कि भ्रष्ट डी आर पी की छतरी है, जबकि पत्रांक-843 दिनांक 16/12/2025 से स्पष्ट होता है कि प्रभारी महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र बक्सर की सहभागिता सुनिश्चित है।●

गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर आयोजित संवाद कार्यक्रम

● गुड्डी साव

दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का 82 वां जन्म दिवस 11 जनवरी को मनाया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी की 82 वीं जयंती के अवसर पर टाना भगत इनडोर स्टेडियम, खेलगांव, रांची में गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर आयोजित संवाद कार्यक्रम में नौजवानों से कहा कि आप एक कदम आगे बढ़ें, सरकार आपको 10 कदम आगे ले जाएगी। आपको अपनी मंजिल तक पहुंचाएंगे, यह हमारा वादा है, क्योंकि हम गुरुजी के सिपाही हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती वीर - शहीदों की धरती रही है। इस धरती ने भगवान बिरसा मुंडा और सिदो- कान्हू जैसे अनेकों वीर सपूतों को जन्म दिया, जिन्होंने देश की आजादी से लेकर जल जंगल जमीन की रक्षा और झारखंड अलग राज्य के आंदोलन में अपनी कुर्बानियां तक दे डाली। इन्हीं में एक शख्सियत थे- दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी। उन्होंने एक ओर झारखंड अलग राज्य के आंदोलन का नेतृत्व करते हुए धार दी तो दूसरी तरफ समाज सुधारक के रूप में महाजनी प्रथा जैसी कुरीतियों के खिलाफ बिगुल फूंक डाला था। उनकी एक आवाज पर कोने-कोने से आदिवासी - मूलवासी सड़कों पर उतर आते थे। लोगों को उनका हक-अधिकार दिलाने और आने वाली पीढ़ी को शिक्षित करने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राज्य में अपार संभावनाएं हैं यहां के गांव से शहर तक क्षमताओं में कोई कमी नहीं है। खनिज संपदा से लेकर पर्यटन, शिक्षा, खेल समेत तमाम क्षेत्रों में हम काफी आगे तक जा सकते हैं। यहां प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। हमने देखा भी है कि आजादी के पहले से लेकर अब तक यहां के खिलाड़ियों ने कितनी ऊंचाइयों को छुआ है। ऐसे में हमारी सरकार अपनी संभावनाओं, क्षमताओं और प्रतिभाओं को सशक्त और मजबूत करने का कार्य कर रही है। हमारे पूर्वजों ने लंबा संघर्ष कर हमें अलग राज्य दिया। अब इस राज्य को सजाने संवारने और आगे ले जाने की जिम्मेदारी हमारे ऊपर है। लेकिन, आप सभी के सहयोग के बिना हम अपने राज्य को अग्रणी राज्य नहीं बना सकते हैं। सिर्फ सरकार के भरोसे यह संभव नहीं है। इसमें नौजवानों को सहभागी बनना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मइंया सम्मान योजना जैसी विभिन्न विकास और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आपको सशक्त बनाने का काम सरकार कर रही है। हम इस बात से भली भांति वाकिफ है कि जब तक ग्रामीण क्षेत्र मजबूत नहीं होगा, राज्य और देश मजबूत नहीं होगा यही वजह है कि हमारी सरकार अपनी जड़ को मजबूत करने का प्रयास पूरी ताकत के साथ कर रही है। लेकिन कई बार योजनाएं सरकारी तंत्र तक ही सिमट कर रह जाती है। लोगों तक उसकी जानकारी नहीं पहुंचती है। ऐसे योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा उनकी सहभागिता बढ़ाने के लिए नौजवानों को अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य का हर बच्चा शिक्षित हो इसी लक्ष्य के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। आज बच्चों का ज्ञानवर्धन करना बेहद जरूरी है। इसे लेकर ही हमारी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए हैं। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, विदेश में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप, सभी जिलों में बड़े पुस्तकालयों की स्थापना हुई है और उत्कृष्ट विद्यालय खोले गए हैं जहां गरीब बच्चे गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्राप्त कर सकें। उन्होंने आगे कहा सरकार के सहयोग से आज आदिवासी दलित का बच्चा विदेश में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहा है, जो पहले उनके लिए एक सपना हुआ करता था।

झारखंड देश का पहला ऐसा राज्य है जो गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के माध्यम से विद्यार्थियों को महज 4 प्रतिशत सामान्य ब्याज पर 15 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अन्य राज्यों में तो शिक्षा ऋण की राशि भी कम है और ब्याज दर भी ज्यादा है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस योजना का लाभ लें और दूसरों को भी इसके फायदे बताते हुए इस योजना से जोड़ने की पहल करें। गरीबी और आर्थिक तंगी की वजह से कई बार

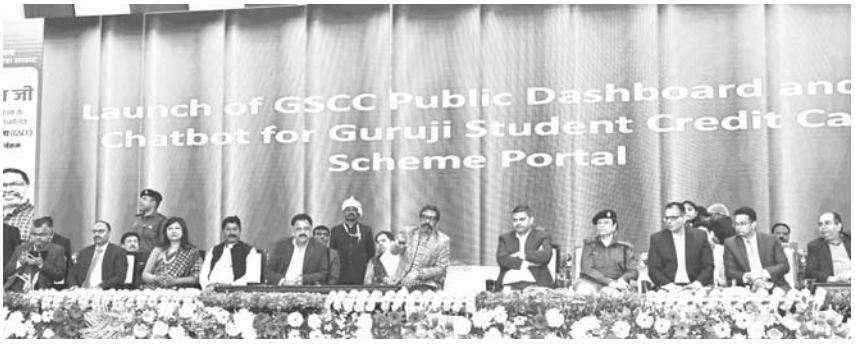

बच्चे पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। वह अपने माता-पिता के साथ मजदूरी करते है और पलायन करने के लिए भी मजबूर होते हैं। यह काफी चिंता की बात है। ऐसे में हमारी सरकार हर बच्चे को शिक्षित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। क्योंकि, जब तक बच्चे पढ़ेंगे नहीं, आगे बढ़ेंगे नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अलग बने 25 वर्ष हो चुके हैं। उस साल जिन्होंने जन्म लिया होगा, वे आज 25 साल के नौजवान हो चुके हैं। इस उम्र में आपके पास ताकत और क्षमता भरपूर होगी, लेकिन अगर आगे बढ़ने का रास्ता नहीं मिलेगा तो काफी प्रतिभा होने के बाद भी आपको भटकने में देरी नहीं लगेगी। वहीं, आपाधापी के इस युग में आपका निर्णय ही आपको आगे ले जा सकता है। ऐसे में हम आपको एक ऐसे रास्ते पर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं जहां से आप अपने को मजबूत साबित कर सकें। आपको हम सिर्फ सरकारी नौकरियों के भरोसे खड़ा नहीं करना चाहते हैं। हम आपको उस स्थिति में खड़ा करना चाहते हैं, जब आप देश- दुनिया में कोई भी प्रतिस्पर्धा हो, वहां अपने आप को अव्वल साबित कर सकें। इसीलिए, हमने एक ऐसी व्यवस्था बनाने की कोशिश की है, जहां आप अपनी प्रतिभा ताकत और क्षमता का पूरा सदुपयोग कर सकें। गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत 55 लाभार्थियों को लगभग 12 करोड रुपए का शिक्षा ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। विदित है कि दो वर्ष पहले शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना के अंतर्गत अब तक 2430 विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु इसका लाभ उपलब्ध कराया जा चुका है। यह राज्य सरकार की एक ऐसी गारंटेड योजना है, जिसके तहत महज 4 प्रतिशत सामान्य ब्याज की दर पर 15 लाख रुपए तक का शिक्षा लोन दिया जाता है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की उपयोगिता और सहभागिता बढ़ाने के लिए पब्लिक डैश बोर्ड तथा एनआईटी, जमशेदपुर द्वारा एआई आधारित चैट बोर्ड का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया। सीएम फैलोशिप का एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत 23 रिसर्च स्कॉलर्स को मिला 25- 25 हजार रुपए की स्कॉलरशिप राशि।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर 'द ग्रास रूट इनोवेशन इंटर्नशिप स्कीम' का भी शुभारंभ किया। दो महीने के इस इंटर्नशिप स्कीम के तहत स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को 17 हजार इंटर्नशिप के अवसर प्राप्त होंगे। उन्हें प्रोत्साहन स्टाइपेंड के रूप में 10 हजार रुपए भी दिए जाएंगे। इस स्कीम के अंतर्गत विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। इसमें चार-चार विद्यार्थियों की टीम बनाई जाएगी, जो राज्य के सभी 4345 पंचायत में जाकर स्थानीय नवाचार, पारंपरिक ज्ञान, लोक एवं हस्तकला समेत उन व्यक्तियों की पहचान करेगी, जो इसके संवाहक हैं। उनके द्वारा एकत्रित जानकारी को व्यवस्थित कर विलेज नॉलेज रजिस्टर में सुरक्षित रखा जाएगा, ताकि उसकी जानकारी और लाभ लोगों तक पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक सुरेश कुमार बैठा, राज्य सभा सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा, प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार, सचिव मनोज कुमार, सचिव उमाशंकर सिंह संग अन्य कई मौजूद थे।●

वीर शहीद शेख भिखारी और वीर शहीद टिकैत उमराव सिंह का शहादत दिवस पर हुआ कार्यक्रम

● गुड्डी साव

मांडर के फॉरेस्ट मैदान में सन् 1857 की क्रांति के महानायक वीर शहीद शेख भिखारी और वीर शहीद टिकैत उमराव सिंह की शहादत दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दोनों महानायकों की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया. इस अवसर पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि मौजूदा दौर में दोनों महानायकों की शहादत को समझने और इससे सीख लेने की जरूरत है. हिंदू और मुस्लिम दोनों के साझा प्रयास से ही भारत देश अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हो पाया था. उन्होंने कहा कि अगर स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में हिंदू राष्ट्र या मुस्लिम राष्ट्र की सोच होती, तो ये संभावन नहीं हो पाता. उस वक्त सिर्फ मन में देश की आजादी का जुनून था. आज समाज के अंदर अंग्रेजों की सोच की तरह ही फूट डालो

और राज करो की राजनीति हो रही है. इस षडयंत्र को नाकाम करना होगा. मंत्री ने कहा कि नाम बदलने की राजनीति से देश और राज्य खोखला हो रहा है. ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ़ कहे जाने वाले मनरेगा को आज खत्म किया जा रहा है. ऐसा होने से रोजगार के नाम पर गांव के लोग फिर एक बार पलायन को मजबूर होंगे. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पेसा नियमावली को लागू कर पारंपरिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने का काम किया है. पारंपरिक ग्राम सभा के माध्यम से जमीन अधिग्रहण से लेकर वनोपज के मुद्दों का निबटारा हो पाएगा. लेकिन कुछ लोग पेसा नियमावली को समाज के बीच गलत तरीके से परोसने में लगे है. समाज को बांटने वाले लोग तबतक कामयाब नहीं होंगे जबतक हम सभी लोग एकजुट रहेंगे. शहादत दिवस कार्यक्रम में ग्रामीणों के बीच कंबल का वितरण किया गया. इस कार्यक्रम में बीडीओ चंचला कुमारी, प्रखंड अध्यक्ष मंगा उरांव, प्रखंड अध्यक्ष इस्तियाक, शमीम अख्तर, संग कई लोग शामिल हुए।●

भाजपा का स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम

● गुड्डी साव

प्रदेश भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सांसद आदित्य साहू एवं राष्ट्रीय परिषद के 21 निर्वाचित सदस्यों के चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ने कार्निवल बैंक्वेट हॉल में आयोजित भव्य कार्यक्रम में विधिवत घोषणा की। इस अवसर पर पार्टी के तत्कालीन अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष श्री बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, संजय सेठ, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, मधुकोड़ा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पी.एन. सिंह, दिनेशानंद गोस्वामी, अभयकांत प्रसाद, यदुनाथ पांडेय, दीपक प्रकाश, संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव, सांसद बी डी राम, मनीष जयसवाल, मुख्य सचेतक नवीन जायसवाल, सचेतक राज सिन्हा, नागेंद्र महतो, प्रदेश चुनाव सह अधिकारी गणेश मिश्र, दुर्गा मरांडी, सुनीता सिंह, सहित पार्टी के सांसद, विधायकगण, पूर्व सांसद, पूर्व विधायकगण, पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्षगण, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारीगण सहित हजारों की संख्या में पूरे प्रदेश से कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम संचालन प्रदेश महामंत्री, चुनाव अधिकारी सांसद डॉ प्रदीप वर्मा ने और धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह ने किया।

विषय प्रवेश कराते हुए डॉ० प्रदीप वर्मा ने पिछले 22 दिसंबर 2024 से झारखंड में भाजपा के चल रहे संगठन पर्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश और प्रदेश नेतृत्व एवं कार्यकर्ताओं के परिश्रम और प्रयास से बूथ से लेकर प्रदेश अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया विधिवत संपन्न हुई। उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया। अपने शब्दों को व्यक्त करते हुए नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने कहा कि आज मैं भाजपा रूपी मां के प्यार और दुलार से अत्यंत रोमांचित हो रहा हूं, नि:शब्द हूं। एक मां ने शरीर से जन्म दिया लेकिन दूसरी मां पार्टी ने मुझे समाज जीवन में पहचान दी और प्रसिद्धि दी। आज के अवसर पर अपने केंद्रीय नेतृत्व भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन, गृह मंत्री अमित शाह जी राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष जी के प्रति हृदय से आभार प्रकट करते हुए बाबा बैजनाथ,बाबा वासुकीनाथ, बाबा वंशीधर, बाबा टांगीनाथ, आंजन धाम, बाबा आम्रेश्वर, माता छिन्नमस्तिका, माता भद्रकाली,माता सरना और राज्य के समस्त जाहिर थान, मांझी थान जैसे पवित्र स्थलों देवी देवताओं को प्रणाम करता हूं।

मैं आज के अवसर पर झारखंड के वीर सपूत भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्हो, जतरा टाना भगत, तिलका मांझी, शेख भिखारी, बुद्धू भगत जैसे अमर शहीदों के प्रति भी अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। साथ ही अपनी व्यस्तताओं के बीच दिल्ली से चलकर रांची आए केंद्रीय मंत्री एवं चुनाव अधिकारी श्रीमान जुएल उरांव जी का विशेष आभार प्रकट करता हूं। साथ ही संगठन पर्व की जिम्मेवारी संभाल रहे हमारे साथी प्रदेश महामंत्री एवं सांसद डॉ० प्रदीप वर्मा जी और उनके साथ श्री गणेश मिश्र जी, श्रीमती सुनीता सिंह का भी आभार प्रकट करता हूं, जिन्होंने बूथ से लेकर जिला और प्रदेश की सांगठनिक चुनाव प्रक्रिया को संपन्न कराने में अपनी महती भूमिका निभाई।

आदित्य साहू ने कहा कि मैं एक अदना सा कार्यकर्ता कुचु बूथ पर पर वोट की पर्ची काटने का काम करता था, लेकिन भाजपा ही है जो साधारण से साधारण कार्यकर्ता को पार्टी के शीर्ष तक पहुंचा सकती है। दूसरे किसी दल में यह संभव नहीं। मैं देश के उच्च सदन राज्य सभा का सदस्य बना तो भी मुझे यह अहसास नहीं हुआ जैसा आज महसूस कर रहा हूं। मंच पर बैठे हमारे अभिभावक मार्गदर्शक बाबूलाल मरांडी जी जो झारखंड राज्य के एक धरोहर हैं, जिनके पास संगठन और सरकार चलाने के गहरे अनुभव हैं, ऐसे वरिष्ठ व्यक्तित्व के साथ कार्य करना और फिर दायित्व ग्रहण करना ऐसा लग रहा जैसे एक बड़े भाई ने अपने अनुज को जिम्मेवारी सौंपी हो। मैं सौभागशाली हूं कि संगठन के पास अनुभवी और प्रभावशाली नेतृत्व का खजाना है। केंद्र सरकार और राज्य

सरकार का नेतृत्व करने वाले अर्जुन मुंडा जी, संगठन और सरकार दोनों का प्रदेश स्तर पर सफल नेतृत्व करने वाले विकास पुरुष रघुवर दास जी, पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा जी, चंपई सोरेन जी जैसे नेतागण का अनुभव है। पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष पद्मविभूषण कड़िया मुंडा जी, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभय कांत प्रसाद जी,पी एन सिंह जी, श्री यदुनाथ पांडेय जी, डॉ० रविंद्र कुमार राय जी, डॉ० दिनेशानंद गोस्वामी जी, दीपक प्रकाश जी का कुशल मार्गदर्शन है और साथ में ऐसे मजबूत नींव के पत्थर हैं जिन्होंने संगठन कार्य के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया है नागेंद्र त्रिपाठी जी, कर्मवीर सिंह जी जिनके कुशल मार्गदर्शन में पार्टी वैचारिक और सांगठनिक कार्यों को गति दे रही है। मैं आज के अवसर पर सभी महानुभावों का आभार प्रकट करते हुए जोहार नमस्कार करता हूं। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे एक सुसज्जित सेना की अगुवाई करने के योग्य पार्टी ने मुझे समझा है। यह बड़ा ही गुरुत्तर दायित्व है परंतु आप सभी के प्यार स्नेह और ताकत के बल पर अपना क्षण क्षण और कण कण पार्टी को समर्पित करने की कोशिश करूंगा। मैं भले शरीर से अगली पंक्ति में बैठा दिखूंगा लेकिन मेरा मन हमेशा पार्टी के अंतिम पायदान पर, बूथों पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं से जुड़ा रहेगा। क्योंकि वही कार्यकर्ता पार्टी का आधार है, बुनियाद है। उसी के बल पर पार्टी ऊंचाइयों को छूती है। मैं कोशिश करूंगा कि वैसे जमीनी कार्यकर्ताओं के सुख दुख का सहभागी बन पाऊं। ईश्वर मुझे ऐसी ताकत प्रदान करें ऐसी प्रार्थना करता हूं। झारखंड के कार्यकर्ताओं के लिए अभी संघर्षों और चुनौतियों का समय है। हम सभी को झारखंड में सरकार बनाने की नहीं बल्कि आज झारखंड की अस्मिता, संस्कृति को बचाने की चुनौती है और भले ही हम विरोधियों के झूठ और फरेब के कारण सरकार नहीं बना पाए लेकिन जनता का भरोसा आज भी भाजपा के ऊपर है। राज्य की जनता हम पर उम्मीद भरी नजरों से देख रही। सभी को पता है कैसे आए दिन घोटाले उजागर हो रहे है। राज्य के जल जंगल जमीन पर डाका डाला जा रहा। लैंड जिहाद, लव जिहाद के सहारे कैसे गरीब आदिवासी दलित की जमीन लूटी जा रही। कैसे उन्हें उनकी परंपरा, संस्कृति से काटने का लगातार बड़े पैमाने पर षड्यंत्र चल रहा। राज्य घुसपैठियों की शरण स्थली बन गया है। घुसौपैठियों को सत्ता का खुल्लम-खुल्ला संरक्षण प्राप्त है। इतना ही नहीं लंबे इंतजार के बाद राज्य सरकार ने जो पेसा नियमावली बनाई, उसने आदिवासी समाज की आत्मा पर ही प्रहार कर दिया। अबुआ सरकार के नाम पर जनता को केवल धोखा मिल रहा। ऐसे में हमारी जिम्मेवारी ज्यादा है। एक साथ हमे दो दो जिम्मेवारी निभानी है। संगठन को सर्व स्पर्शी, सर्व व्यापी, सर्व समावेशी बनाकर और मजबूत करना है दूसरी ओर राज्य की भ्रष्ट निकम्मी सत्ता से जनता को मुक्ति दिलानी है। रामचरित मानस में कहा है... 'राम काज किन्हें बिना मोहि कहां विश्राम'।

नव निर्वाचित आदित्य साहू ने कहा कि देश को राष्ट्र विरोधी ताकतों, विचारों से मुक्ति दिलाना, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को स्थापित करना, अंत्योदय को साकार करना यह हमारा लक्ष्य है। मां भारती तभी विश्वगुरु के रूप में फिर से प्रतिष्ठित होगी जब भारत विकसित भारत, आत्म निर्भर भारत बनेगा। हम सब को अपने परिश्रम से माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत बनाने के संकल्प को सिद्धि में बदलना है। इसके लिए झारखंड को भी विकसित बनाना है। बिना विकसित झारखंड के विकसित भारत नहीं बन सकता। हमें अपने अपने

स्तर से इस राम काज में गिलहरी की भांति छोटे छोटे प्रयास करने हैं। छोटे छोटे प्रयासों से ही बड़े संकल्प की सिद्धि होती है। भाजपा का संकल्प बेदाग है निश्छल है, आप सभी के सहयोग से यह संकल्प अवश्य पूरा होगा। उन्होंने राज्य के सभी कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों के प्रति अपना आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय मंत्री जुएल उरांव ने कहा कि नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू जी एक सहज सरल व्यक्तित्व के धनी हैं। इन्होंने अपने परिश्रम और समर्पण से अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि झारखंड को विकसित झारखंड, अटल जी के संकल्पों का झारखंड बनाने केलिए भाजपा की सरकार बनानी है। कहा कि नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी और झारखंड में भाजपा एनडीए की मजबूत सरकार बनेगी। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आदित्य साहू को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उन्होंने साहू को बूथ ,मंडल,जिला और प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष के रुप में गंभीरता पूर्वक कार्य करते हुए देखा है। जन समस्याओं, कार्यकर्ताओं के सुख दुख के प्रति इनकी संवेदशीलता सराहनीय है। झारखंड गठन के संकल्प अभी अधूरे हैं। राज्य की वर्तमान सरकार ने झारखंड को गर्त में धकेल दिया है। विधि व्यवस्था ध्वस्त है। अपराधी बेलगाम हैं और पुलिस वसूली में मस्त है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार झारखंड की समस्याओं को लेकर आंदोलन कर रही है। अभी भाजपा का संघर्ष जारी रहेगा।आगे की अधूरी लड़ाई हम सब नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू जी के नेतृत्व में लड़ेंगे और इस भ्रष्ट निकम्मी सरकार को उखाड़ फेंकेंगे।

केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने भी अपने संबोधन में कहा कि झारखंड के जल जंगल जमीन की सुरक्षा की लड़ाई अब भाजपा कार्यकर्ता आदित्य जी के नेतृत्व में लड़ेंगे और ऐतिहासिक विजय प्राप्त करेंगे। उन्होंने यशस्वी कार्यकाल की शुभकामनाएं दी। प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष एवम नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने परिश्रम और अनुभवों से भाजपा को एक नई पहचान दी है। इनके अधूरे कार्यों को नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष एवम सांसद आदित्य साहू जी पूरा करेंगे। झारखंड भाजपा का एक मजबूत संगठन खड़ा होगा और पार्टी जन आकांक्षाओं पर खरी उतरेगी। पूर्व केंद्रित मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि नए अध्यक्ष का चयन शुभ मुहूर्त में हो रहा है। उन्होंने बधाई शुभकामनाएं दी और कहा कि आदित्य साहू जी के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी। और इनके नेतृत्व में झारखंड अपनी चुनौतियों से निकलकर बाहर आयेगा। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पी एन सिंह ने आदित्य साहू जी को बधाई शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये भाजपा के हीरा जैसे बहुमूल्य कार्यकर्ता हैं जिन्हें उन्होंने 20 वर्ष पूर्व ही पहचान लिया था। एसटी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने कहा कि नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति के बाद पूरे प्रदेश के कार्यकर्ताओं में उत्साह है। हम सब मिलकर इनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत करेंगे और जोर शोर से झारखंड की सत्ता में आएंगे। विधायक सीपी सिंहने भी अपने संबोधन से नव निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष को बधाई शुभकामनाएं दी।●

अबुआ दिशोम बजट इस वर्ष का है रजत वित्तीय वर्ष

● गुड्डी साव

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि अबुआ दिशोम बजट 2026-27 राज्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि यह झारखंड के रजत जयंती वित्तीय वर्ष में प्रस्तुत किया जाएगा। राज्य ने अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और इस अवसर पर सरकार एक मजबूत, संतुलित एवं जनहितकारी बजट देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बजट को अधिक प्रभावी और व्यावहारिक बनाने के उद्देश्य से विशेषज्ञों, विभिन्न विभागों तथा हितधारकों से सुझाव लिए जा रहे हैं। इसी क्रम में गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित दो दिवसीय अबुआ दिशोम बजट 2026-27 बजट पूर्व गोष्ठी में उन्होंने यह बातें कहीं। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच के अनुरूप राज्य में इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र को भी आगामी बजट में विशेष महत्व दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी बजट की सफलता कंसल्टेशन, सजेशन और इम्प्लीमेंटेशनख्इन तीन स्तंभों पर निर्भर करती है, तभी बजट का समुचित उपयोग संभव है। बजट संतुलित होना चाहिए और आवश्यकता के अनुरूप ही प्रावधान किए जाने चाहिए। गोष्ठी में चेक डैम निर्माण, वर्षा जल संचयन, नदियों के जल संरक्षण तथा वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें बजट में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

नगर विकास एवं पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि इस वर्ष के बजट में पर्यटन को बढ़ावा देने पर जोर दिया जाएगा ताकि राज्य में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हो सके और रोजगार को भी बढ़ावा मिले । शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ किया जाएगा।

कृषि मंत्री श्रीमती शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आगामी बजट में नए और नवाचारी विचारों को शामिल करने पर जोर दिया जाएगा। अन्य राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाने पर भी सरकार विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने मिलेट्स मिशन को "मडुवा क्रांति" नाम दिया है, जिसका सकारात्मक प्रभाव किसानों में दिख रहा है। इसके तहत किसानों को 3,000 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। साथ ही सिंचाई के लिए 5 एचपी सोलर आधारित वाटर पंप सेट देने की योजना है। उन्होंने केसीसी लोन में बैंकों एवं एनजीओ की सक्रिय भागीदारी, ग्रामीण विकास, सिंचाई तथा अबुआ आवास योजना में पर्याप्त बजटीय प्रावधान पर जोर दिया। जल संसाधन मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि सिंचाई झारखंड के लिए एक प्रमुख चुनौती है और इसके सभी विकल्पों पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने वर्षा जल संचयन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इससे सालभर सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि बजट में 2.5 एकड़ में बने तालाबों के पुनरुद्धार, माइनर इरीगेशन और अन्य लघु परियोजनाओं पर विशेष प्रावधान किया जाए। सुनील कुमार प्रधान सचिव पथ निर्माण विभाग ने कहा कि राज्य में कई सड़क परियोजनाओं पर काम चल रहा है। कई फ्लाइओवर बन कर तैयार हो गए हैं और कई पर काम चल रहा है । आगामी वित्तीय वर्ष में कई नई परियोजनाओं को बजट में शामिल किया जाएगा।

वित्त सह जल संसाधन सचिव श्री प्रशांत कुमार ने कहा कि बड़े प्रोजेक्ट्स के बजाय मध्यम और व्यवहारिक परियोजनाओं पर ध्यान देना अधिक उपयोगी होगा। उन्होंने लिफ्ट इरीगेशन आधारित खेती और छोटे तालाबों के जीर्णोद्धार को बजट में शामिल करने का सुझाव दिया।

ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन ने अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास योजना, जेएसएलपीएस एवं मनरेगा के वित्तीय प्रबंधन पर चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य के सभी प्रखंडों में "पलाश मार्ट" की स्थापना का सुझाव दिया। गोष्ठी में कृषि सचिव अबू बकर सिद्दीकी, पर्यटन सचिव श्री मनोज कुमार और श्रम विभाग के सचिव श्री जितेंद्र सिंह सहित राज्य और राज्य के बाहर से आए विशेषज्ञों ने भी अपने विचार रखे। कृषि, सिंचाई, भंडारण क्षमता विस्तार, पशुधन विकास, डेयरी, हॉर्टिकल्चर और इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम (IFS) पर विशेष चर्चा की गई।वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग से जुड़े विषयों पर विमर्श के दौरान बताया गया कि राज्य का 30 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र वन क्षेत्र है, जिसे ग्रीन इकोलॉजिकल सिस्टम के रूप में विकसित कर ग्रीन इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा दिया जा सकता है। गोष्ठी में वित्त विशेषज्ञ हरिश्वर दयाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। बजट पूर्व गोष्ठी के माध्यम से अबुआ दिशोम बजट 2026-27 को अधिक जनोन्मुखी, आजीविका संवर्धन और पर्यावरण संतुलन आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए।●

दिशोम गुरू शिबू सोरेन की 82वीं जयंती पर नमन

● गुड्डी साव

झारखंड आंदोलन के जननायक, आदिवासी समाज के गौरव और झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक दिशोम गुरु शिबू सोरेन की 82वीं जयंती के अवसर पर 11 जनवरी को मोरहाबादी स्थित स्वर्गीय गुरुजी के पूर्व के आवास में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी माता श्रीमती रूपी सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन तथा परिवार के अन्य सदस्यों के साथ गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मंत्री हफीजुल हसन, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू , राज्यसभा सांसद जोबा माजी, झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता विनोद पांडे, सुप्रियो भट्टाचार्य सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों

और कार्यकर्ताओं ने भी गुरुजी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। मौके पर सभी ने दिशोम गुरु के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्मरण करते हुए झारखंड की प्रगति के उनके सपने को साकार करने का संकल्प लिया।●

राजीव चटर्जी के द्वारा समाज सेवा का काम लगातार है जारी

● गुड्डी साव

स्वर्गीय बासुदेव चटर्जी की छठी पुण्यतिथि पर जरूरतमंदों के बीच 500 कंबल वितरण के साथ-साथ लगभग 1000 लोगों के बीच भोजन कराने का काम किया गया साथ ही नेत्र जांच चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। इस मौके पर रांची के विधायक सी.पी. सिंह और रांची किशोरगंज वार्ड पार्षद ओम प्रकाश संग कई अतिथि मौजूद हुए, साथ ही इस संस्था में

कार्य कर रहे लोगों की भी मौजूदगी रही। यूं तो बासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन के तरफ से कोरोना के समय से ही कई संस्थाओं को, जैसे स्कूली बच्चों और गरीबों के बीच जरूरत की सामग्री के साथ-साथ भोजन वितरण कराने का काम भी लगातार करते रहती है। मगर फिर भी बासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन की तरफ से जो यह समाज सेवा का कार्य लगातार जारी है यह वाकई में गरीबों और जरूरतमंद लोगों की ओर सहायता प्रदान करना है। हांलाकि स्वर्गीय बासुदेव चटर्जी के पुण्यतिथि पर हर साल कुछ ना कुछ जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने का काम करते रहती है। इसके अलावा भी बीच-बीच में यह कई तरह के सहायता लोगों के बीच करते हैं। इस तरह से समाज सेवा कार्य कर रहे इस संस्था के अध्यक्ष राजीव चटर्जी का कहना है कि मैं अपने पिताजी के मार्गदर्शन पर यह काम कर रहा हूं क्योंकि मेरे पिताजी स्वर्गीय बासुदेव चटर्जी हमेशा कहते थे कि जितना भी कमाते हो उसका 10% लोगों के बीच समाज सेवा में लगाओ।●

खेल-खेल में मिला परीक्षा तनाव से निपटने का संदेश

● गुड्डी साव

जेएसएसपीएस (Jharkhand State Sports Promotion Society) सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड एवं झारखंड सरकार की एक संयुक्त पहल है, जिसके माध्यम से राज्य के लगभग 300 प्रतिभाशाली बच्चे विभिन्न खेल विधाओं में निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के साथ-साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा भी ग्रहण कर रहे हैं। खेल और पढ़ाई दोनों क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की इस यात्रा में कभी-कभी प्रशिक्षु कैडेट्स को संतुलन बनाए रखने में मानसिक दबाव का सामना करना पड़ता है। इसके मद्देनजर अर्पिता महिला मंडल की पहल पर आगामी बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए जेएसएसपीएस, खेलगांव, रांची में कैडेट्स के बीच बढ़ते परीक्षा तनाव को कम करने, उनमें आत्मविश्वास का संचार करने तथा सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से तनाव प्रबंधन एवं परीक्षा तैयारी: खेल-खेल में संवाद विषय पर एक प्रेरक, संवादात्मक एवं सहभागितापूर्ण कार्यक्रम का सफल आयोजन 10 जनवरी को किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्षा प्रीति सिंह एवं सीसीएल के उच्च प्रबंधन ने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए कहा कि परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, न कि जीवन की अंतिम कसौटी। उन्होंने समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, संतुलित दिनचर्या तथा सकारात्मक सोच को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए खेल-खेल में दिए गए उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया कि तनाव को किस प्रकार आत्मविकास के अवसर में बदला जा सकता है। इस अवसर पर अर्पिता महिला मंडल की उपाध्यक्ष रीता मिश्रा, रीता तिवारी सहित महिला मंडल के अन्य सदस्यों की सक्रिय एवं सराहनीय सहभागिता रही। कार्यक्रम में जेएसएसपीएस, खेलगांव, रांची के सीईओ नवीन कुमार झा तथा एलएमसी के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कैडेट्स ने विभिन्न गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने अनुभव, आशंकाएँ और चुनौतियाँ खुलकर साझा कीं। संवादात्मक एवं सकारात्मक वातावरण के कारण कैडेट्स अप फिजियोथेरेपी को सहजता से व्यक्त कर सके, जिससे यह कार्यक्रम अत्यंत प्रभावी, प्रेरणादायक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ। ज्ञात हो कि JSSPS में बच्चों को हॉकी, फुटबॉल, एमहत्पूर्ण तैराकी, बॉक्सिंग, कुश्ती, बैडमिंटन, टेबल टेनिस और तीरंदाजी जैसे 11 खेलों की आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। जेएसएसपीएस, सीसीएल और झारखंड सरकार की संयुक्त पहल है। जेएसएसपीएस के खिलाड़ियों के नाम 15 अंतर्राष्ट्रीय पदक, 262 राष्ट्रीय पदक और 1352 राज्य पदक जीतने का एक प्रभावशाली रिकॉर्ड है।●

डिग्री कॉलेज में आधुनिक पुस्तकालय का उद्घाटन

● गुड्डी साव

झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रविंद्र नाथ महतो के प्रयासों से नाला विधानसभा क्षेत्र में स्थापित एस.के.एम. विश्वविद्यालय, दुमका की इकाई फतेहपुर डिग्री महाविद्यालय के इतिहास में शिक्षा के क्षेत्र में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया । नाला विधानसभा क्षेत्र में स्थापित यह महाविद्यालय निरंतर प्रगति के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में आधुनिक एवं भव्य पुस्तकालय तथा 150 केवीए सोलर विद्युत पावर सिस्टम का उद्घाटन अध्यक्ष रवीन्द्रनाथ महतो के कर-कमलों द्वारा 5 जनवरी को भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस समारोह में विधानसभा अध्यक्ष के संग विश्वविद्यालय की कुलपति महोदया, विश्वविद्यालय के सभी सम्मानित पदाधिकारीगण तथा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अमर मंडल विशेष रूप से उपस्थित थे। पूरे परिसर में उत्साह, गौरव एवं विकास की स्पष्ट झलक देखने को मिली। फतेहपुर डिग्री महाविद्यालय ने यह सिद्ध कर दिया कि वह केवल जामताड़ा जिला ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण संथाल परगना प्रमंडल में शिक्षा के क्षेत्र में एक सशक्त पहचान एवं उच्च मुकाम प्राप्त कर चुका है। छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए रवीन्द्रनाथ महतो ने अपने निजी निधि से 10 लाख रुपये तक की सभी विषयों से संबंधित उपयोगी पुस्तकों को पुस्तकालय में उपलब्ध कराने की सराहनीय घोषणा की। यह पहल विद्यार्थियों के ज्ञानवर्धन, शोध एवं शैक्षणिक सफलता के नए द्वार खोलेगी। निस्संदेह, यह दिन फतेहपुर डिग्री महाविद्यालय के इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर सदैव स्मरणीय रहेगा।●

डीआईजी नौशाद आलम ने विशेष शाखा का लिया चार्ज

● ओम प्रकाश

झारखंड कैडर के सीनियर आईपीएस अधिकारी नौशाद आलम अंसारी (भा.पु.से. 2010) को विशेष शाखा का DIG बनाया गया है। पोस्टिंग के बाद उन्होंने विशेष शाखा के डीआईजी के रूप में औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद डीआईजी नौशाद आलम ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पुलिस का मकसद केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि समाज में शांति और सुरक्षा बनाए रखना भी है। उन्होंने अपराधियों से अपील की कि वे मुख्यधारा में लौटें, शांतिपूर्ण जीवन जिएं और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं। डीआईजी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई अपराधी अपराध की राह पर बना रहता है, तो उसके खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के साथ-साथ पुलिस का सामाजिक चेहरा भी सामने लाया जाएगा, ताकि आम जनता का भरोसा पुलिस पर बना रहे। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस विभाग में अनुशासन सर्वोपरि है।

जो भी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी अपने कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही बरतेंगे, उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। डीआईजी नौशाद आलम ने भरोसा दिलाया कि सरकार ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ निभाएंगे।●

बारह दिन बाद सकुशल मिले लापता मासूम अंश और अंशिका

● ओम प्रकाश

झारखंड की राजधानी रांची के चर्चित अंश-अंशिका लापता प्रकरण में पुलिस को अहम सफलता मिली है। राँची के धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत मल्लार टोली मौसीबाड़ी से लापता पांच वर्षीय अंश और चार वर्षीय अंशिका को बारह दिनों के बाद राँची पुलिस ने रामगढ़ पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं की सहयोग से चितरपुर के पहाड़ी इलाके से सकुशल बरामद कर लिया है। मकर संक्रात के दिन बच्चों के लौटने पर पूरे परिवार के साथ-साथ रांची पुलिस भी खुशियां मना रही है। इस अभियान में राँची पुलिस और रामगढ़ पुलिस के अलावे बजरंग दल से जुड़े युवाओं की भूमिका सराहनीय रही। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की टीम अब इन गिरफ्तार आरोपियों से लगातार पूछताछ कर रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ सके। वही डीजीपी तदाशा मिश्रा ने इस मामले में बेहतर काम के लिए पूरी पुलिस टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि एडीजी मनौज कौशिक के नेतृत्व में रांची के एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर और ट्राफिक एसपी राकेश सिंह ने

जिम्मेदारी के साथ काम किया है।

☞ **कड़ी मेहनत के बाद मिली सफलता :-** डीजीपी ने कहा कि बच्चों को खोजने में पुलिस ने काफी मेहनत की है और उनकी मेहनत रंग लाई है। कई स्तरों पर जांच की गई और हर जानकारी को गंभीरता से लिया गया। आखिरकार पुलिस की मेहनत सफल रही और मामले में गिरफ्तारी हो सकी। आरोपियों से जारी है पूछताछ डीजीपी ने बताया कि गिरफ्तार दंपती से पूछताछ की जा रही है। उनसे मिले इनपुट के आधार पर मामले के अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पूछताछ पूरी होने के बाद इस पूरे मामले का विस्तार से खुलासा किया जाएगा।

☞ **पूरी टीम को रिवॉर्ड देने की घोषणा :-** वही डीजीपी तदाशा मिश्रा ने प्रेसवार्ता में पूरी टीम को रिवॉर्ड देने की घोषणा की है। यह घोषणा स्वंय डीजीपी ने पत्रकारों के समक्ष किया है। रिवार्ड की घोषणा के बाद से पूरी टीम में खुशियों का माहौल है। इस टीम में आईपीएस, डीएसपी, इंस्पेक्टर, दारोगा समेत सिपाही स्तर के पुलिसकर्मी शामिल थे। इसके अलावा एसएसपी राकेश रंजन की स्पेशल सेल और क्यूआरटी टीम भी शामिल रही।

☞ **मीडिया को दी जाएगी पूरी जानकारी, मानव तस्करी के बड़े नेटवर्क का होगा खुलासा :-** डीजीपी ने मीडिया के बंधुओं का भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि मीडिया ने इस संवेदनशील मामले को जिम्मेदारी से उठाया। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों की सकुशल बरामदगी से अभी अनुसंधान पूरा नहीं हुआ है। पुलिस टीम अभी भी अपना काम कर रही है। आरोपियों से पूछताछ चल रही है। इस प्रकरण में मानव तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होना है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अपहरण नहीं, बल्कि मानव तस्करी का एक अंतरराज्यीय सिंडिकेट है। इसमें कई और चेहरे शामिल हो सकते है। पूरी गिरोह की पहचान कर आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजना झारखंड पुलिस का मकसद है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रकरण से जुड़ी पूरी कहानी पत्रकारों को ब्रीफ की जाएगी, ताकि सही जानकारी जनता तक पहुंच सके।●

आपका राशिफल

पंडित तरुण झा
ज्योतिषचार्य
(ज्योतिष, वास्तु एवं रत्न विशेषज्ञ)
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान
प्रताप चौक, सहरसा-852201,
(बिहार)
मो० :- 9470480168

मेष राशि :- आपके लिए ये माह कामयाबियों की दृष्टि से बेहतरीन साबित होगा,आपके साहस और पराक्रम की वृद्धि होगी उसी के बल पर विषम हालात पर नियंत्रण पा लेंगे, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा झगड़े विवाद से बचें, विदेश यात्रा हेतु वीजा का आवेदन करना चाह रहे हों तो अवसर अच्छा है, लाभ उठा सकते हैं, नव दंपति के लिए संतान प्राप्ति का योग भी बन रहा है।

वृषभ राशि :- रोजगार की दिशा में किया जा रहा प्रयास सार्थक रहेगा, उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनेगा यदि आप सरकारी सर्विस हेतु आवेदन करना चाह रहे हैं तो परिस्थितियां अनुकूल हैं लाभ दिखाएं संतान संबंधी चिंता से मुक्ति मिलेगी शादी विवाह की दिशा में किया जाए प्रयास भी सार्थक रहेगा।

मिथुन राशि :- आपके द्वारा कोई न कोई ऐसा कार्य अवश्य होगा जिससे आपको प्रसिद्धि मिलेगी,अग्नि एवं दवाओं के रिएक्शन से बचें, गुप्त शत्रुओं के कारण आपकी चिंता बढ़ सकती है, इसलिए कार्य क्षेत्र से अपना कार्य निपटाकर सीधे घर आएं,व्यर्थ विवाद में न उलझे, अन्यथा हानिप्रद साबित हो सकता है।

कर्क राशि :- यदि आप विद्यार्थी हैं तो पढ़ाई में और मन लगाएं ताकि उत्तम अंक आए, संतान संबंधी चिंता से मुक्ति मिलेगी किंतु, प्रेम संबंधी मामलों में उदासीनता आएगी, कार्य व्यापार की दृष्टि से माह अपेक्षाकृत बेहतर रहेगा, माह के अंत में ग्रहगोचर और अनुकूल हो जाएगा जिससे बिगड़े हुए कार्य भी बन जाएंगे।

सिंह राशि :- जमीन जायदाद से जुड़े सभी मामलों का निपटारा होगा, माता पिता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें, किसी भी प्रतियोगिता में बैठना चाह रहे हों, अथवा सरकारी सर्विस हेतु आवेदन करना चाह रहे हों तो अवसर अच्छा है लाभ उठा सकते हैं,नव दंपत्ति के लिए संतान प्राप्ति एवं प्रादुर्भाव का भी योग है प्रेम विवाह करने का प्रयास सफल रहेगा!

कन्या राशि :- आपके पराक्रम की वृद्धि होगी, यात्रा के समय सामान चोरी होने से बचाएं,बाहरी अथवा नई-नई मुलाकात वाले लोगों पर अधिक विश्वास न करें प्रयास करें कि इस माह कर्ज न देना पड़े अन्यथा दिया गया पैसा वापस आने में बहुत समय लगेगा। माह के अंत तक ग्रह गोचर में आया सुधार आपके तनाव को दूर कर देगा!

तुला राशि :- कामयाबियों की दृष्टि से ये माह आपके लिए वरदान की तरह है इसलिए कार्य आरंभ करना हो अथवा कोई भी जोखिम पूर्ण मिले लेना हो तो भी विलंब ना करें मकान वाहन के क्रय का योग भी बन रहा है,विदेश यात्रा हेतु वीजा का आवेदन करना चाह रहे हों तो अवश्य अच्छा है, नौकरी में पदोन्नति एवं नए अनुबंध की प्राप्ति के योग हैं।

वृश्चिक राशि :- आप किसी भी तरह का बड़े से बड़ा कार्य आरंभ करना चाह रहे हों अथवा अनुबंध पर हस्ताक्षर करना चाह रहे हों तो हिचकिचायें, नहीं उसे अंतिम रूप दें,ग्रह गोचर बड़ी कामयाबी की तरफ इशारा कर रहे हैं, परिवार के बड़े सदस्यों विशेषकर के भाइयों से मतभेद ना पैदा होने दें।

धनु राशि :- इस माह के अंतिम सप्ताह में आप किसी भी प्रतियोगी परीक्षा में सम्मिलित होना चाहें तो अवसर अच्छा है, विवाह संबंधित वार्ता भी सफल रहेगी, कोर्ट कचहरी के मामलों में विजयश्री के योग किंतु, स्वास्थ्य विशेषकर के नेत्र विकार से बचें!

मकर राशि :- सफलताओं से जुड़े गिले-शिकवे दूर होंगे, प्रतीक्षित कार्यों का निपटारा होगा किंतु तनाव बना रहेगा, परिवार के बड़े बुजुर्गों से संबंधों में मधुरता लाएं, माह के आरंभ में कुछ तनाव होंगे, किंतु शीघ्र ही शुभ फलदाई भी हो जाएंगे, यात्रा देशाटन का पूरा आनंद मिलेगा।

कुंभ राशि :- ये माह आपके लिए कठिन चुनौतियां ला सकता है,आपके साहस एवं धैर्य की परीक्षा होने वाली है सावधान रहें, कार्य व्यापार की दृष्टि से उन्नति दर उन्नति होती रहेगी, भावनाओं में बहकर लिया गया निर्णय नुकसानदेह हो सकता है सावधान रहें,अधिक कर्ज के लेन-देन से बचें, झगड़े विवाद में न उलझें।

मीन राशि :-उच्चाधिकारियों से मधुर संबंध बनेगा, सरकारी सर्विस हेतु आवेदन करना चाह रहे हो तो सफलता की संभावना सर्वाधिक है, विवाह संबंधित वार्ता सफल रहेगी,परिवार में मांगलिक कार्यों से माहौल खुशनुमा रहेगा, तीर्थ यात्रा का योग है,अपनी नीतियों को भी रखते हुए कार्य को अंतिम रूप दे, सफलता अवश्य मिलेगी!

शिवानंद गिरि
(अधिवक्ता)
Ph.- 9308454485
7004408851
E-mail :-shivanandgiri5@gmail.com

☆ पहले पति के रहते हुए दूसरी शादी करना क्या मान्य है?

पहले पति के रहते हुए दूसरी शादी करना भारत में कानूनन अमान्य (वाइड) और आपराधिक (क्रिमिनल ऑफेंस) है, जिसे 'द्विविवाह' (बिगामी) कहते हैं, और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 494 (अब बीएनएस की धारा 82) के तहत इसमें 7 साल तक की सजा और जुर्माना हो सकता है, क्योंकि पहली शादी के रहते दूसरी शादी करने पर कानून कोई मान्यता नहीं देता और यह एक दंडनीय अपराध है :-

❖ **कानूनी स्थिति :-**

☞ हिंदू विवाह अधिनियम 1955 (हिंदू मैरिज एक्ट) की धारा 5 के तहत, विवाह तभी वैध माना जाता है जब किसी भी पक्ष का कोई जीवित पति या पत्नी न हो. इस शर्त के उल्लंघन पर विवाह धारा 11 के तहत शून्य (वाइड) होता है।

☞ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 494 (अब बीएनएस की धारा 82) के अनुसार, पति या पत्नी के जीवित रहते हुए दूसरी शादी करना अपराध है, जिसके लिए सजा का प्रावधान है।

☞ विशेष विवाह अधिनियम (स्पेशल मैरिज एक्ट) के तहत भी यही नियम लागू होता है, जहाँ वैध विवाह के लिए पहले से शादीशुदा न होना जरूरी है।

❖ **परिणाम (कंसीक्वेंसेस) :-**

☞ दूसरी शादी अमान्य :- आपकी दूसरी शादी कानून की नजर में कोई कानूनी अस्तित्व नहीं रखती।

☞ आपराधिक सजा :- दोषी पाए जाने पर 7 साल तक की कैद और जुर्माने की सजा हो सकती है।

☞ कानूनी कार्रवाई :- पहली पत्नी या पति इसके खिलाफ अदालत में शिकायत दर्ज करा सकते हैं, लेकिन आईपीसी 494 एक गैर-संज्ञेय (नॉन-कॉग्निजेबल) अपराध है, इसलिए पुलिस सीधे फिर दर्ज नहीं कर सकती, शिकायत कोर्ट में होती हैद्य संक्षेप में, जब तक पहली शादी कानूनी रूप से (तलाक से) खत्म नहीं हो जाती, तब तक दूसरी शादी भारत में पूरी तरह अवैध और दंडनीय है।

☆ न्यायिक प्रक्रिया में युवा अधिवक्ताओं की चुनौतियां एवं उनकी भूमिका क्या है?

न्यायिक प्रक्रिया में युवा अधिवक्ताओं की चुनौतियां एवं उनकी भूमिका एक महत्वपूर्ण विषय है, जो भारतीय कानूनी व्यवस्था की वास्तविकता को दर्शाता है। युवा वकील न केवल न्याय पहुंचाने में सहायक होते हैं, बल्कि प्रक्रिया को गतिशील भी बनाते हैं।

☞ **युवा अधिवक्ताओं की चुनौतियां :-** युवा अधिवक्ताओं को प्रारंभिक चरण में अनुभव की कमी, वरिष्ठ वकीलों के साथ प्रतिस्पर्धा और आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ता है। ड्राफ्टिंग, बहस की तकनीक और डिजिटल साक्ष्यों जैसे नए क्षेत्रों में महारत हासिल करना एक बड़ी बाधा है, खासकर जब बार एसोसिएशन में स्थापित होना कठिन हो। इसके अलावा, गरीब वादियों की सहायता के लिए स्वेच्छा की अपेक्षा के बावजूद, फीस की अनुपस्थिति में प्रोत्साहन की कमी एक प्रमुख समस्या बनी रहती है।

☞ **युवा अधिवक्ताओं की भूमिका :-** युवा अधिवक्ता न्यायिक प्रक्रिया को ताजगी प्रदान करते हैं, वैकल्पिक विवाद निपटान जैसे मध्यस्थता में सक्रिय योगदान देते हैं। वे डिजिटल सुनवाई और ई-साक्ष्यों के माध्यम से आधुनिक न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाते हैं, जिससे गरीब वादियों तक न्याय पहुंच सुनिश्चित होती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनकी सराहना से स्पष्ट है कि वे सामाजिक सद्भावना बढाने में महत्वपर्ण है। फीस की अनुपस्थिति में प्रोत्साहन की कमी एक प्रमुख समस्या बनी रहती है।

☞ **समाधान के उपाय :-** प्रशिक्षण कार्यशालाएं, सेमिनार और बार कल्याण योजनाएं युवा वकीलों के कौशल विकास में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। स्वेच्छा से गरीबों की सहायता और बार संगठनों का सहयोग चुनौतियों को कम कर सकता है, इससे न्याय प्रक्रिया अधिक समावेशी बनेगी।

☆ क्या कोई गिरफ्तार व्यक्ति अपने किसी संबंधी को सूचित करने के लिए पुलिस को बाध्य कर सकता है?

यदि किसी व्यक्ति को पुलिस गिरफ्तार कर लेती है तो उस व्यक्ति को यह अधिकार है कि वह अपनी गिरफ्तारी की जानकारी अपने संबंधी या मित्रों तक पहुंचा सके, इस अधिकार का प्रावधान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50(क) में दिया गया है। जिसके अनुसार प्रत्येक पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति जो इस संहिता के अधीन गिरफ्तारी कर रहा है ऐसी गिरफ्तारी की सूचना तथा स्थान की सूचना ऐसे गिरफ्तार व्यक्ति के मित्र, रिश्तेदार या उसके निकट संबंधी अथवा गिरफ्तार व्यक्ति के द्वारा बताए गए किसी व्यक्ति को देगा। पुलिस अधिकारी गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को जैसे ही उसे पुलिस थाने में लाया जाता है तो दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 50 की उप धारा 1 के अधीन उसके अधिकारों के बारे में सूचित करेगा । (ग) पुलिस थाने में रखी जाने वाली पुस्तिका में इस बात की और ऐसे प्रारूपों में जैसा कि राज्य सरकार निर्देशित करें गिरफ्तारी की सूचना जिस व्यक्ति को दी गई है वह उस की प्रविष्टि की जाएगी (घ) उस मजिस्ट्रेट का जिसके समक्ष गिरफ्तार व्यक्ति को प्रस्तुत किया गया है यह कर्तव्य होगा कि वह संतुष्टि कर ले कि इस धारा की उप धारा 2 और 3 की औपचारिकताएं गिरफ्तार व्यक्ति के संदर्भ में पूरी कर ली गई हैं।

जन-जन की आवाज है केवल सच

आत्म-निर्भर बनने वाले युवाओं को सपोर्ट करें

आपका छोटा सहयोग, हमें मजबूती प्रदान करेगा

www.kewalsach.com

www.kewalsachlive.in

-: सम्पर्क करें :-

पूर्वी अशोक नगर, रोड नं.-14, मकान संख्या-28/14,
कंकड़बाग, पटना (बिहार)-800020, मो०:-9431073769, 9308815605

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

-: निवेदक :-

राजीव चटर्जी, अध्यक्ष
बासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
(Serving nation since 1990)

WESTOCITRON
WESTOCLAV
WESTOFERON
WESTOPLEX
QNEMIC

AOJ
AZIWEST
DAULER
MUCULENT
AOJ-D
BESTARYL-M
GAS-40
MUCULENT-D

SEVIPROT
WESTOMOL
WESTO ENZYME
ZEBRIL

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Dispersing Happiness

WESTERLIN DRUGS PVT. LTD.
Industrial area, Fatuha-803201
E-mail- westerlindrugsprivatelimited@gmail.com
Phone No.:0162-3500233/2950008